नई दिल्ली
गुरुवार 23 जुलाई 2026
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष, नवमी वर्ष : 30, अंक : 95
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

छात्रों पर पुलिसिया कार्रवाई के विरोध में विपक्ष हुआ एकजुट, संसदीय परिसर में किया प्रदर्शन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

छात्रों पर की गई बर्बरतापूर्ण कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। काले कपड़े पहने सभी सांसदों ने 'धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करो' और 'पेपर लीक बंद करो' की मांगों की तख्तियां ली हुई थी। इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन की कई पार्टियों के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इस मुद्दे पर दिन में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन में बोलते हुए कहा कि पार्टी नियम 267 के तहत नीट परीक्षा के बारे में चर्चा करना चाहती है। इस मुद्दे पर निष्पक्ष चर्चा तभी हो पाएगी, जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा देंगे।

बाद में संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने नियम 267 में नोटिस दिया और चेयरमैन से चर्चा की अनुमति मांगी, लेकिन वे तैयार नहीं हुए एवं कहा कि किसी अन्य नियम में मांग रखी जाए। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे नियम में चर्चा का महत्व नहीं रह जाएगा। जैसे लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव होता है, वैसे ही राज्यसभा में भी नियम 267 का महत्व होता है। उन्होंने कहा कि मंगलवार शाम को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का अपमान किया गया। उन्होंने इस व्यवहार को बेहद शर्मनाक बताया। खरगे ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों सदनों में विस्तृत वक्तव्य दें और स्पष्ट करे ⏩ शेष पेज 5 पर

लोकसभा में दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित की गई कार्यवाही

संसद में नहीं थमा हंगामा, नीट पेपर लीक पर विपक्ष के शोरशराबे की भेंट चढ़ी कार्यवाही

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

मानसून सत्र के तीसरे दिन यानी बुधवार को भी संसद के हालात में कोई परिवर्तन नहीं आया। कांग्रेस की अगुवाई में तमाम विपक्षी दल कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नीट पेपरलीक को लेकर किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों पर लोकसभा में सरकार के खिलाफ बेहद आक्रोशित नजर आए। सुबह 11 बजे कार्रवाई की शुरुआत के साथ विपक्षी सांसदों ने इन मुद्दों को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आसन के समीप आकर नारेबाजी करना शुरू कर दिया। जिससे प्रश्नकाल और शून्यकाल दोनों बाधित हुए। दो बार के स्थगन के बाद दोपहर 2 बजे पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तन्नेटी ने पहले कार्रवाई को सुचारू रूप से चलाने की कोशिश की। उन्होंने विपक्षी जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वो संसद को यूं लगातार बाधित न करें, आज कई महत्वपूर्ण बिल चर्चा के लिए कार्यसूची में शामिल किए गए हैं। कृपया अपने-अपने स्थान पर जाकर बैठ जाएं। ताकि कार्रवाई सुचारू रूप से चलाई जा सके। तन्नेटी के इस अनुरोध से भी कोई फर्क ⏩ शेष पेज 5 पर

टीएमसी की पूर्व महिला सांसद मिताली बाग के साथ दुर्व्यवहार के मामले में कल्याण बनर्जी को किया गया निष्कासित

विपक्ष के रवैये से खफा बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष द्वारा बीते तीन दिनों से लोकसभा के भीतर किए जा रहे हंगामे को लेकर नाराजगी जताते हुए यह अपील की कि यह सदन का बेहद महत्वपूर्ण समय होता है। जिसमें प्रश्नकाल हर हाल में होना चाहिए। सरकार की भी यह जिम्मेदारी होती है कि वह प्रश्नकाल चलाए। मैं, विपक्ष को आश्वस्त करता हूं कि उन्हें उनके मुद्दे दोपहर 12 बजे शून्यकाल के दौरान उठाने दिए जाएंगे। जिसमें मैं सभी को बोलने का पर्याप्त मौका दूंगा। बिरला की इस भावुक अपील सुनकर भी विपक्षी सांसद टस से मस नहीं हुए और उनका शोरशराबा जारी रहा। जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी दलों के व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आप लोग लगता है कि नियोजित तरीके से सदन की कार्रवाई को चलने नहीं देना चाहते हैं। ऐसे में कार्रवाई को 12 बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है।

खबर संक्षेप

ताई का फूटा दर्द, बोलीं इंदौर को अनाथ समझ लिया

इंदौर। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता सुमित्रा महाजन 'ताई' ने इंदौर के साथ हो रहे उपेक्षित व्यवहार पर रेलवे बोर्ड को तल्ख पत्र लिखा है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि पश्चिम रेलवे ने इंदौर को अनाथ मान लिया है और शहर की ट्रेन सेवाएं छीनी जा रही हैं। सुमित्रा ताई ने पत्र में कहा कि पीएम द्वारा उद्घाटित मेमू ट्रेन का रैक इंदौर से छीनकर पुराना डेमू रैक दे दिया गया।

ललित मोदी को फेमा मामले में बड़ी राहत, भारत लौटेंगे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के पहले अध्यक्ष ललित मोदी को 2009 दक्षिण अफ्रीका फेमा मामले में बड़ी राहत मिली है। अपीलीय ट्रिब्यूनल ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगाए गए अधिकांश निष्कर्षों और जुर्मानों को रद्द कर दिया है। फैसले पर खुशी जताते हुए ललित मोदी ने कहा कि 16 साल से वह जिस सच की बात कर रहे थे।

लगातार तीसरे दिन बाधित रही संसद की कार्यवाही

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा विपक्ष पेपर लीक पर चर्चा को तैयार है केंद्र

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को नीट परीक्षा विवाद, छात्र आंदोलन और अन्य मुद्दों को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ। विपक्ष के लगातार विरोध और नारेबाजी के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी और अंततः पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान सरकार ने दोहराया कि वह नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, जबकि विपक्ष ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अपना रुख कायम रखा।

लोकसभा में हंगामा, कल्याण बनर्जी पूरे सत्र के लिए निलंबित: लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही विपक्षी सदस्यों ने नीट परीक्षा और छात्र आंदोलन का मुद्दा उठाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। प्रश्नकाल चलाने की कोशिश के बावजूद हंगामा नहीं थमा, जिसके चलते सदन पहले दोपहर 12 बजे और फिर दोपहर 2 बजे तक स्थगित करना पड़ा। दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भी विपक्ष का विरोध जारी रहा। इसी दौरान पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेनेटी ने

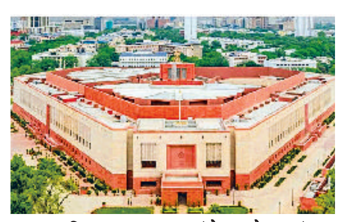

बताया कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने महिला सांसदों के खिलाफ आपत्तिजनक और असंसदीय टिप्पणी की, जिसकी शिकायत पीठ को मिली है। उन्होंने इसे सदन की गरिमा के विरुद्ध बताया। इसके बाद संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कल्याण बनर्जी को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। हंगामा जारी रहने पर लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सरकार का दावा- चर्चा से नहीं भाग रहे : संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार पहले दिन से ही नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चर्चा सदन के स्थापित नियमों के अनुसार होनी चाहिए और सरकार चाहती है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर सभी दल रचनात्मक बहस करें। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ⏩ शेष पेज 5 पर

किरण रिजिजू का कांग्रेस पर पलटवार

राज्यसभा में किरण रिजिजू ने कांग्रेस पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में कांग्रेस चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन अब नई-नई शर्तें जोड़कर बहस टालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे जनता के बीच गलत संदेश जा रहा है, जबकि सरकार स्पष्ट रूप से चर्चा के लिए तैयार है।

जेपी नड्डा ने विपक्ष के रवैये की आलोचना की

राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष के व्यवहार को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों पर काम कर रही है तथा जनता के हित में निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है।

डीएमके ने भी चर्चा की मांग की

डीएमके सांसद तिरुचि शिवा ने भी कहा कि नीट जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। हालांकि, हंगामे के कारण इस पर कोई सार्थक बहस नहीं हो सकी।

राहुल गांधी को पीएम मोदी से अपील: अहंकार छोड़िए, छात्रों की मांगें मानिए

संसद के मानसून सत्र में नीट परीक्षा विवाद और छात्रों के आंदोलन को लेकर सियासी टकराव और तेज हो गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी मांगें स्वीकार करे। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई और छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार से माफी मांगने को कहा। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों के समक्ष आंदोलन के समय पुलिस के रवैया का विस्तृत वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ₹मोदी जी, अहंकार छोड़िए। छात्रों की गूंज सुनिए, उनकी 3 मांगें पूरी कीजिए। नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तत्काल इस्तीफा लिया जाए। छात्रों पर हुई बर्बरता करने वाले जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाए। छात्रों के साथ हुए अन्याय के लिए सरकार सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। राहुल गांधी ने कहा कि मैं, कांग्रेस पार्टी और पूरा विपक्ष छात्रों और उनकी इन मांगों के साथ ⏩ शेष पेज 5 पर

नीट विवाद पर राज्यसभा में गरजे खरगे, बोले- पहले शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा, तभी होगी निष्पक्ष बहस

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के तीसरे दिन राज्यसभा में नीट परीक्षा विवाद और छात्र आंदोलन को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नियम 267 के तहत सदन का सामान्य कामकाज स्थगित कर तत्काल चर्चा कराने की मांग करते हुए कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक इस मुद्दे पर निष्पक्ष बहस संभव नहीं है। राज्यसभा में बोलते हुए खरगे ने कहा, ₹हम अपने बहादुर विद्यार्थियों की ओर से और नीट परीक्षा के मुद्दे पर नियम 267 के तहत चर्चा चाहते हैं। अगर निष्पक्ष चर्चा करनी है तो पहले शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। जब तक वह इस्तीफा नहीं देंगे, निष्पक्ष चर्चा नहीं हो सकती। सरकार पहले उनका इस्तीफा ले और फिर चर्चा शुरू कराए। खरगे ने आरोप लगाया कि छात्र अपनी आवाज उठा रहे हैं, लेकिन उनके साथ बल प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ₹यह लोकतंत्र है? बच्चों को कुचला जा रहा है, मारा जा रहा है।₹ इस दौरान सदन में भारी शोर-शराबा हुआ और सत्ता पक्ष के सदस्यों ने उनके बयान का विरोध किया। हंगामे के बीच खरगे ने कहा कि विपक्ष बहस से भागने वाला नहीं है और पूरी चर्चा में हिस्सा लेने के लिए तैयार है।

नियम 267 के तहत चर्चा की मांग : विपक्ष ने नियम 267 के तहत नोटिस देकर सदन का निर्धारित कार्य स्थगित कर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं, छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई और विपक्षी नेताओं की हिरासत जैसे मुद्दों पर तत्काल चर्चा की मांग की। नियम 267 के तहत सभापति यदि अनुमति दें तो सदन का सूचीबद्ध कार्य रोककर किसी अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के विषय पर चर्चा कराई जा सकती है।

सरकार का जवाबः

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार नीट मुद्दे पर चर्चा से नहीं भाग रही है। उन्होंने कहा कि सरकार संसद के नियमों के तहत इस विषय पर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष बहस से बचने का प्रयास कर रहा है।

हंगामे की भेंट चढ़ी कार्यवाही

नीट विवाद और छात्र आंदोलन के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के कारण राज्यसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की, जबकि पीठासीन अधिकारी, उपसभापति हरिवंश लगातार सदन में व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते रहे। लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

केंद्र सरकार आंदोलन के प्रति 'संवेदनशील', हमेशा बातचीत के लिए तैयार: भाजपा

बिना किसी अनुमति के संसद का घेराव करने की कोशिश की गई, तब भी सरकार बातचीत के लिए तैयार रही: स्वराज

कहा, विपक्षी दल इन विरोध प्रदर्शनों से राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी भाजपा ने बुधवार को कहा की केंद्र सरकार कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व वाले छात्र आंदोलन के प्रति 'संवेदनशील' बनी हुई है। सरकार हमेशा बातचीत के लिए तैयार रही है। सत्तारूढ़ दल ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह यह झूठा विमर्श फैला रहा है कि भारत की परीक्षा प्रणाली पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी दल इन विरोध प्रदर्शनों से राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीजेपी द्वारा शुरू किये गये आंदोलन को छात्र आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया गया और सरकार का इसके प्रति रुख हमेशा संवेदनशील रहा है। उन्होंने कहा कि जब सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके छह जून को अमेरिका से लौटे तो दिल्ली पुलिस ने उन्हें हवाई अड्डे से आगे जाने की अनुमति दी और शाम पांच बजे तक विरोध प्रदर्शन पर कोई आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने कहा, "क्योंकि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा इसलिए पुलिस ने किसी भी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न नहीं की।" स्वराज ने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को बिना अनुमति के "संसद का घेराव" करने का प्रयास किया गया। यह अराजकता का संकेत है। जब बिना किसी अनुमति के संसद का घेराव करने की कोशिश की गई, तब भी सरकार बातचीत के लिए तैयार रही।"

उन्होंने दावा किया कि छह जून से 20 जुलाई के बीच प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत की मांग को लेकर कोई अनुरोध या संदेश नहीं आया। स्वराज ने दावा किया, "छह जून से 20 जुलाई तक बातचीत के लिए कोई अनुरोध या संदेश नहीं आया था। हालांकि, जैसे ही उन्होंने संदेश भेजा, सरकार ने तुरंत उन्हें जेपी नड्डा से मिलने और बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया।" उन्होंने आरोप लगाया कि नड्डा से मुलाकात के बाद प्रदर्शनकारियों ने सरकार को आश्वासन दिया था कि वे आंदोलन जारी नहीं रखेंगे, लेकिन वे अपने वादे पर कायम नहीं रहे। स्वराज ने आरोप लगाया, "उनसे फिर से अनुरोध ⏩ शेष पेज 5 पर

न्यायायिक अधिकारी अब 61 में होंगे रिटायर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर राज्य सरकारें और हाईकोर्ट मिलकर बनाएंगे फॉर्मूला

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जिला न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 61 वर्ष करने पर विचार करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य सरकारें अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के उच्च न्यायालयों से परामर्श कर इस संबंध में निर्णय लें। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन भी शामिल थे, देशभर में जिला न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

राज्य सरकारें और हाईकोर्ट मिलकर लें फैसला : सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि सभी राज्य सरकारें और केंद्रशासित प्रदेश अपने-अपने उच्च न्यायालयों से विचार-विमर्श कर यह तय करें कि न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष की जाए या नहीं। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि कोई राज्य या केंद्रशासित प्रदेश इस प्रस्ताव से सहमत होता है, तो वहां के न्यायिक अधिकारी 1 अप्रैल, 2026 से 61 वर्ष की आयु तक सेवा में बने रह सकेंगे। ⏩ शेष पेज 5 पर

कॉकरोचों पर लाठीचार्ज: सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

मुख्य न्यायाधीश बोले- वीडियो देखने का वक्त नहीं, हमारा वक्त बर्बाद न करें

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा- लाठीचार्ज की जांच हो

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने सीजेआई की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उसे देखने का समय नहीं है। जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा कि हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए। गौर हो कि15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। इस टिप्पणी के बाद ही अभिजीत दीपके ने इंस्टाग्राम ⏩ शेष पेज 5 पर

छात्राओं से छेड़छाड़ और लाठीचार्ज का मामला

दिल्ली हाई कोर्ट का दिल्ली पुलिस को नोटिस, फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश

याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने कहा- 90 से ज्यादा प्रदर्शनकारी गंभीर जख्मी

दिल्ली हाई कोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च के दौरान हुए लाठीचार्ज और सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने के मामले में दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस देवेंद्र उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट में याचिकाकर्ताओं के वकीलों एन. हरिहरन, विकास सिंह और संजय हेगड़े ने पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल ⏩ शेष पेज 5 पर

वांगचुक ने मेदांता अस्पताल से केंद्र सरकार के मंत्रियों नड्डा और जितेंद्र सिंह को लिखा पत्र

कहा, सरकार से आश्वासन मिलने पर अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दूंगा, अन्यथा अनशन जारी रखना पड़ेगा

युवा प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई नहीं हो, तो... फिर तोड़ दूंगा अपना अनशन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

मेदांता अस्पताल में दाखिल सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बुधवार को केंद्र सरकार को पत्र लिखा। छात्र आंदोलन से जुड़ी मांगों को लेकर पिछले कई दिन से अनशन कर रहे वांगचुक ने केंद्र सरकार से मांग की है कि छात्र आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कार्रवाई नहीं होने का स्पष्ट भरोसा दिया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा आश्वासन मिलने पर ही वह अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त करेंगे। इससे पहले मंगलवार देर शाम वांगचुक से अस्पताल में केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और डॉ जितेंद्र सिंह ने मुलाकात की थी। इस मुलाकात के

मंगलवार देर शाम मेदांता अस्पताल में जेपी नड्डा और डॉ जितेंद्र सिंह ने सोनम वांगचुक से की थी मुलाकात

दौरान छात्र आंदोलन से बिगड़ते हालातों के बीच केंद्रीय मंत्रियों ने वागंचुक से अपना अनशन समाप्त करने की अपील की थी। सोनम ने इसके बाद बुधवार को अपने पत्र के जरिये अपनी बात कही है। उन्होंने मंत्रियों से हुई मुलाकात और विभिन्न दलों के सांसदों के समर्थन का उल्लेख करते हुए कहा कि आंदोलन का उद्देश्य निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को पत्र लिखा है। इसमें सोनम वांगचुक ने कहा कि अगर सरकार यह स्पष्ट आश्वासन देती है कि आंदोलन में शामिल किसी भी युवा प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, तो वह अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर देंगे। अन्यथा उन्हें अपना अनशन जारी रखना पड़ेगा। पत्र में वांगचुक ने लिखा कि अस्पताल में उनसे मिलने और अनशन समाप्त करने की अपील करने के लिए वह दोनों केंद्रीय मंत्रियों के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान मंत्रियों ने भरोसा दिलाया कि सरकार निम्नलिखित मांगों पर सकारात्मक विचार करेगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। सोनम ने कहा कि अगर सरकार ऐसा आश्वासन देती है तो वह इस विश्वास के साथ अपना अनशन समाप्त कर देंगे कि सरकार ने केवल उनकी अपील ही नहीं, बल्कि लाखों युवाओं की आकांक्षाओं को भी सुना है। वांगचुक ने लिखा, अगर ऐसा आश्वासन नहीं मिलता है, तो मुझे अपना अनशन अनिश्चितकाल तक जारी रखने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही मुझे उम्मीद है कि आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस की ओर से अत्यधिक बल प्रयोग दोबारा नहीं किया जाएगा। पत्र के अंत में उन्होंने कहा, हमारे लोकतंत्र का भविष्य इस बात पर निर्भर नहीं करता कि ⏩ शेष पेज 5 पर

यमुना विहार और भजनपुरा मेट्रो स्टेशन के बीच विकसित हो रही है परियोजना

तेजी से चल रहा है डबल-डेकर फ्लाईओवर परियोजना का निर्माणः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर, घोंडा और बृजपुरी जंक्शन (मंगल पांडे मार्ग) पर पीडब्ल्यूडी और डीएमआरसी की संयुक्त डबल-डेकर फ्लाईओवर परियोजना का निर्माण तेजी से चल रहा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दिल्ली की पहली इंटीग्रेटेड डबल-डेकर संरचना है, जिसमें फ्लाईओवर और मेट्रो दोनों एकीकृत रूप से विकसित किए जा रहे हैं। यह 1.40 किलोमीटर लंबी परियोजना यमुना विहार और भजनपुरा मेट्रो स्टेशन के बीच बनाई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को हुई व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में परियोजना की संशोधित अनुमानित लागत 291 करोड़ रुपये को स्वीकृति दी गई है। सरकार का लक्ष्य इस परियोजना को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह केवल फ्लाईओवर बनाने की परियोजना नहीं है। इसके साथ एलिवेटेड कॉरिडोर, नई सड़कें, फुटपाथ, रोड साइनेज, बिजली, ड्रेनेज, वर्षा जल संचयन (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) और अन्य जरूरी सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है। इस पूरी परियोजना का निर्माण डीएमआरसी कर रही है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी और डीएमआरसी के बीच 24 फरवरी 2021 को समझौता हुआ था। परियोजना की मूल स्वीकृत लागत 220.10 करोड़ रुपये थी।

परियोजना का 88 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 22 जुलाई 2026 तक परियोजना का 88 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अब तक 220.10 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में कुछ कार्यों की अनुमति न मिलने के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ था। अब आवश्यक अनुमति मिल चुकी है और डीएमआरसी ने फ्लाईओवर के शेष हिस्से तथा रैंप के निर्माण कार्य को फिर से तेज कर दिया है। अब तक फ्लाईओवर के 80 डेक स्लैब में से 74 तैयार हो चुके हैं और केवल 6 का काम बाकी है। इसी तरह 5,600 रनिंग मीटर क्रैश बैरियर में से 4,100 रनिंग मीटर का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 1,500 रनिंग मीटर का काम शेष है। इसके अलावा 18 एक्सपेंशन जॉइंट में से 14 लगाए जा चुके हैं और 4 लगाए जाने बाकी हैं।

अंतिम चरण के कुछ महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए जाने बाकी

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब परियोजना के अंतिम चरण के कुछ महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए जाने बाकी हैं। इनमें सड़क की अंतिम परत बिछाने का काम (डीबीएम और बीसी), 100 बिजली के पोल लगाना, 8 हजार वर्गमीटर क्रैश बैरियर की पेंटिंग और 94 हजार 900 वर्गमीटर एंटी-कार्बोनेशन पेंटिंग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यमुना विहार और भजनपुरा का इलाका वर्तमान में अत्यधिक यातायात दबाव वाला क्षेत्र है। फ्लाईओवर बनने के बाद करीब 65 से 70 प्रतिशत यातायात सीधे इस डबल-डेकर फ्लाईओवर से गुजरेगा, जिससे नीचे की सड़क पर केवल स्थानीय यातायात रहेगा और क्षेत्र में जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। इसके अलावा गोकुलपुरी से खजूरी खास होते हुए सिग्नेचर ब्रिज तक लोगों को सिग्नल-फ्री आवागमन की सुविधा भी मिलेगी।

आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों से किया जा रहा निर्माण

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस फ्लाईओवर का निर्माण आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों से किया जा रहा है। इसमें दोनों दिशाओं में 3-3 लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जा रहा है। परियोजना में प्री-कास्ट वायाडक्ट, रैंप पर आरई वॉल और 1000 मिमी व्यास की मजबूत नींव (बोरड कास्ट-इन-सीटू पाइल) जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। फ्लाईओवर की कुल लंबाई 1.40 किलोमीटर होगी। दोनों ओर 140-140 मीटर लंबे रैंप बनाए जा रहे हैं। इसकी कुल चौड़ाई 23 मीटर होगी और इसके लोअर डेक पर 6 लेन का फ्लाईओवर बनाया जा रहा है।

सरकारी सेवाओं को पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्यः सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- दिल्ली सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम की 84 सेवाओं का समय घटाया
- कुछ सेवाएं अब बिना देरी के मिलेंगी
- 18 विभागों की 95 प्रमुख सेवाओं की हुई समीक्षा

दिल्ली सरकार का लक्ष्य लोगों और कारोबार से जुड़े लोगों को सरकारी सेवाएं पहले से ज्यादा तेज, आसान और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसे लेकर दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने डिरेगुलेशन एक्सरसाइज-फेज 2 के तहत प्राथमिकता क्षेत्र-21 पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए मिलने वाली सेवाओं में आवेदन से लेकर काम पूरा होने तक कितना समय लगता है और उस समय को कैसे कम किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अध्ययन में 18 विभागों को शामिल किया गया और सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 95 प्रमुख सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सिंगल विंडो सिस्टम एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां नागरिक और व्यवसाय विभिन्न लाइसेंस, परमिट, अनुमोदन और क्लीयरेंस के लिए एक ही जगह ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और उन्हें प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन के बाद काम करने की प्रक्रियाओं में कई जरूरी सुधार किए गए। इसका परिणाम यह हुआ कि सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 84 सेवाओं में आवेदन के निपटारे का समय कम कर दिया गया है। इतना ही नहीं, कुछ सेवाएं अब तुरंत उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में कारोबार करना और आसान बनाना, सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना तथा नागरिकों और व्यवसायों के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को सरल करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का सूचना प्रौद्योगिकी विभाग डिजिटल तकनीक और बेहतर कार्यप्रणाली के जरिए लोगों तक तेज, आसान और नागरिक-केंद्रित सरकारी सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

करोल बाग में इमारत में लगी भीषण आग, दो लोगों को सुरक्षित निकला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

करोल बाग इलाके में बुधवार को एक इमारत में भीषण आग लग गई। दमकल की कई गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और दो लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। इमारत की ऊपरी मंजिल पर पीजी चल रहा था।

पुलिस के अनुसार करोल बाग की चना मंडी इलाके में स्थित पीजी में आग लगने की सूचना सुबह करीब 11 बजे मिली। इसके बाद दमकल की 12 गाड़ियां मौके पर बुलाई गई। आग पर दोपहर 12.25 बजे तक काबू पा लिया गया। पुलिस के अनुसार इमारत में भूतल के अलावा तीन मंजिल हैं। तीसरी मंजिल पर पीजी चल रहा था जबकि पहली और दूसरी मंजिल पर जूते रखने का गोदाम था। इमारत में भूतल पर चमड़े के जूते बनाने की एक छोटी इकाई भी संचालित थी। पुलिस के मुताबिक पीजी में रह रहे दो छात्रों को दमकल कर्मियों की मदद से निकाल लिया गया। इस दौरान एक छात्र को मामूली चोट आई।

बवाना में हेलमेट बनाने की फैक्टरी में लगी आग, एक की मौत

बाहरी दिल्ली के बवाना इलाके में भी बुधवार सुबह हेलमेट बनाने की एक फैक्टरी में आग लग गई। इस घटना में एक फैक्ट्री कर्मचारी की मौत हो गई है। मृतक की पहचान 21 वर्षीय आशीष के रुप में हुई है। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने जानकारी दी कि आग ने पूठ खुर्द इलाके में स्थित फैक्टरी में लगी थी। दमकल विभाग को सुबह करीब 9.50 बजे आग की सूचना मिली। इसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर भेजी गई। इस बीच दिल्ली पुलिस के जवान भी मौके पर पहुंच चुके थे। आग इतनी भीषण थी कि बाद में कई और दमकल गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

डीयू प्रवेशः पहले राउंड के बाद 63 हजार 756 छात्रों ने लिया दाखिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों के दाखिले की प्रक्रिया के पहले राउंड के पूरा होने के बाद अब तक 63 हजार 756 अभ्यर्थियों ने प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है। डीयू प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, पहला एडमिशन राउंड पूरा हो चुका है और बड़ी संख्या में छात्रों ने अपनी सीट स्वीकार कर ली है। इनमें से 15 हजार 265 अभ्यर्थियों ने अपनी आवंटित सीट को फ्रीज कर दिया है, यानी वे उसी सीट पर अंतिम रूप से दाखिला लेना चाहते हैं और आगे के राउंड में भाग नहीं लेंगे। वहीं, 48,153 छात्रों ने अपग्रेड का विकल्प चुना है। इसका अर्थ है कि उन्होंने वर्तमान सीट पर दाखिला तो ले लिया है, लेकिन अगले राउंड में अपनी उच्च वरीयता वाले कॉलेज या पाठ्यक्रम में सीट मिलने की उम्मीद में शामिल रहेंगे। डीयू की प्रवेश प्रक्रिया अभी जारी है और आगामी राउंड में अपग्रेड तथा रिक्त सीटों के आधार पर नए आवंटन किए जाएंगे। ऐसे में हजारों अभ्यर्थियों की नजर अब दूसरे राउंड की सीट आवंटन सूची पर टिकी हुई है।

राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कॉलेजों को जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। भारत सरकार के राजभाषा संबंधी प्रावधानों के अनुसार दिल्ली विश्वविद्यालय (राजभाषा प्रकोष्ठ) के कुलसचिव ने संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक, दक्षिण परिसर, महाविद्यालय के प्राचार्यों, वित्त अधिकारी, संकाय सदस्यों/ निदेशकों को हिंदी में कार्य करने संबंधी सर्कुलर जारी किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संस्था विद्वत परिषद के पूर्व सदस्य व अरविंदो कॉलेज में प्रोफेसर हंसराज सुमन ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने भेजे गए सर्कुलर को लेकर बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत सरकार के राजभाषा संबंधी प्रावधानों के अनुसार- क क्षेत्र में स्थित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नियम, 1976, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देशों तथा राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं दिल्ली विश्वविद्यालय में राजभाषा नीति के समुचित अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों, निदेशकों, अधिकारियों तथा कर्मियों को अनुपालन करना अति आवश्यक है।

'सुसाइड नोट' छोड़कर घर से निकला किशोर सीआईएसएफ ने दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर पता लगाया

एजेंसी, नई दिल्ली। 'सुसाइड नोट' लिखने के बाद घर से निकले 17 वर्षीय किशोर का केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों की मदद से दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर पता लगाकर उसे उसके परिवार से मिला दिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे पश्चिमी दिल्ली स्थित पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर हुई। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ ने सीआईएसएफ के नियंत्रण कक्ष को सूचित किया था कि 17 वर्षीय किशोर एक नोट लिखने के बाद घर से निकल गया है। सूचना मिली थी कि किशोर पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन के आसपास हो सकता है। इसके बाद सीआईएसएफ के जवानों ने उसकी तलाश शुरू की और उसे एक नंबर स्टेशन गेट के पास ढूंढ लिया। अधिकारियों ने बताया कि बाद में किशोर को उसके परिवार को सौंप दिया गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुरेंद्र पुत्र** स्व0 कंचन सिंह **निवासी** डी–8, शर्मा कॉलोनी, बुध विहार, फेज–2, रोहिणी, दिल्ली, ने **FIR No. 254/2020, U/S 33 Delhi Excise Act, पुलिस स्टेशन बुध विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 254/2020, U/S 33 Delhi Excise Act, पुलिस स्टेशन बुध विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.08.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री संयम जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04,
उत्तर–पश्चिम, कोर्ट नं0–112,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/9937/RD/2026
(Court Matter)

एनडीएमसी ने हिंदी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए कर्मचारियों को जारी किया सकुर्लर

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने बुधवार को दिल्ली सरकार के कला संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली हिंदी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपने कर्मचारियों को एक सकुर्लर जारी किया है। एनडीएमसी द्वारा जारी सकुर्लर में कहा गया है कि कला संस्कृति एवं भाषा विभाग के उप सचिव द्वारा जारी 16 जून 2026 के एक परिपत्र के अनुसार विविध हिंदी की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक एनडीएमसी के अधिकारी एवं कर्मचारी अपने विभागाध्यक्ष के माध्यम से अपने आवेदन पत्र 11 सितंबर 2026 शाम 5 बजकर 30 मिनट तक दिल्ली सरकार, कला संस्कृति एवं भाषा विभाग, सी विंग, सातवां तल, आईपी स्टेट दिल्ली सचिवालय नई दिल्ली को अवश्य भिजवा दें तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना या आगामी कार्यवाही हेतु दिल्ली सरकार से संपर्क करें। जारी परिपत्र के अनुसार वर्ग क, ख, ग तथा घ के कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन 14 सितंबर 2026 को दोपहर साढ़े तीन बजे लुडलो कैसल, राजनिवास मार्ग पर स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय नंबर-1 में आयोजित होगी। वहीं हिंदी टिप्पण, आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन 15 सितंबर 2026 को और हिंदी सुलेख प्रतियोगिता आयोजन 16 सितंबर को साढ़े तीन बजे इसी स्कूल में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा 17 सितंबर 2026 को हिंदी आशुलिपि प्रतियोगिता सुबह 11 बजे दिल्ली सचिवालय के छठे तल पर आयोजित होगी।

एनडीएमसी ने नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय जनता को किया समर्पित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने बुधवार को करीब 22 लाख रुपए की लागत से बने नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय को जनता को समर्पित किया। इसका उद्घाटन एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने किया। इस अवसर पर एनडीएमसी के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। चहलa ने बताया कि एनडीएमसी अपने क्षेत्र में स्वच्छ, आधुनिक, सुरक्षित एवं नागरिक-अनुकूल सार्वजनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 42.74 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल वाले एनडीएमसी क्षेत्र में वर्तमान में 364 सार्वजनिक स्वच्छता इकाइयां संचालित हैं, जिनमें 291 सार्वजनिक शौचालय 40 सामुदायिक शौचालय तथा 33 सार्वजनिक मूत्रालय शामिल हैं। इनका उद्देश्य नागरिकों एवं आगंतुकों को बेहतर स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराना है। चहल ने बताया कि पटियाला हाउस कोर्ट के पीछे स्थित यह सार्वजनिक शौचालय पहले लगभग 25 वर्ग मीटर क्षेत्र में था। बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए पुराने ढांचे को पूर्णतः हटाकर लगभग 50 वर्ग मीटर क्षेत्र में 22 लाख रुपए की लागत से आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया शौचालय बनाया गया है। यह कार्य लगभग पांच माह में पूर्ण किया गया। चहल ने बताया कि इस आधुनिक सुविधा में महिला एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग ब्लॉक बनाए गए हैं। पुरुष ब्लॉक में 3 वाटर क्लोसेट, 5 सेंसर आधारित यूरिनल तथा महिला ब्लॉक में 3 वाटर क्लोसेट की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि सेंसर आधारित यूरिनल से पानी की बचत होगी तथा संपर्क रहित उपयोग के कारण स्वच्छता भी बेहतर होगी। बेहतर वेंटिलेशन एवं आधुनिक सुविधाओं से यह सार्वजनिक शौचालय अधिक स्वच्छ, सुरक्षित एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है। चहल ने कहा कि यह सुविधा मुख्य रूप से पटियाला हाउस कोर्ट आने वाले वकीलों, वादकारियों, न्यायालय कर्मचारियों, आगंतुकों एवं आम नागरिकों को लाभान्वित करेगी तथा इस व्यस्त क्षेत्र में स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को और मजबूत करेगी। चहल ने कहा कि एनडीएमसी आने वाले समय में भी सार्वजनिक शौचालयों सहित अन्य नागरिक सुविधाओं का आधुनिकीकरण जारी रखेगी। उन्होंने नागरिकों से सार्वजनिक सुविधाओं का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने तथा उन्हें स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग देने का आग्रह किया।

डीडीए ने की 'कर्मजीवी आवास योजना-2026' लॉन्च

- नरेला में 1,200 से अधिक फ्लैटों पर 25 प्रतिशत तक की छूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने 80वें स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए कर्मजीवी आवास योजना-2026 की शुरुआत की है। इस योजना के तहत नरेला के पॉकेट-11, सेक्टर ए1-ए4 में स्थित 1,200 से अधिक रेडी-टू-मूव फ्लैटों पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। योजना का शुभारंभ दिल्ली के उपराज्यपाल एवं डीडीए के अध्यक्ष सरदार तरणजीत सिंह संधू के मार्गदर्शन में किया गया है। यह योजना सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ कॉरपोरेट, व्यापार, उद्यमिता और विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए शुरू की गई है। डीडीए का कहना है कि इसका उद्देश्य कामकाजी वर्ग के लिए दिल्ली में घर खरीदना अधिक किफायती बनाना और नियोजित शहरी विकास को बढ़ावा देना है।

डीडीए के अनुसार, योजना के तहत 1 बीएचके, 2 बीएचके और 3 बीएचके श्रेणी के फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे। 25 प्रतिशत छूट के बाद 1 बीएचके फ्लैट की शुरुआती कीमत 33 लाख 40 हजार रुपये, 2 बीएचके की 75 लाख 55 हजार रुपये और 3 बीएचके की 1 करोड़ 6 लाख 50 हजार रुपये होगी। डीडीए के अनुसार, योजना के लिए पंजीकरण 24 जुलाई 2026 से शुरू होगा, जबकि फ्लैटों की बुकिंग 15 अगस्त 2026 से पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर डीडीए आवास पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मधु पत्नी** सुरेश **निवासी** जीएफ परिसर मकान नं0–25 के पास, पोल नं0 नई लाइन प्रेरणा बस्ती, गांव–रेवला खानपुर नजफगढ़, नई दिल्ली–43, ने **CT Cases No. 1041/2022, U/S 135 IE Act, पुलिस स्टेशन छावला, द्वारका जिला, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मधु** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मधु** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CT Cases No. 1041/2022, U/S 135 IE Act, पुलिस स्टेशन छावला, द्वारका जिला, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **मधु** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.09.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री हरलीन सिंह
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश,
(दक्षिण–पश्चिम), विशेष विद्युत कोर्ट,
कोर्ट नं0–609, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/9928/DW/2026
(Court Matter)

मरीज निजी जांच केंद्रों के चक्कर लगाने को मजबूर

सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में दो दशक से अल्ट्रासाउंड डॉक्टर का अभाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर एक गंभीर सवाल नरेला विधानसभा क्षेत्र के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल से सामने आया है। अस्पताल में पिछले करीब दो दशक से अल्ट्रासाउंड जांच करने के लिए एक भी रेडियोलॉजिस्ट (अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ डॉक्टर) तैनात नहीं है। इसका खामियाजा रोजाना इलाज के लिए आने वाले हजारों मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टर द्वारा अल्ट्रासाउंड जांच लिखे जाने के बावजूद मरीजों को निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों का रुख करना पड़ता है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है और समय पर जांच नहीं होने से इलाज में भी देरी हो रही है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद भी अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति नहीं हो सकी। करीब डेढ़ साल बीत जाने के बावजूद यह महत्वपूर्ण पद खाली है, जबकि नरेला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी आबादी इसी अस्पताल पर निर्भर है। रोगी कल्याण समिति में एग्जक्यूटिव सदस्य धर्मवीर खत्री ने कहा कि कुछ दिनों पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने अस्पताल में सभी जरूरी सुविधाओं के विस्तार की बात कही है और आशा करते हैं कि यह कार्य जल्द पूरा होगा।

गंभीर बीमारियों की पहचान के लिए बेहद जरूरी

नाम नहीं छापने की शर्त पर कुछ डॉक्टरों ने बताया कि अल्ट्रासाउंड कई गंभीर बीमारियों की पहचान और गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच के लिए बेहद जरूरी सुविधा है। सरकारी अस्पताल में यह सेवा उपलब्ध न होने से मरीजों को महंगी निजी जांच करानी पड़ती है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होता है।

जल्द नियुक्ति कर अल्ट्रासाउंड सेवा की जाए शुरू

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने दिल्ली सरकार से मांग की है कि अस्पताल में तत्काल रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति कर अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू की जाए, ताकि लोगों को समय पर और निशुल्क जांच की सुविधा मिल सके। यह मामला राजधानी की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करता है कि जब एक बड़े सरकारी अस्पताल में इतने लंबे समय तक आवश्यक विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति नहीं हो पा रही है, तो आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के दावे कैसे पूरे होंगे।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, चरखी दादरी

मुकदमा नंबर 23 दिनांक 19.02.2026 धारा 127(6) BNS थाना बौंदकला जिला चरखी दादरी

गुमशुदा की पहचान

गुमशुदा की तलाश करने बारे।
हुलिया - रंग सांवला, कद 5 फुट 4 इंच, उम्र 30 वर्ष हरे रंग का सूट-सलवार पहने हुए।
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रेशमा पत्नी विक्रम
निवासी गांव साजरवास जिला चरखी दादरी (हरियाणा) दिनांक 15/16-02-2026 की रात को अपने घर से बिना बताये चली गई जो अभी तक वापस नहीं लौटी है। अतः आमजन से निवेदन है कि अगर किसी को इसके बारे में कोई सुराग मिले तो कृपया नीचे दिये गये मोबाइल नंबरों पर सूचित करे।
प्रबंधक थाना बौंदकला- 7419301107
अनुसंधानकर्ता ASI कांता रानी थाना बौंदकला - 7419301137
विक्रम निवासी सांजरवास -8930262827
पुलिस प्रवक्ता चरखी दादरी,
कृते पुलिस अधीक्षक, चरखी दादरी।
पीआरडीएच-1084/11/5066/2027/47406/88/7 दि. 22.07.26

‘अधिकारियों को दिया निर्देश, पुलिस की कार्रवाई से जुड़े सभी जरूरी रिकॉर्ड रखें सुरक्षित’

अदालत ने बल प्रयोग का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर केंद्र और पुलिस से मांगा जवाब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र और दिल्ली पुलिस से उन दो याचिकाओं पर जवाब मांगा जिनमें आरोप लगाया गया है कि 20 जुलाई को ‘संसद की तरफ मार्च’ के दौरान प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से अधिक बल का प्रयोग किया गया। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पुलिस की कार्रवाई से जुड़े सभी जरूरी रिकॉर्ड सुरक्षित रखें, जिसमें सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और अन्य वीडियोग्राफी शामिल हैं। पीठ ने जनहित याचिकाओं पर नोटिस जारी किया और अधिकारियों को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया। अदालत ने आदेश दिया, प्रतिवादियों की ओर से चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल किया जाए।

अदालत ने कहा कि इस बीच हम निर्देश देते हैं कि रिट याचिकाओं में बताई गई घटना से जुड़े जरूरी रिकॉर्ड (जिसमें सीसीटीवी फुटेज और वीडियोग्राफी शामिल है) दिल्ली पुलिस या भारत सरकार की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार सुरक्षित रखा जाए। इस मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन, विकास सिंह और गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर (जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे) जरूरत से अधिक बल का प्रयोग किया। घटना की जांच का अनुरोध करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने कहा कि प्रदर्शनकारी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में अनियमितता के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करने के अपने मौलिक अधिकार का इस्तेमाल कर रहे थे। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि ये याचिकाएं सोशल मीडिया पोस्ट पर आधारित हैं और सुनवाई के लायक नहीं हैं।

प्रदर्शनकारियों की पुलिस से हुई नौंक-झौंक

नई दिल्ली। दोपहर दो बजे करीब अचानक से प्रदर्शनकारियों का एक जत्था जंतर मंतर से नारेबाजी करते हुए जनपथ की और मार्च करने निकल पड़ा। लेकिन जैसे ही वो जनपथ रोड तक पहुंचते उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें रोक लिया और वापस जाने के लिए कहा। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बात नहीं मानी और आगे बढ़ने की जिद पर अड़े रहे। पुलिस के साथ काफी देर तक नौंक झौंक होने के बाद प्रदर्शनकारी अलग अलग होकर वापस जंतर मंतर की तरफ चले गए।

कॉकरोचों पर कंट्रोल के लिये 20 सीआरपीएफ कंपनियां बुलाई गई

नई दिल्ली। संसद मार्च के दौरान हुये विरोध प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुये सरकार किसी भी तरह कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को कंट्रोल करने का प्रयास कर रही है। यहीं कारण है कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए केंद्र ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 20 अतिरिक्त कंपनियां दिल्ली में तैनात करने का आदेश दिया है। यह फोर्स बंगाल से दिल्ली पहुंचेगी। पुलिस सूत्रों से पता चला कि गृह मंत्रालय ने मंगलवार रात इन कंपनियों को राजधानी में तत्काल तैनात करने का आदेश दिया था। इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की इन सभी कंपनियों को पश्चिम बंगाल से विमानों के जरिये दिल्ली लाया जा रहा है। सीजेपी के विरोध प्रदर्शन, विभिन्न राजनीतिक दलों के सपोर्ट और संसद के जारी सत्र के मद्देनजर कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए सीआरपीएफ की कुल 20 कंपनियों को कोलकाता से हवाई मार्ग के जरिए दिल्ली लाया जा रहा है। पुलिस सूत्रों ने यह भी बताया कि प्रदर्शन के दौरान हिंसक झड़पों की कई घटनाओं को देखते हुए इन कंपनियों की तत्काल तैनाती लुटियंस जोन में जरूरी हो गई हैं। सूत्रों ने बताया कि इन कंपनियों को कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए तैनात किया गया था और राज्य सरकार के अनुरोध पर उन्हें चुनाव के बाद भी वहीं तैनात रहने को कहा गया था।

भारद्वाज ने की महिलाओं से हुई अभद्रता के दोषी पुलिसकर्मियों को नौकरी से निकालने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को मांग की कि पुलिस द्वारा छात्रों पर लाठीचार्ज के दौरान महिलाओं से हुई अभद्रता के दोषी पुलिसकर्मियों को नौकरी से निकाला जाना चाहिए। मारपीट-अभद्रता करने वाले पुलिस अधिकारियों की पहचान होने के बाद भी तक कोई एफआईआर या निलंबन नहीं होना बताता है कि यह सब सरकार के इशारे पर हुआ। उन्होंने आरोप लगाए कि सिविल ड्रेस में आए लोगों ने कीलें लगे डंडे से प्रदर्शनकारियों पर हमला किया, फिर भी प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं। भारद्वाज ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिला प्रदर्शनकारियों का यौन उत्पीड़न करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर को इस पर जवाब देना चाहिए। वीडियो में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे हजारों वीडियो मौजूद हैं, जिनमें डीसीपी स्तर के पुलिस अधिकारियों को महिलाओं के साथ अभद्रता और मारपीट करते हुए साफ पहचाना जा सकता है। इस पूरी घटना पर सरकार और प्रधानमंत्री की चुप्पी यह संदेश देती है कि वे पुलिस की इन अवैध और हिंसक हरकतों का समर्थन कर रहे हैं।

सीजेपी का धरना जारी, वांगचुक से दीपके ने की अनशन तोड़ने की अपील

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धरना प्रदर्शन 33वें दिन बुधवार को भी जारी रहा। दिनभर समर्थकों का आना जाना लगा रहा। सरकार से लगातार शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग होती रही। जंतर-मंतर पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने कई मेट्रो स्टेशनों को बंद करने को लेकर रोष व्यक्त किया। वहीं सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने सरकार पर आरोप लगाया कि पार्टी का इंस्टाग्राम अकाउंट बंद करवा दिया है। बाद में दीपके ने ही पोस्ट कर जानकारी दी कि सीजेपी का इंस्टाग्राम अकाउंट फिर से शुरू हो गया है।

सीजेपी के संस्थापक दीपके ने पत्र लिखकर सोनम वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वांगचुक का बुधवार को अनशन का 25 वां दिन है जो उनके स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद खतरनाक है। इसलिए मैंने उनसे अनशन तोड़ने की अपील की है। क्योंकि देश को उनकी बहुत जरूरत है। दीपके ने कहा कि लेकिन सीजेपी का केंद्रीय मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी रहेगा। मैं वांगचुक को भरोसा देता हूं कि आप अनशन तोड़ दीजिए लेकिन हमारा प्रदर्शन ऐसे ही लगातार जारी रहेगा।

मंत्री का इस्तीफा नहीं तो बात जाएगी पीएम के इस्तीफे तक

सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि अगर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग है अगर उसे नहीं माना जाता है तो बात अब प्रधानमंत्री के इस्तीफे तक पहुंच जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों की शिकायत मिली और बाद में देखा भी कि मेट्रो के कई स्टेशन बंद कर दिए है। लेकिन हम जल्द ही पुलिस से बात करेंगे कि जंतर मंतर तक पहुंचने के रास्तों को तुरंत खोले। उन्होंने बताया कि हमें पता है कि सरकार इस प्रदर्शन से बहुत ज्यादा दबाव में आ चुकी है। क्योंकि अभी तक छात्रों को अपनी बात कहने या रखने के लिए कोई मंच नहीं था, जिसे सीजेपी ने प्रदान किया है। पुलिस चाहे कुछ भी कर ले हम प्रदर्शन से पीछे नहीं हटेगें। पुलिस जब चाहे तब हमें जेल भेज दे कोई फर्क नहीं पड़ता। रांका ने कहा कि सरकार के लिए छात्रों ने खतरे की घंटी बजा दी है।

सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने बुधवार को कहा कि पुलिस ने हमसे संपर्क किया है और बताया गया कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा बात करना चाहते है। सौरव ने कहा कि लेकिन पिछली बार जब हम नड्डा से मिलने गए थे उन्होंने हमारे मोबाइल आदि बाहर ही रखवा दिए थे। लंबे इंतजार के बाद मिले थे। इसलिए

हमने तय किया है कि हम सरकार से बात करने को तैयार है। लेकिन हम किसी भी मंत्री के कार्यालय आदि में हरगिज़ नहीं जाएंगे। वो चाहे तो जंतर मंतर के आस पास आकर कहीं भी मिलकर बात कर सकते है। सौरव ने कहा कि हमारी पहले वाली तीन मांग के अलावा ज्यादती करने वाले पुलिस वालों पर मुकदमा चलाना शामिल है। संगठन ने कहा कि बाकी तीन मांगों में धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, आत्महत्या करने वाले बच्चों के परिवारों को 1 करोड़ का मुआवजा और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कोई मुक़दमा नहीं चलाना शामिल है।

दूसरी बार जंतर-मंतर पहुंचे टिकैत, दिया दीपके को समर्थन का भरोसा

दूसरी बार बुधवार को किसान नेता राकेश टिकैत जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रही सीजेपी के प्रदर्शनकारियों से मिलने पहुंचे। इस मौके पर टिकैत ने दीपके को पूरा भरोसा देते हुए कहा कि हम आपके साथ है। उन्होंने लाठीचार्ज को लेकर सरकार व पुलिस की आलोचना की। सरकार यह न सोचे की यह अकेले है, किसान इनके साथ है। इस मौके पर दीपके ने कहा कि मैं यह साफ़ कर देना चाहता हूँ कि अगर किसान आंदोलन जीत मिलने तक एक साल चल सकता है, तो हम भी जीत मिलने तक नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को हर हाल में शिक्षा मंत्री प्रधान को हटाना ही पड़ेगा।

एसीपी के सिर पर मारा गया पत्थरः दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। जंतर मंतर पर बुधवार को दिल्ली पुलिस के एक एसीपी के सिर पर पत्थर मारने का मामला सामने आया। एसीपी को इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस के अनुसार बुधवार शाम करीब 4:30 बजे यह घटना सामने आई। जंतर मंतर पर अपनी ड्यूटी के दौरान पंजाबी बाग के एसीपी जय प्रकाश के माथे पर चोट लग गई। यह चोट प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई पत्थरबाजी के दौरान लगने का दावा पुलिस ने किया है। पुलिस का कहना है कि पत्थरबाजी के दौरान एक पत्थर एसीपी के ठीक माथे पर लगा। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

जंतर-मंतर पर पुलिसकर्मी की मौत की खबर निकली अफवाह

नई दिल्ली। जंतर मंतर पर बुधवार को ड्यूटी के दौरान एक पुलिसकर्मी की हार्ट अटैक से मौत होने की खबर इंटरनेट मीडिया और कुछ अन्य माध्यमों पर तेजी से फैली। हालांकि, दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऐसी किसी भी घटना से साफ इनकार किया है। नई दिल्ली जिले के डीसीपी सचिन शर्मा के मुताबिक किसी भी पुलिसकर्मी की हार्ट अटैक से मौत की कोई सूचना नहीं है। दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बिना आधिकारिक पुष्टि के किसी भी तरह की भ्रामक या अपुष्ट जानकारी साझा न करें।

अब तक दर्ज हो चुकी 10 एफआईआर

नई दिल्ली। सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस अब तक 10 एफआईआर दर्ज कर चुकी है। पुलिस प्रदर्शन के दौरान हुई झड़पों में कथित तौर पर शामिल लोगों की पहचान करने के लिए एआई आधारित कैमरों के नेटवर्क का उपयोग कर रही है। जांचकर्ताओं का कहना है कि पुलिसकर्मियों पर हमला करने के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस के अनुसार संसद मार्ग थाने में चार, कनाट प्लेस थाने में तीन और मंदिर मार्ग, बाराखंभा तथा कर्तव्य पथ थाने में एक एक एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से एक एफआईआर रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के एक जवान द्वारा दर्ज कराई गई है, जिससे प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर मारपीट की थी। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया मंचों पर भी वायरल हो रहा था। पुलिस ने कहा कि जिन अपराधों की जांच की जा रही है उनमें दंगा करने, लोक सेवकों पर हमला करने, सरकारी काम में बाधा डालने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, आपराधिक साजिश रचने, शस्त्र अधिनियम, सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण (पीडीपीपी) अधिनियम और अन्य प्रासंगिक अपराधों के आरोप शामिल हैं। पुलिस ने अब तक इन घटनाओं के सिलसिले में की गई गिरफ्तारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है।

लुटियंस दिल्ली में बढ़ाई गई सुरक्षा, जंतर-मंतर पर निगरानी पहले से कड़ी

नई दिल्ली। नई दिल्ली और आसपास के जिलों में सीजेपी और युवा कांग्रेस के अलग अलग विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर दिल्ली पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। इसी के चलते लुटियंस दिल्ली इलाके में पहले से ज्यादा कड़े सुरक्षा इंतजाम किये जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कनॉट प्लेस, जंतर-मंतर, रफी मार्ग, संसद मार्ग और अन्य संवेदनशील स्थानों के आसपास बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। इसमें प्रमुख चौराहे और संवेदनशील स्थान भी शामिल है। इन जगहों पर अतिरिक्त पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया जाएगा। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार जंतर मंतर व उसके आसपास के इलाके में दंगा रोधी इकाइयां, त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) और रिजर्व बलों को तैयार रखा जाएगा। रणनीतिक स्थानों पर पहले ही अवरोधक लगा दिए गए हैं और सीसीटीवी कैमरों तथा अन्य निगरानी प्रणालियों के जरिये निगरानी बढ़ा दी गई है। जंतर मंतर पर बैठे प्रदर्शनकारियों की आवाजाही को देखते हुए आशंका है कि आने वाले दिनों में कनॉट प्लेस, जंतर-मंतर, रफी मार्ग और आसपास की सड़कों पर यातायात प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान को देखते हुये भी लुटियंस दिल्ली इलाके में महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों, संसद और अन्य प्रमुख प्रतिष्ठानों के आसपास भी सुरक्षा बढ़ाई जा रही है। पुलिस टीमें बुधवार को भी कई जगहों पर वाहनों की जांच और तलाशी लेती नजर आई। मेट्रो स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा पहले ही कड़ी कर दी गई है।

लुटियंस दिल्ली में इंटरनेट सेवा बंद

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के बीच लुटियंस दिल्ली में अगले आदेश तक इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि प्रशासन ने यह कदम सोशल मीडिया पर आंदोलनकारियों की वीडियो रील रोकने के लिए उठाया है। उधर, आंदोलन कर रहे छात्र इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर कठुराघात बता रहे हैं। उनका कहना है कि इंटरनेट बंद करने से उनका आंदोलन खत्म नहीं होगा।

डीएमआरसी ने सुरक्षा के लिहाज से किए 16 मेट्रो स्टेशनों के दरवाजे बंद, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने एक बार फिर बुधवार को सुरक्षा का हवाला देते हुए कुल 16 मेट्रो स्टेशनों को बंद कर दिये। घंटों स्टेशन बंद रहने से हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। जबकि यात्रियों में अफरातफरी का माहौल बना रहा। डीएमआरसी ने लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंबा रोड, उच्चतम न्यायालय, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद कर दिया था। बाद में शाम के समय स्टेशनों को खोला भी गया। स्टेशनों के बंद करने से सबसे ज्यादा उन यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी जिन्हें यात्रा के दौरान ही पता चला कि फलां फलां स्टेशनों को आवागमन के लिए बंद कर दिया है।

छात्रों के लिए संघर्ष कर रहे राहुल गांधी के साथ खड़े हैं सभी कार्यकर्ता : यादव

नई दिल्ली। करोड़ों छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए संसद से सड़क तक संघर्ष कर रहे नेता विपक्ष राहुल गांधी की लड़ाई में कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है। यह बात बुधवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन का नेतृत्व करने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन पेपर लीक के लिए जिम्मेदार केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर है। गौरतलब है कि देवेंद्र यादव के नेतृत्व में बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा मुख्यालय का घेराव करने के लिए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में एकत्रित हुए। राजीव भवन से यादव अपने कार्यकर्ताओं के साथ जैसे ही भाजपा मुख्यालय की ओर बढ़े तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया और बाद में उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस आईपी एस्टेट थाने ले गई। जहां से बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

‘केंद्र सरकार पूरी दिल्ली को बंधक बनाने पर उतारू’

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी(डीपीसीसी) अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बुधवार को राजधानी के 16 मेट्रो स्टेशनों दरवाजे जनता के लिए बंद होने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अपने नाकाम शिक्षा मंत्री को बचाने के लिए केंद्र सरकार पूरी दिल्ली को बंधक बनाने पर उतारू है, लेकिन इस्तीफा लेने को तैयार नहीं। देवेंद्र यादव ने सोशल मीडिया मंच पर एक्स पर मेट्रो की सूचना वाले ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए लिखा कि दिल्ली के 16 मेट्रो स्टेशन अगली सूचना तक बंद कर दिए गए हैं।अपने नाकाम शिक्षा मंत्री को बचाने के लिए मोदी सरकार पूरी दिल्ली को बंधक बनाने पर उतारू है, लेकिन इस्तीफा लेने को तैयार नहीं।है। इस जिद और अहंकार की कीमत पूरा देश भुगत रहा है।

खबर संक्षेप

पत्नी की हत्या करने वाला पति गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने थाना पल्ला क्षेत्र की श्याम कॉलोनी सेहतपुर में घरेलू विवाद के दौरान पत्नी की हत्या करने के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने हत्या के आरोपी अरुण कुमार निवासी बेलहरी जिला बलिया उत्तर प्रदेश हाल निवासी श्याम कॉलोनी सेहतपुर फरीदाबाद को 21 जुलाई 2026 को छपरा बिहार से काबू किया है।

ठगी के मामले में महिला समेत, 5 आरोपी पकड़ाए

फरीदाबाद। साइबर ठगों द्वारा विभिन्न माध्यमों से लालच देकर आमजन के साथ साइबर ठगी की जा रही है, ऐसे ही एक मामले में टेलीग्राम पर टास्क देखकर घर बैठे पैसे कमाने का लालच देकर ठगी करने के घटनाक्रम में साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने एक महिला सहित 5 लोगों को मध्य प्रदेश के शिवपुरी ग्वालियर गुना से गिरफ्तार किया है। साइबर थाना की टीम ने ठगी की राशि व 3 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

27 वर्ष से फरार हत्या का आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। जिलेभर में फरार एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत फरीदाबाद पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या एवं हत्या के प्रयास के मामले में पिछले 27 वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सुरेश सिंह निवासी अमोघपुर भाटान तहसील अलीगंज जिला एटा उत्तर प्रदेश हाल निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर-29 फरीदाबाद के रूप में हुई है। आरोपी लंबे समय से अपनी पहचान छिपाकर कानून की गिरफ्त से बचता आ रहा था।

मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ का आयोजन, सभी ने आयोजन की सराहना की

जीएल शर्मा के जन्मदिन पर परशुराम भवन में हवन-यज्ञ और भंडारा, तिरंगा फहराकर दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

हवन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

सर्व समाज के लोकप्रिय नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी जीएल शर्मा का जन्मदिन मंगलवार को परशुराम भवन में धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रभक्ति के भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने अपने परिवार के साथ पूर्णाहुति देकर देश और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराने के साथ हुई। उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाकर देश की एकता, अखंडता और सम्मान को बनाए रखने का संकल्प लिया। इसके बाद आयोजित हवन-यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और गणमान्य नागरिकों ने आहुति अर्पित कर भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर आदर्श ब्राह्मण सभा के प्रधान आरपी कौशिक सहित सभा के पदाधिकारी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। हवन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने आयोजन की सराहना की।

शर्मा ने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया

जीएल शर्मा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक लोग पहुंचे। उपस्थित लोगों ने उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। जीएल शर्मा ने सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जन्मदिन केवल व्यक्तिगत उत्सव नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को स्मरण करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि सेवा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रप्रेम का वातावरण बना रहा। आयोजन ने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक एकता का सशक्त संदेश दिया।

कांग्रेसियों ने विरोध-प्रदर्शन कर उपायुक्त को ज्ञापन सौंप

छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण : जितेन्द्र बघेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी फरीदाबाद के अध्यक्ष बलजीत कौशिक के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता सैक्टर-12 स्थित पैट्रोल पम्प पर एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन करते हुए सेक्टर-12 लघु सचिवालय पहुंचे। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा के मार्फत महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ हुई मारपीट और अभद्रता की निंदा की गई। साथ ही लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ हुए दुर्व्यवहार पर भी विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शन में हरियाणा

कांग्रेस के सहप्रभारी जितेन्द्र बघेल, पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल, विधायक रघुबीर सिंह तेवतिया, जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलजीत कौशिक और एआईसीसी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक रोहताश बेदी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सहप्रभारी जितेंद्र बघेल ने कहा कि नीट परीक्षा पेपर लीक से देश के लाखों छात्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और कांग्रेस उनके साथ खड़ी है। सरकार ने अपना दोमुंहा चेहरा दिखाते हुए छात्रों पर जमकर लाठी-चार्ज किया। धरने देने आए छात्रों पर पथराव भी किया गया।

पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को दबाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, वह संसदीय परंपराओं के विपरीत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति का सम्मान होना चाहिए और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। फरीदाबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने कहा कि देश के छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनके साथ सख्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छात्रों, युवाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के साथ हुआ कथित दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा के अनुरूप नहीं है और कांग्रेस इसका विरोध जारी रखेगी। इस अवसर विनोद कौशिक, अशोक रावल, योगेश ढींगड़ा, उमेश कौशिक, डा. सौरभ शर्मा, अनिल नेताजी, अनिल शर्मा, वेद प्रकाश यादव, मुकेश डागर, रेनू चौहान, रोहित नागर, विधान प्रताप सिंह, रोहित सिंगला, अजीत भाटी एडवोकेट, गौरव ढींगड़ा, विकास फागना, प्रेम यादव, वेद राम शर्मा, सुनीता फागना, एन.के. शर्मा, एडवोकेट अनुज शर्मा, सुरेश बेनीवाल, बाबूलाल रवि, शालिनी मल्होत्रा, मोनू ढिल्लो, चुन्नू राजपूत, बलजीत हुड्डा, बलजीत सिंह अरोड़ा, कैलाश सौलंकी जुल्फिकार, मोहसीन खान, युनूस खान सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्तर के अध्ययन में हुआ खुलासा-शिशु के लिए खतरा

भारत में गर्भवती महिलाओं पर बढ़ता गर्मी का संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारत में बढ़ती भीषण गर्मी गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। एक नए राष्ट्रीय स्तर के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि गर्भावस्था के दौरान लंबे समय तक अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहने से कम वजन वाले शिशु के जन्म, समय से पहले प्रसव और मृत शिशु जन्म (स्टिलबर्थ) का जोखिम बढ़ जाता है। यह अध्ययन राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें वर्ष 2015 से 2020 के बीच देश के 707 जिलों में दर्ज 2,09,266 जन्मों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन का नेतृत्व यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड-आईआईटी दिल्ली एकेडमी ऑफ रिसर्च (यूक्यूआईडीएआर) के शोधकर्ताओं ने किया, जिसमें आईआईटी दिल्ली सहित कई अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने सहयोग किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि गर्भावस्था के दौरान पड़ने वाले लगातार अत्यधिक गर्म दिनों का सीधा संबंध प्रतिकूल प्रसव परिणामों से है। अध्ययन के अनुसार, प्रत्येक अतिरिक्त अत्यधिक गर्म दिन के साथ कम वजन वाले शिशु के जन्म का खतरा लगभग एक प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कुल जन्मों में 12.8 प्रतिशत बच्चे कम वजन वाले पाए गए, जबकि करीब एक प्रतिशत बच्चों का जन्म समय से पहले हुआ और 0.74 प्रतिशत मामलों में मृत शिशु जन्म दर्ज किया गया।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि पहली तिमाही में अत्यधिक गर्मी समय से पहले प्रसव, दूसरी तिमाही में कम वजन वाले बच्चों के जन्म और तीसरी तिमाही में मृत शिशु जन्म के बढ़े हुए जोखिम से जुड़ी है। गरीब, कुपोषित और कम शिक्षित महिलाओं के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं में इसका खतरा अधिक पाया गया।

शोधकर्ताओं ने सरकार से हीट एक्शन प्लान में गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए उनके लिए पर्याप्त पानी, ठंडी जगह, नियमित स्वास्थ्य जांच और गर्मी से बचाव संबंधी सुविधाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

सट्टा खाई करने वाला गिरफ्तार, 9200 बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस द्वारा सट्टा खाई करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 21 जून को अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने कार्रवाई करते हुए सट्टा खाई करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 9200 बरामद

किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि भोजपुरी चौक स्थित ग्रीन बेल्ट के पास एक व्यक्ति सट्टा खाई कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर रेड की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मनीष, निवासी जनता कॉलोनी को सट्टा खाई करते हुए काबू किया। आरोपी के कब्जे से 9200 की नकदी बरामद की गई। आरोपी के विरुद्ध थाना डबुआ में जुआ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई है।

चार बदमाश गिरफ्तार, करोड़ों का खेल कर चुके आरोपी

एटीएम मशीन तथा कैश डिपॉजिट मशीन को हैक कर साइबर फ्रॉड करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना साहिबाबाद पुलिस ने एटीएम मशीन तथा कैश डिपॉजिट मशीन को हैक कर साइबर फ्रॉड करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 04 लाख रुपए, घटना के पैसों से खरीदी गई 01 स्कॉर्पियो कार, घटना में प्रयुक्त 01 सेंट्रो कार तथा साइबर अपराध में प्रयुक्त अन्य उपकरण बरामद किए हैं। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारीने बताया कि 27 जुलाई को छवि ऐरन, शाखा प्रबंधक, केनरा बैंक शाखा राजेन्द्र नगर ने एक लिखित तहरीर में बताया गया कि राजेन्द्र नगर स्थित बैंक की कैश डिपॉजिट मशीन (सीडीएम) में दिनांक 27जून 2026 से 29जून के मध्य अज्ञात व्यक्तियों द्वारा छेड़छाड़ कर मशीन को हैक करते हुए नकदी निकाल ली गई। तहरीर के आधार पर थाना साहिबाबाद पर तत्काल अभियोग पंजीकृत कर घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया। मंगलवार की रात्रि में लोकल इनपुट, सीसीटीवी सर्विलांस एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना साहिबाबाद पुलिस ने रेलवे स्टेशन साहिबाबाद के पास बने अंडरपास से एटीएम मशीन हैक कर साइबर फ्रॉड करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के नाम अहसान साहिबाबाद, आरिफ ,रईस हरियाणा व पीयूष जैन दिल्ली हैं। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे एटीएम एवं कैश डिपॉजिट मशीनों की पावर सप्लाई में पहले से स्मार्ट प्लग लगा देते थे, जिसे मोबाइल में इंस्टॉल स्मार्ट लाइफ एप से नियंत्रित करते थे। जब कोई ग्राहक मशीन में नकदी जमा करता अथवा निकासी करता था, उसी समय मशीन को हैक कर उसकी कार्यप्रणाली बाधित कर देते थे, जिससे नकदी मशीन की ट्रे अथवा ऊपरी हिस्से में फंस जाती थी। ग्राहक के चले जाने पर पेचकस एवं साइकिल की लोहे की तान से तैयार विशेष औजार की सहायता से मशीन खोलकर फंसी हुई नकदी निकाल लेते थे। अभियुक्तों ने बताया कि वे अधिकांश वारदात बैंक खुलने से पहले अथवा अवकाश के दिनों में करते थे। गिरोह में अहसान एवं सिराज मशीन हैक करने का कार्य करते थे।

प्राकृतिक हीरों की खूबसूरती को समर्पित 'सीजन ऑफ डायमंड्स' पहल शुरू

गुरुग्राम। प्राकृतिक हीरों की कलात्मकता और उनकी कालातीत सुंदरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने 'सीजन ऑफ डायमंड्स' पहल की शुरुआत की है। इस अभियान के माध्यम से ग्राहकों को प्राकृतिक हीरों से बने विभिन्न आभूषणों का विशेष कलेक्शन उपलब्ध कराया गया है। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा कि प्राकृतिक हीरे केवल आभूषण नहीं, बल्कि भावनाओं और यादों से जुड़ी एक अमूल्य धरोहर हैं। पारदर्शिता और भरोसे के साथ बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में एक प्रयास है। कंपनी ने प्राकृतिक हीरों की प्रमाणिकता, आजीवन मेंटेनेंस और बायबैक जैसी सुविधाओं को भी इस पहल का हिस्सा बनाया है।

स्ट्रोक के बाद रिकवरी में मदद करेगी आरटीएमएस थेरेपी

फरीदाबाद। मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स ने स्ट्रोक और अन्य न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए रिपेटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) थेरेपी शुरू की है। अस्पताल के अनुसार यह बिना सर्जरी और एनेस्थीसिया के की जाने वाली आउट-पेशेंट प्रक्रिया है, जो मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ाने में मदद करती है। इससे स्ट्रोक के बाद मोटर क्षमताए हाथों की कार्यक्षमता और बोलने में होने वाली परेशानी में सुधार में सहायता मिल सकती है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **चांद मोहम्मद पुत्र जग्गू रहमान, निवासी म. नं. 57, गली नं. 4, डी—ब्लॉक, बृजपुरी, गोकुलपुरी, उत्तर—पूर्वी दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 144/2024, अन्तर्गत धारा 102 Cr.PC और 25/54/59 आर्म्स एक्ट, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **चांद मोहम्मद** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **चांद मोहम्मद** फरार हो गया/गयी है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 144/2024, अन्तर्गत धारा 102 Cr.PC और 25/54/59 आर्म्स एक्ट, थाना ज्योति नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **चांद मोहम्मद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.09.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
राहुल सैनी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी—08
कमरा नं. जी—6, न्यू कोर्ट बिल्डिंग
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/9987/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रवि उर्फ डाइकैत पुत्र** मनमोहन लाल, **निवासी** बी—82, गली नं0—1, प्रेम नगर, शिव विहार, करावल नगर, दिल्ली, ने **FIR No. 002561/2020, U/S 379/411 IPC, पुलिस स्टेशन भजनपुरा, उत्तर पूर्व जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रवि उर्फ डाइकैत** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रवि उर्फ डाइकैत** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 002561/2020, U/S 379/411 IPC, पुलिस स्टेशन भजनपुरा, उत्तर पूर्व जिला, दिल्ली,**, के उक्त अभियुक्त **रवि उर्फ डाइकैत** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.08.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री किरणदीप कौर
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी—01
उत्तर—पूर्व ज़िला, कोर्ट नं0—5, द्वितीय तल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9954/NE/2026
(Court Matter)

बीस हजार नकद व लैपटॉप बरामद

चोरी के दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस द्वारा चोरी की वारदातों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम व अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने एक-एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी के 2 मामलों का खुलासा किया है। आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप व 20,000 नकद बरामद किये गये हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि धीरज नगर एक्सटेंशन तिलपत निवासी अनूप त्रिपाठी ने थाना पल्ला में शिकायत दी थी कि वह

अपनी कार एतमादपुर पुल के पास खड़ी कर सब्जी मंडी गया था। वापस लौटने पर कार की पिछली खिडक़ी का शीशा टूटा हुआ मिला तथा कार से लैपटॉप, आधार कार्ड, पैन कार्ड, क्रेडिट कार्ड और एटीएम कार्ड चोरी हो चुके थे।

अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने साहिल उर्फ कालिया निवासी सेहतपुर फरीदाबाद को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने कार को खड़ा देखा और उसमें बैग रखा होने पर शीशा तोडक़र चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया लैपटॉप व अन्य सामान बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने दो मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों का भी खुलासा किया है, जिनकी भी जांच जारी है।

दूसरे मामले में शिव दुर्गा विहार लकड़पुर निवासी एक महिला ने थाना सूरजकुंड में शिकायत दी थी कि 22-23 जून 2026 की रात वह अपने परिवार के साथ घर में सो रही थीं। सुबह करीब 4 बजे उठने पर घर का मुख्य दरवाजा खुला मिला। जांच करने पर घर से चार मोबाइल फोन, एक पर्स, चांदी की पायल, सोने की अंगूठी तथा 2500 नकद चोरी मिले। शिकायत पर थाना सूरजकुंड में चोरी की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने हिमेश उर्फ भोला, निवासी गांव चंदौली, जिला अल्मोड़ा उत्तराखंड हाल निवासी खानपुर देवली रोड दिल्ली को प्रोडक्शन वारंट पर पूछताछ के लिए लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने एक साथी के साथ घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रोहतक

डी.डी न. 31 दिनांक 17.07.26 धारा 194 BNSS थाना शिवाजी कालोनी जिला रोहतक।

अदमशिनाख्त नाश की पहचान बारे

नाम - नामालूम
पिता/पति का नाम - नामालूम
पता- नामालूम ।
उम्र लगभग 35-40 वर्ष ।
कद- लगभग 5 फुट, 3 ईंच
हुलिया- रंग सावला, लम्बुतरा चेहरा 1

दिनांक 17.07.26 को झज्जर रोड नजदीक तारा होटल रोहतक में एक नामपता नामालूम व्यक्ति की नाश जिला रोहतक में पता नामालूम अज्ञात कारण से नाश मिली थी। जिसके परिजनों का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। थाना शिवाजी कालोनी रोहतक द्वारा पोस्टमार्टम करवाया जाकर शिनाख्त हेतू 72 घण्टे के लिए डैड हाऊस PGIMS रोहतक में रखवाया गया है। यदि किसी थाना में या किसी व्यक्ति को इस बारे कोई जानकारी/सूचना प्राप्त होती है तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।

1. प्रबन्धक थाना शिवाजी कालोनी रोहतक – 7082999125
2. पुलिस कन्ट्रोल रुम रोहतक 01262-247200, 01262-247894 9996464100

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रोहतक

अभियोग संख्या 182 दिनांक 21.07.26 धारा 127 (6) BNSS थाना सदर जिला रोहतक ।

गुमशुदा की पहचान बारे

नाम
पिता/पति का नाम – आरती व लडका विराट, हस्ते
पता- निवासी समरगोपाल जिला रोहतक
उम्र- 27 वर्ष
कद-4.3 फुट ।
हुलिया- पतला शरीर, लाल रंग व हरा सुट टी शर्ट, व बच्चे स्कुल डैर्स पहने हुआ था

जिला रोहतक बिना किसी को बताए कहीं चले जाने पर उपरोक्त अभियोग पंजीकृत हुआ है। गुमशुदा का अभी तक कोई भी सुराग नहीं पता चला है। यदि किसी थाना में या किसी व्यक्ति को इस बारे में कोई जानकारी/सूचना प्राप्त होती है, तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करे।

1. प्रबन्धक थाना शिवाजी कालोनी रोहतक 70829994119,7082999110
2. पुलिस कन्ट्रोल रुम रोहतक – 01262-247200, 01262-247894

पीआरडीएच-1084/11/5064/2027/47401/88/7 दि. 22.07.26

खबर संक्षेप

बिहार: शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड लागू

धमदाहा (पूर्णिया)। शिक्षा विभाग के नए निर्देश के बाद पूर्णिया जिले के सरकारी विद्यालयों में अब शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मियों को अनिवार्य रूप से फॉर्मल ड्रेस में ही विद्यालय आना होगा। शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को आदेश जारी कर कहा है कि निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराया जाए। सरकारी विद्यालयों में इस आदेश के अनुपालन की निगरानी करेगा। शिक्षा विभाग के निदेशक (प्रशासन) द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि 9 अक्टूबर 2024 को जारी निर्देशों का कई विद्यालयों में प्रभावी ढंग से पालन नहीं हो रहा था।

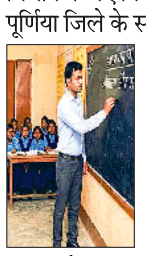

झारखंड में जेपीएससी की परीक्षा स्थगित

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग ने 25 जुलाई से शुरू होने वाली 14वीं संयुक्त असैनिक सेवा मुख्य परीक्षा को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। आयोग ने इस फैसले के पीछे विशेष कारण बताए हैं। यह फैसला ऐसे समय आया है 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम में कथित सीआईडी कर रही है परीक्षा स्थगित होने के बाद बीजेपी ने हेमंत सोरेन सरकार पर बड़ा हमला बोला है और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग तेज कर दी है।

कांग्रेस-सपा पर झूठा नैरेटिव फैलाने का आरोप, कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने का आह्वान

बूथ ही चुनाव का असली कुरुक्षेत्र, 2027 में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनेगी : सीएम योगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित गोरखपुर शहर एवं ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। गोरखपुर शहर के 457 और ग्रामीण क्षेत्र के 435, कुल 892 बूथ अध्यक्षों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव की असली लड़ाई बूथ पर लड़ी जाती है और मजबूत बूथ ही जीत की गारंटी है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि दोनों दल देश और प्रदेश में झूठा नैरेटिव गढ़कर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का तरीका एक झूठ को बार-बार बोलकर उसे सच साबित करने का है, जबकि भारतीय जनता पार्टी सत्य, विकास और लोककल्याण के मार्ग पर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने बूथ अध्यक्षों से विपक्ष के कथित दुष्प्रचार का तथ्यात्मक जवाब देने और जनता के बीच लगातार संवाद बनाए रखने का आह्वान किया।

> सीएम योगी ने कहा मजबूत बूथ ही जीत की गारंटी है

> भाजपा सत्य, विकास और लोककल्याण के मार्ग पर चलने वाली पार्टी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा-विपक्ष ने हमेशा समाज को जाति और वर्ग के आधार पर बांटने की राजनीति की

मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में नौकरी, सरकारी योजनाओं और व्यवस्था पर ₹सैफई सिंडिकेट₹ का कब्जा था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने पारदर्शी भर्ती व्यवस्था लागू कर भ्रष्टाचार और पक्षपात पर रोक लगाई है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने डॉ. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, महर्षि वाल्मीकि और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महापुरुषों को सम्मान देने का कार्य किया, जबकि विपक्ष ने हमेशा समाज को जाति और वर्ग के आधार पर बांटने की राजनीति की।

मजबूती के बल पर 2027 में भाजपा यूपी में तीसरी बार सरकार बनाएगी

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को प्रत्येक घर तक पहुंचाना बूथ अध्यक्षों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ₹मेरा बूथ, सबसे मजबूत₹ मंत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि बूथ ही चुनाव का असली कुरुक्षेत्र है और जो बूथ जीतता है, वही चुनाव जीतता है। उन्होंने विश्वास जताया कि बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती के बल पर वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी।

समीक्षा में सीएम योगी ने दी चेतावनी

करें सभी इंतजाम, जलभराव की समस्या बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को चेतावनी है कि महानगर में किसी भी दशा में जलभराव की समस्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नाले, नालियों की बड़े पैमाने पर सफाई कराने और बारिश होने पर अधिकाधिक पंपों का संचालन सुनिश्चित करते हुए ध्यान रखा जाए कि कहीं भी जलभराव न होने पाए। जलभराव की समस्या के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीएम योगी बुधवार दोपहर एनेक्सी भवन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले के विकास कार्यों, बाढ़ बचाव और जलनिकासी की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उनका सर्वाधिक जोर जलनिकासी को लेकर रहा। उन्होंने दो टूक कहा-'जो भी जरूरी तैयारी या व्यवस्थाएं करनी हैं, उन्हें सुनिश्चित किया जाए, कहीं भी और किसी भी दशा में जलभराव नहीं दिखना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी नाले, नालियों की नियमित सफाई कराकर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को रोका जाए ताकि इससे नाले चोक न होने पाएं। मुख्यमंत्री ने समझाया कि हमें मौसम के प्रभाव के अनुसार खुद को तैयार रखना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाला निर्माण और मरम्मत के प्रस्ताव समय से लेकर समयबद्ध तरीके से काम पूरा किया जाए। सभी अधिकारी, कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें और कहीं भी नकारात्मक वातावरण न बनने दें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानगर के राप्ती कॉम्प्लेक्स, गोरक्ष एंक्लेव, विजय चौराहा तथा धर्मशाला आदि पर हुए जलभराव की जानकारी ली और कहा कि नालों की नियमित रूप से सफाई के बाद उन्हें ढका जाए।

नगर निगम के सभी पंप पूरी क्षमता से संचालित किए जाएं। उन्होने कहा कि इन व्यवस्थाओं के साथ ही लोगों को प्रेरित किया जाए कि वह कूड़ा नालियों में न डालें। स्वच्छता के लिए कार्यक्रम चलाया जाए, साथ ही नियमित छिड़काव एवं फागिंग कराई जाए। सीएम ने कहा कि स्वच्छता के कार्यक्रम में अधिकाधिक जनसहभगिता भी सुनिश्चित होनी चाहिए। टीम बना कर हर वार्ड, मलिन बस्तियों, खाली प्लाटों की सफाई कराई जाए और कूड़ा निस्तारण सही से किया जाए।

पेज एक का शेष

संसद में नहीं थमा ...

नहीं पड़ा और विपक्षियों का सदन में हंगामा जारी रहा। जिसके बाद पीठासीन सभापति ने कार्रवाई को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। यहां बता दें कि मानसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई को हुई थी और इसका समापन 13 अगस्त को होगा।

प्रधान का इस्तीफा चाहिए: वेणुगोपाल: दोपहर 12 बजे जैसे की कार्रवाई की फिर से शुरुआत हुई। काले रंग के कपड़ों में आए कांग्रेस के सांसदों ने बाकी दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर हंगामा और नारेबाजी करना शुरू कर दिया। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच कुछ पलों के लिए संवाद भी हुआ। कांग्रेस महासचिव के.सी.वेणुगोपाल ने कहा कि नीट पेपरलीक मामले पर लोकसभा में चर्चा होनी चाहिए और इसे लेकर कांग्रेस के स्थगन प्रस्ताव को स्वीकार किया जाना चाहिए। हम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नीट पेपरलीक को लेकर जंतर मंतर पर किया जा रहा सीजेपी का प्रदर्शन राजनीतिक नहीं है। यह देश के युवाओं का मुद्दा है और इस पर सदन में चर्चा कराई जानी चाहिए। विपक्ष के बाद सरकार की तरफ से केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार चर्चा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

विपक्ष को नहीं मिला द्रमुक का साथ : वहीं, हंगामे के बीच द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) पार्टी विपक्ष के साथ खड़ी हुई नजर नहीं आई। बल्कि वह पहले की तरह ही कर्नाटक सरकार द्वारा कावेरी नदी पर बनाए जा रहे प्रस्तावित मेकेदातू बांध निर्माण परियोजना के मसले पर ही लोकसभा में विरोध करते नजर आए। जिसमें विरोध जताने के लिए द्रमुक सांसदों ने हरे रंग का स्ट्राल पहना हुआ था। उनका तर्क यही है कि कर्नाटक के बांध बनाने से तमिलनाडु के सामने पानी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

कल्याण को मिली मिताली के अपमान की सजा : इस हो-हंगामे के बाद 12 बजे शुरू हुई कार्रवाई के बीच सदन में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) बनाम पूर्व तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के बीच जमकर कहासुनी हुई। मामला इतना बढ़ गया कि टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी ने अपनी ही पार्टी की पूर्व महिला सांसद मिताली बाग को बेईमान और गद्दार के अलावा खूब भला बुरा कहा। जिसके बाद पार्टी की कुछ अन्य पूर्व सांसद जैसे काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी राय ने भी कल्याण का विरोध करना शुरू कर दिया। लेकिन वह नहीं माने और उन्होंने सभी महिलाओं के खिलाफ सदन के अंदर असंसदीय और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया। जिसके बाद मिताली व अन्य महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को कल्याण बनर्जी की लिखित शिकायत की। जिसमें सत्र की बाकी बची हुई अवधि तक उनके निलंबन की मांग की गई थी। यहां बता दें कि यह पहला मौका नहीं है। जब कल्याण के खिलाफ महिला सांसदों ने गलत भाषा का इस्तेमाल करने की शिकायत की है। इससे पहले बजट सत्र के दौरान भी काकोली घोष उनके खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष को शिकायत कर चुकी हैं।

निशिकांत दुबे ने पेश किया प्रस्ताव: लोकसभा में तृणमूल सांसद के निलंबन का प्रस्ताव भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पेश किया। जिस पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तन्नेटी ने कहा कि कल्याण बनर्जी ने महिला सांसद के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया है। जिसकी लिखित शिकायत लोकसभा अध्यक्ष को भी की गई है। मैं, स्वयं इस व्यवहार की कड़ी निंदा करता हूं और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मामले में त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं। केंद्रीय मंत्री ने कल्याण बनर्जी को सत्र की बाकी बची हुई अवधि से निष्कासित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया। जिसे सदन ने ध्वनिमत से अपनी मंजूरी प्रदान की और फिर कल्याण बनर्जी को 22 जुलाई से मानसून सत्र की बाकी अवधि तक के लिए निष्कासित कर दिया गया।

लोकसभा अध्यक्ष से मिले विपक्षी सांसद : बनर्जी के निष्कासन की घोषणा के बाद स्थगित हुई कार्रवाई के साथ ही खुद कल्याण बनर्जी, टीएमसी के कुछ अन्य सांसद जैसे महुआ मोइत्रा, सौगत राय, कांग्रेस महासचिव के.सी.वेणुगोपाल, पार्टी सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और सपा के धर्मेंद्र यादव लोकसभा अध्यक्ष के चैंबर के अंदर जाते हुए नजर आए।

छात्रों पर पुलिसिया कार्रवाई ...

' कि छात्रों पर लाठीचार्ज तथा विपक्षी नेताओं के साथ हुई इस कार्रवाई के लिए कौन जिम्मेदार है। साथ ही यह भी बताएं कि दोषियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री छात्रों के साथ हुए दुर्व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। देश की लगातार ध्वस्त होती शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था पर संसद में व्यापक, गंभीर एवं समयबद्ध चर्चा कराई जाए।

खरगे ने यह भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल के बीच भाजपा-आरएसएस के लोग बिना बैज के काम कर रहे हैं और छात्रों तथा कांग्रेस नेताओं को डराने-धमकाने की कोशिश में लगे हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक सरकार नहीं, बल्कि एक तानाशाही सरकार है। खरगे ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और छात्रों को कुचलने का प्रयास करेगी, तो देश भर में लाखों लोग खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के लोग इस लड़ाई को लगातार जारी रखेंगे। वहीं कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाएं। छात्रों पर बल प्रयोग करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच बिठाई जाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि छात्र लोन लेकर पढ़ाई करते हैं और बार-बार पेपर लीक होने से युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्रों के साथ सड़क पर बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की जा रही है और सदन में विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा, यह अलोकतांत्रिक है। प्रियंका गांधी। वाड्रा ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया जा रहा है। छात्राओं के साथ भी अभद्रता की जा रही है। उन्होंने पुलिस के इस रवैये की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पार्टी लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव की मांग कर रही है, ताकि अच्छे तरीके से लंबे समय तक शिक्षा व्यवस्था पर बात की जा सके।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे ...

ने भी कहा कि सरकार चर्चा को तैयार है और सभी दल मिलकर चर्चा का समय तय करें, लेकिन विपक्ष के लगातार हंगामे के कारण कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी।

राज्यसभा में भी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर टकराव : राज्यसभा में भी लगभग पूरे दिन यही स्थिति रही। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नियम 267 के तहत नीट मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक निष्पक्ष चर्चा संभव नहीं है। खरगे की इस मांग के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई और सदन में कई बार व्यवधान पैदा हुआ। दोपहर 3 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भी विपक्ष का विरोध जारी रहा, जिसके बाद उपसभापति हरिवंश ने कार्यवाही गुरुवार तक स्थगित कर दी।

मुख्य टकराव का मुद्दा: संसद में गतिरोध का मुख्य कारण यह रहा कि सरकार बिना किसी पूर्व शर्त के नीट पर चर्चा कराने की बात कर रही है, जबकि विपक्ष का कहना है कि चर्चा से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। इसी मुद्दे पर सहमति न बनने के कारण संसद का तीसरा दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गया।

राहुल गांधी को पीएम ...

मजबूती से खड़े हैं।

पत्रकारों से बातचीत में सरकार पर और तीखे हुए राहुल : संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि यह केवल परीक्षा का मामला नहीं है, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य का प्रश्न है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि जब लाखों छात्र परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं तो सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए, न कि विरोध करने वालों पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ देना चाहिए और सरकार को छात्रों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए। उल्लेखनीय है कल मंगलवार को राहुल गांधी पीएम आवास के पास सांसदों समेत धरने पर बैठ गए थे। दिल्ली पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया था।

केंद्र सरकार आंदोलन ...

किया गया था कि वे प्रदर्शन जारी न रखें। उन्होंने हमें आश्वासन दिया था कि वे ऐसा नहीं करेंगे, लेकिन बाद में वे अपने वादे से मुकर गए। जब प्रदर्शन शुरू हुआ, तो उन्होंने एक-दो नहीं बल्कि अनगिनत झूठे विमर्श फैलाने शुरू कर दिए। उन्होंने अलग-अलग तरह की फर्जी खबरें फैलाने की कोशिश की।" उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर किए गए वे पोस्ट 'झूठे' थे, जिनमें आरोप लगाया गया था कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो के साथ दुर्व्यवहार किया गया, दीपके को गिरफ्तार कर लिया गया, 12 वर्षीय एक लड़की के सिर में चोट लगी और प्रदर्शन का मंच हटा दिया गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि उन्होंने संसदीय चर्चा के बजाय धरने प्रदर्शन का रास्ता चुना। उन्होंने कहा, "कल राहुल गांधी जंतर-मंतर नहीं गये। इसके बजाय, वह प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। हर कोई जानता है कि प्रधानमंत्री का आवास एक बहुत ही सुरक्षित क्षेत्र है। राहुल गांधी को खुद भी यह बात पता होनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपना बचपन वहीं बिताया है।" स्वराज ने कहा, "इस मुद्दे को उठाने के लिए उनके पास संसद का मंच था। लेकिन विपक्ष जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाना नहीं चाहता; वह केवल व्यवधान पैदा करना चाहता है।" उन्होंने विपक्षी दलों पर यह भी आरोप लगाया कि वे इस आंदोलन का श्रेय लेने के लिए आपस में होड़ कर रहे हैं।

न्यायायिक अधिकारियों ...

अंतिम फैसले के अधीन रहेगा आदेश : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था पूरी तरह अंतरिम है और मामले के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस अंतरिम व्यवस्था का यह अर्थ नहीं होगा कि उसने जिला न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु पूरे देश में समान रूप से 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने के कानूनी प्रश्न पर अंतिम राय बना ली है। पीठ ने कहा कि अंतिम सुनवाई में इस संवैधानिक और कानूनी प्रश्न पर विस्तार से विचार किया जाएगा। न्यायपालिका में अलग-अलग सेवानिवृत्ति आयु वर्तमान व्यवस्था के अनुसार, जिला न्यायपालिका के अधिकांश न्यायिक अधिकारी 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं (कुछ राज्यों में अलग व्यवस्था है)। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु तक पद पर बने रहते हैं।

न्यायिक रिक्तियों के संदर्भ में अहम फैसला : इस मामले में याचिकाकर्ता का तर्क था कि देशभर की जिला अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों और अनुभवी न्यायिक अधिकारियों की आवश्यकता को देखते हुए सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाई जानी चाहिए। उनका कहना था कि पूरे देश में एक समान नीति लागू होने से न्यायपालिका को अनुभवी अधिकारियों की सेवाएं अधिक समय तक मिल सकेंगी और लंबित मामलों के निस्तारण में भी मदद मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश ऐसे समय आया है जब निचली अदालतों में न्यायिक अधिकारियों के रिक्त पदों और मामलों के बढ़ते बोझ को लेकर लगातार चिंता व्यक्त की जा रही है। अब राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपने-अपने उच्च न्यायालयों से परामर्श कर इस संबंध में निर्णय लेना होगा।

मुख्य न्यायाधीश ...

पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से संगठन बनाया था। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने निर्दोष छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की है। एसोसिएशन ने कहा है कि इस कार्रवाई में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। इस घटना की तुरंत, निष्पक्ष और समय से जांच होनी चाहिए। जिम्मेदार लोगों की पहचान और उन पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

दिल्ली हाई कोर्ट का ...

उठाए। हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को घटनास्थल के बॉडी कैमरा और सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी। वहीं, कोर्ट ने सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया।

युवा प्रदर्शनकारी के ...

वह अपने समर्थकों के साथ कैसा व्यवहार करता है, बल्कि इस पर निर्भर करता है कि वह अपने उन युवा नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है, जो साहस, उम्मीद और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी आवाज उठाते हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कमल, पुत्र स्वर्गीय ओम प्रकाश निवासी 264, चंद्र शेखर, बाबरपुर, जाफराबाद, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 314/2019, धारा 33/58 दिल्ली एक्साइज एक्ट, थाना गोकुल पुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **कमल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **कमल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 314/2019, धारा 33/58 दिल्ली एक्साइज एक्ट, थाना गोकुल पुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **कमल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.09.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री श्रुति सरस्वत
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं. 22, प्रथम तल, उत्तर पूर्व जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9561/NE/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr. P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **मो. बाबुल**, पुत्रः अब्दुल कलाम, **पता:** म.नं. I-1885 जहांगीर पुरी दिल्ली ने **FIR No. 613/2016, U/s: 454/380/411/34 IPC, थाना: बेगमपुर, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **मो. बाबुल,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **मो. बाबुल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 613/2016, U/s: 454/380/411/34 IPC, थाना: बेगमपुर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **मो. बाबुल,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री अनुराधा जिंदल
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
कोर्ट नंबर 101, पहली मंजिल,
रोहिणी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/10069/RD/2026
(Court Matter)

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)

सार्वजनिक सूचना

राष्ट्रीय राजमार्ग–NH-02 (New NH-19) पर नया प्रयोक्ता शुल्क लागू टोल पर नए प्रयोक्ता शुल्क (टोल) दरों पर सार्वजनिक सूचना बदरपुर एलिवेटेड हाईवे खंड (16,100 किलोमीटर से 20,500 किलोमीटर तक) दिनांक 23.07.2026 से लागू

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सक्षम प्राधिकारी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) द्वारा ई–ऑफिस के माध्यम से नई उपयोगकर्ता शुल्क (टोल) दरों की स्वीकृति के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग–2 (NH-2) के दिल्ली–आगरा खंड (किमी 16.100 से किमी 20.500 तक) के उपयोग के लिए शुल्क दरों में संशोधन किया जा रहा है। नई दरें नई दिल्ली राज्य में स्थित बदरपुर टोल प्लाजा (किमी 18.700) और हरियाणा राज्य में स्थित फरीदाबाद टोल प्लाजा (किमी 20.200) पर लागू होंगी।

बदरपुर एलिवेटेड हाईवे खंड (16,100 किलोमीटर से 20,500 किलोमीटर तक)

वाहनों की श्रेणी/4.4 कि.मी. की पूरी लंबाई के लिए लागू शुल्क (कि.मी. 16.100 से 20.500)	एकल यात्रा के लिए शुल्क (रु.)	एक दिन के अन्दर वापसी यात्रा के लिए शुल्क (रु.)	50 यात्राओं के लिए वैध मासिक पास के लिए शुल्क (रु.)	जिले के अंदर पंजीकृत वाणिज्यिक वाहनों के लिए शुल्क (रु.)
कार/जीप/वैन/हल्के मोटर वाहन	35	50	1140	15
एलसीवी/एलजीवी/मिनी बस	55	85	1845	30
बस/ट्रक (दो एक्सल वाले)	115	175	3865	60
तीन एक्सल वाले वाणिज्यिक वाहन	125	190	4215	65
भारी निर्माण मशीनरी (HCM) या अर्थ मूविंग उपकरण (EME) या बहु–अक्षीय वाहन (MAV) (4 से 6 धुरी)	180	275	6060	90
बड़े आकार के वाहन (सात या अधिक एक्सल वाले)	220	330	7380	110

टिप्पणी: वर्ष 2026–27 के लिए, किसी ऐसे व्यक्ति हेतु जो एक गैर–व्यावसायिक (नॉन–कमर्शियल) यांत्रिक वाहन का स्वामी है और जो शुल्क प्लाज़ा से बीस किलोमीटर की दूरी के भीतर निवास करता है, मासिक पास का निर्धारित शुल्क ₹ 360.00 (रुपये तीन सौ साठ मात्र) है।

1. किसी भी पूछताछ और/या शिकायत/सुझाव देने के लिए नाम और पता निम्नानुसार है।

टोल एजेंसी	आईई	एनएचएआई के पीडी
श्री सत्येन्द्र सिंह	श्री राजेश शर्मा	श्री धीरज सिंह
मेसर्स कर्मवीर	मेसर्स एल.एन. मालविया ऑफिस प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड	भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीएमयू–मथुरा, प्लॉट नंबर 08. टोल प्लाजा बिल्डिंग के पास, फरीदाबाद, हरियाणा–121003
मोबाइल नंबर 8218611660	9812908579	8130006117

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का भी निर्माण

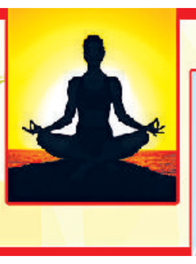

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

हाई बीपी की वजह से जब महसूस हो सिरदर्द

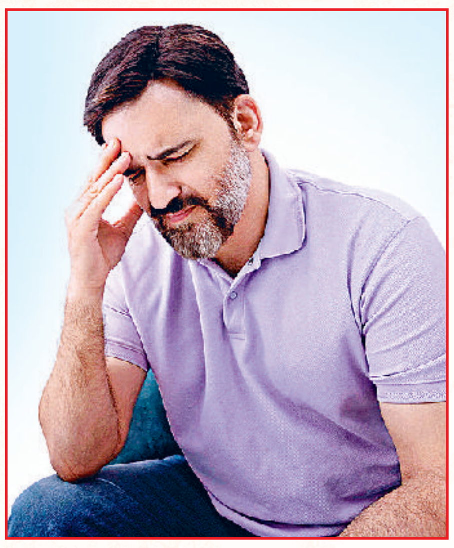

मेरी उम्र 43 वर्ष है। हाल ही में मुझे हाई बीपी की समस्या का पता चला। अकसर सिरदर्द और चक्कर महसूस होता है। कृपया बताएं मुझे कौन सी दवा और कैसी डाइट लेनी चाहिए?

-शेखर, बिलासपुर

आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वे एक हफ्ते तक बीपी मॉनिटर करेंगे। आपका बीपी कब बढ़ता है, किस समय ज्यादा होता है, इसका पता करेंगे। इसके बाद वह दवा डिसाइड करेंगे। बिना जांच के कोई भी बीपी की दवा खाना ठीक नहीं रहेगा। इसलिए डॉक्टर पूरा मॉनिटर करने के बाद ही दवा सजेस्ट करेंगे। उसे आपको रेग्युलर खाना होगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी स्किन पर लाल-लाल दाने और रैशेज हो जाते हैं। इनमें ईचिंग होती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-जितेश, जांजगीर चांपा

आपने यह नहीं बताया कि ये दाने पानी वाले हैं या सूखे? क्योंकि दोनों तरह के दाने का कारण अलग-अलग होते हैं। फिलहाल आप इन दानों को नाखून से खुजलाएं नहीं और इन पर नारियल का तेल लगाएं। अगर ज्यादा परेशानी हो रही हो तो आप त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं। फिलहाल कोई भी एंटी एलर्जी दवा आप ना लें।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरे पैर की अंगुलियों के बीच फफोले पड़ जाते हैं। इससे चलने-फिरने में काफी दिक्कत होती है। कृपया बताएं कि इससे कैसे निजात पाया जाए?

-देवेंद्र, महासमुंद

क्या आपके पैर बरसाती पानी में अधिक रहते हैं? क्योंकि कई बार इस पानी में गंदगी मिली होती है, जिससे पैरों में इंफेक्शन हो जाता है। अगर ऐसा है तो आप घर आकर पैरों को साबुन से धोएं और ठीक तरीके से पोंछें। अगर संभव हो तो डिसइंफेक्टेंट मिले पानी से धुलें और फिर उस के बाद सुखाकर नारियल तेल भी लगा सकते हैं। इससे आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ माह पहले किडनी में स्टोन का ऑप्रेशन हुआ था। कुछ दिनों से उसी स्थान पर दर्द हो रहा है। प्लीज बताएं अब मुझे क्या करना चाहिए?

-मुकेश, भोपाल

आपको डॉक्टर से संपर्क कर एक अल्ट्रासाउंड कर लेना चाहिए। अगर आपका ऑप्रेशन हो चुका है तो स्टोन के दर्द की संभावना बहुत कम है। हो सकता है कि इंफेक्शन की वजह से यह समस्या आ रही हो, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी करना ठीक नहीं है।

मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मुझे सर्दी-खांसी की समस्या लगातार बनी हुई है। कफ-सिरप और दवाइयां भी कुछ खास असर नहीं कर रहीं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-कमलेश, जींद

आप बता रहे हैं कि खांसी लंबे समय से आ रही है तो आपको डॉक्टर से संपर्क कर जांच करवा लेनी चाहिए। वैसे भी 2 सप्ताह से अधिक खांसी होने पर टीबी की जांच जरूर करा लेनी चाहिए। मौजूदा मौसम में वायरल इंफेक्शन भी हो जाता है, जिससे खांसी आती है। लेकिन आप फिलहाल फ्रिज में रखी चीज और ठंडा पानी पीना बिल्कुल बंद कर दें। बाजार का पानी भी न पिएं। इसके बाद भी राहत नहीं मिलती तो जरूर डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी अस्थमा की समस्या बढ़ जाती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्या करूं, जिससे इस बरसात के मौसम में स्वस्थ रह सकूं।

-रत्नेश्वर, जबलपुर

आपको घर से निकलते समय मुंह और नाक पर मास्क लगा लेना चाहिए। साथ ही जब तेज हवा या आंधी चले तो कोशिश करें घर के अंदर रहें, क्योंकि अस्थमा रोगियों को धूल से दिक्कत हो जाती है। इस तरह बचाव करके ही आपको राहत मिलेगी। लेकिन ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर आप इनहेलर या कोई दवा लिखवा सकते हैं। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर्स एडवाइस

हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक करना, समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित करना और इस बीमारी से होने वाली गंभीर जटिलताओं को रोकना है।

कैसे फैलता है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस रोग और इसके होने के कारणों के बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर के कंसल्टेंट-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, **डॉ. सचिन एच. जे.** बताते हैं कि हेपेटाइटिस एक वायरल संक्रमण है, जिसमें लिवर (यकृत) में सूजन आ जाती है। यह मुख्य रूप से हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई वायरस के कारण होता है। इनमें हेपेटाइटिस ए और ई आमतौर पर दूषित भोजन और पानी के सेवन से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित इंजेक्शन, संक्रमित सुई, असुरक्षित यौन संबंध तथा संक्रमित मां से नवजात शिशु में फैल सकते हैं। वहीं, हेपेटाइटिस डी केवल उन लोगों में होता है जो पहले से हेपेटाइटिस बी से संक्रमित होते हैं। संक्रमण के प्रकार के अनुसार बीमारी कुछ मामलों में कुछ सप्ताह में ठीक हो सकती है, जबकि कई मामलों में यह लंबे समय तक लिवर को नुकसान पहुंचाकर गंभीर रूप ले सकती है।

लापरवाही हो सकती है खतरनाक

हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लिवर में सूजन आ जाती है। यदि समय रहते इसका इलाज न कराया जाए तो यह लिवर सिरोसिस, लिवर फेलियर और लिवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है।

नहीं दिखते स्पष्ट लक्षण

हेपेटाइटिस रोग होने पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शुरुआती चरण में अकसर इसके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। यही वजह है कि कई लोग वर्षों तक इस संक्रमण के साथ सामान्य जीवन जीते रहते हैं और उन्हें पता ही नहीं चलता कि उनका लिवर धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। जब तक लक्षण सामने आते हैं, तब तक बीमारी कई बार गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी होती है। इसलिए हेपेटाइटिस के सामान्य लक्षणों के बारे में सजग रहना बहुत जरूरी है।

हेपेटाइटिस के प्रमुख लक्षण

हेपेटाइटिस के लक्षण अलग-अलग रोगियों में अलग तरह के हो सकते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में बिना कोई परिश्रम किए लगातार थकान महसूस होना, भूख कम लगना, मितली, उल्टी, लंबे समय तक हल्का बुखार बने रहना, पेट के दाईं ओर दर्द, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), गहरे रंग का पेशाब आना, हल्के रंग का मल तथा शरीर में कमजोरी शामिल हो सकती है। ऐसे किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर बिना देरी किए डॉक्टर से परामर्श लेकर आवश्यक जांच करानी चाहिए। इसमें लापरवाही बरतना जान लेवा हो सकता है।

स्पेशलः वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे, 28 जुलाई

हेपेटाइटिस, लिवर यानी यकृत में होने वाला गंभीर वायरल संक्रमण है। अलग-अलग कारणों, लक्षणों और गंभीरता के स्तर पर इसके कई प्रकार होते हैं। इन सभी का प्रॉपर ट्रीटमेंट संभव है लेकिन इसके लिए समय रहते हेपेटाइटिस की पहचान होना जरूरी है। इसलिए यहां डिटेल में हेपेटाइटिस के कारणों, उसके लक्षणों और इससे बचने के उपायों के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं।

हेपेटाइटिस समय पर पहचान से पॉसिबल है प्रॉपर ट्रीटमेंट

टीकाकरण-इलाज से बचाव संभव

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, **डॉ. संचयन रॉय**, हेपेटाइटिस से बचाव के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपायों के बारे में बताते हैं। उनके अनुसार, 'हेपेटाइटिस बी का सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध है, इसलिए नवजात शिशुओं से लेकर जोखिम वाले वयस्कों तक सभी को डॉक्टर की सलाह के अनुसार टीकाकरण कराना चाहिए। साफ और सुरक्षित पानी का ही सेवन करें, भोजन की स्वच्छता का ध्यान रखें, केवल नई और स्टेराइल सुई का इस्तेमाल करें। बिना जांचे हुए रक्त कभी ट्रांसफ्यूज न करवाएं। हमेशा सुरक्षित यौन संबंध अपनाएं। टैटू या पियर्सिंग हमेशा प्रमाणित केंद्रों पर ही कराएं। यानी जहां पर हाइजीन और सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति को हेपेटाइटिस बी या सी का खतरा है या परिवार में किसी को यह संक्रमण है, तो समय पर ब्लड टेस्ट कराना बेहद जरूरी है। आज हेपेटाइटिस बी को दवाओं से नियंत्रित किया जा सकता है और हेपेटाइटिस सी का आधुनिक एंटीवायरल दवाओं से अधिकांश मामलों में सफल इलाज संभव है। इसलिए समय पर जांच और उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।'

सबसे जरूरी है जागरूकता

हेपेटाइटिस के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार जागरूकता, समय पर जांच, टीकाकरण और सही इलाज है। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि कई लोगों में लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे संक्रमण का पता देर से चलता है। ऐसे में जोखिम वाले लोगों को नियमित जांच करानी चाहिए और लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इन उपायों से होगा बचाव

हेपेटाइटिस से बचाने के लिए आप अपने दैनिक जीवनचर्या में यहां बताई जा रही बातों को अमल में लाकर सुरक्षित रह सकते हैं।

- हमेशा स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली को अपनाएं।
- स्वच्छ, ताजे और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। हमेशा स्वच्छ और संक्रमणमुक्त पानी ही पिएं। सबसे ज्यादा संक्रमण पानी से ही होता है इसलिए आरओ का पानी या फिल्टर किया हुआ पानी या फिर अच्छी तरह उबाले गए पानी को ही ठंडा कर पीना चाहिए।
- जब भी इंजेक्शन लगवाना हो तो केवल स्टेराइल सुई या डिस्पोजेबल नीडिल का ही का उपयोग करना चाहिए।
- संक्रमित रक्त से बचाव भी जरूरी है। इसलिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन से पहले जरूरी सावधानी बरतें। परीक्षित रक्त ही ट्रांसफ्यूज करवाएं।
- हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना चाहिए क्योंकि इसका संक्रमण रोगी के संपर्क में आने से फैल सकता है।

ये सभी उपाय संक्रमण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने लिवर के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और समय रहते सही कदम उठाए, तो हेपेटाइटिस से होने वाली अधिकांश गंभीर जटिलताओं और मौतों को रोका जा सकता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

सीजनल केयर

निकिता चौहान

आयुर्वेदिक काढ़े से बढ़ेगी इम्यूनिटी

मानसून के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहता है। इस कारण कुछ लोगों को जुकाम, खांसी, स्किन पर रैशेज, दाने, लूजमोशम, बुखार आदि समस्याएं होने लगती हैं। ऐसा उन लोगों के साथ ज्यादा होता है, जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी थोड़ी वीक होती है। इसलिए यहां आपको कुछ ऐसी जड़ी-बूटियों के बारे में बता रहे हैं, जिनका काढ़ा आप घर में ही आसानी से बनाकर पी सकते हैं, इससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी।

गिलोयः गिलोय की तासीर एंटी-पायरेटिक होती है, जो शरीर की गर्मी को खत्म करती है और कई बीमारियों से राहत दिलाता है जैसे डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार आदि में गिलोय का काढ़ा राहत प्रदान करता है।

अश्वगंधाः अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो मानसून में होने वाले वायरल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

चिरायताः बारिश के मौसम में पेट का संक्रमण बढ़ जाता है। जिस कारण एसिडिटी और लूज मोशन होने लगते हैं। चिरायता में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, जो हमारे पेट के संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं।

मुलेठीः मानसून में उमस के करण शरीर पर चिपचिपाहट बढ़ जाती है, जिस वजह से रैशेज और खुजली होती है। मुलेठी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

सोंठः बारिश के मौसम में पेट खराब होने के साथ, जुकाम, खांसी और बुखार आदि के मामले बढ़ जाते हैं। सोंठ में एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इसका काढ़ा पीने से मानसून में होने वाली बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

मोथा घासः मोथा घास को आयुर्वेद में बेहद लाभकारी माना गया है। यह मानसून सीजन में होने वाली खांसी, जुकाम, बुखार और स्किन से जुड़ी समस्यायों से राहत प्रदान करता है।

आमलकीः आमलकी में विटामिन-सी खूब पाया जाता हैं, जो मानसून में होने वाली बीमारियों से बचाव करता है।

बनाने का तरीकाः यहां बताई गई सभी जड़ी-बूटियों को 30-30 ग्राम लें। सिर्फ सोंठ को 20 ग्राम ही लें। सभी को रात में पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद सुबह सभी जड़ी बूटियों को पानी में डालकर तेज आंच पर गर्म कर लें। अब काढ़ा तैयार है। फिर इसको हल्का ठंडा होने के बाद आधा गिलास सुबह और आधा गिलास शाम को पिएं। यह काढ़ा इस मौसम में रोगों से बचाव में बहुत उपयोगी है। लेकिन बेहतर होगा कि अपने डॉक्टर से कंसल्ट करके ही इस काढ़े का सेवन करें। *

(आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. श्रेय शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डिजीज

अंशु सिंह

सीआरपीएस एक असामान्य लेकिन बहुत पीड़ादायक समस्या है। यह वास्तव में नर्व्स से जुड़ी समस्या है। ऐसे में इसके लक्षणों को पहचानकर सही उपचार से ही रोगी को राहत मिल सकती है। इस बारे में विस्तार से जानिए।

सीआरपीएस यह दर्द सहा न जाए

कहते हैं कि ज्यादातर दर्द कोई न कोई संदेश देता है। यह आपके शरीर की चोट के बारे में बताता है, आराम करने के लिए प्रेरित करता है। चोट ठीक होने पर धीरे-धीरे कम हो जाता है। लेकिन कुछ लोगों में दर्द लंबे समय तक बना रहता है। कई बार तेज हो जाता है। मूल चोट के ठीक हो जाने के काफी समय बाद अपनी ही एक अलग स्थिति बना लेता है। इसे ही 'कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम' या सीआरपीएस कहते हैं, जो व्यक्ति की चाल-ढाल, संवेदना, त्वचा और जीवन की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करती है। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह के बेटे आयुष्मान सेठी ने इंस्टाग्राम रील में मां की हिम्मत की तारीफ की कि कैसे साल 2025 में कलाई में चोट लगने के बाद उन्हें सीआरपीएस हो गया था। फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के सेट पर चोट लगने के बाद हुई इस बीमारी ने अर्चना के हाथ पर स्थाई असर डाला।

क्या है सीआरपीएसः नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ के अध्ययन के अनुसार, सीआरपीएस एक लंबे समय तक रहने वाली न्यूरोपैथिक दर्द की बीमारी है, जिसमें चोट लगने के बाद होने वाले सामान्य दर्द की तुलना में दर्द बहुत ज्यादा रहता है। वह लंबे समय तक बना रहता है। यह दर्द को आमतौर पर जलन, चुभन या धड़कन जैसा होता है। कलाई टूटने, सर्जरी के दौरान लगे कट या मामूली मोच जैसी चीजों से शुरू होने वाली यह समस्या आगे चलकर पूरे शरीर में होने वाले गंभीर दर्द में बदल सकती है। यह दो प्रकार के होते हैं। टाइप 1, बिना किसी नर्व इंजरी के होता है जबकि टाइप 2, नर्व डैमेज की पुष्टि होने के बाद होता है।

समस्या का मूल कारणः सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट **डॉ. विशाल** के अनुसार, सीआरपीएस एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल दर्द की स्थिति है, जिसमें किसी एक अंग, हाथ या पैर, चोट, फ्रैक्चर, सर्जरी या यहां तक कि मामूली आघात के बाद लॉन्ग पीरियड फंक्शनल और सेंसरी परिवर्तन विकसित करता है। यह कहीं से हड्डियों या मांसपेशियों को होने वाली क्षति की वजह से नहीं, बल्कि दर्द संकेतों की सही व्याख्या करने में तंत्रिका तंत्र की विफलता के कारण होता है। इस स्थिति में, मूल चोट ठीक होने के बाद भी मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी दर्द संदेश प्रसारित करना जारी रखते हैं। इससे लंबे समय तक दर्द, कठोरता, सूजन और गति में विकृति आती है। मोटर और ऑटोनॉमिक गड़बड़ियां होने से त्वचा का रंग बदलना, तापमान में बदलाव, सूजन, पसीना आना, अकड़न, कमजोरी और संवेदना में बदलाव आम है।

सीआरपीएस के लक्षणः जलन या चीरने जैसा दर्द, जो लगातार या रुक-रुक कर होता है। ऐसी चीजों से दर्द होना, जिनसे आमतौर पर दर्द नहीं होना चाहिए, जैसे हल्का छूना, हल्की हवा या तापमान में बदलाव। ऐसी चीजों पर बहुत ज्यादा दर्द महसूस होना, जिनसे आमतौर पर सिर्फ हल्की तकलीफ होती है, जैसे सुई चुभना। प्रभावित अंग पर धब्बे दिख सकते हैं। वह लाल, नीला, पीला या बैंगनी हो सकते हैं। प्रभावित हिस्से में सूजन (एडिमा) आ-जा सकती है या बनी रह सकती है। त्वचा चमकदार और पतली हो सकती है या उस पर बहुत ज्यादा पसीना आ सकता है। प्रभावित अंग को हिलाने की क्षमता कम होना, अकड़न बढ़ना, कंपन या मांसपेशियों में ऐंठन होना।

क्या है समाधानः जहां तक सीआरपीएस के उपचार का सवाल है, तो इसमें दर्द कम करने और शरीर की हलचल बनाए रखने पर ध्यान दिया जाता है। इसके लिए फिजियोथेरेपी, नसों के दर्द की दवाएं और कुछ खास मामलों में दर्द कम करने वाले इंटरवेंशनल प्रोसीजर का इस्तेमाल किया जाता है। डॉ. विशाल का कहना है कि मेंटल सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक रहने वाला दर्द मानसिक रूप से बहुत परेशान करता है। हालांकि सीआरपीएस जानलेवा नहीं है, लेकिन यह जिंदगी अवश्य बदल सकता है। इसलिए बीमारी की गंभीरता के बारे में जानकारी होना जरूरी है, ताकि मरीज समय पर इलाज करवा सके। उसे कभी भी

विधानसभा के मानसून सत्र में अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विधेयक 2026 पारित

प्रॉपर्टी टैक्स, जलकर, सीवेज टैक्स के साथ पड़ेगा फायर सेफ्टी टैक्स का भार

आगजनी को रोकने चार मंजिला इमारतों पर लगवाना पड़ेगा फायर सिस्टम, वसूला जाएगा फायर सेफ्टी टैक्स

विधानसभा में जाते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में मंगलवार को अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विधेयक 2026 पारित हो गया। प्रदेश में तेजी बढ़ रही आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए यह विधेयक लाया गया है। बिल के पारित होने से पहले सदन में जमकर चर्चा हुई। बिल में पंद्रह मीटर से अधिक ऊंची इमारतों, बड़े स्कूलों, हॉस्टलों, अस्पतालों, मॉल और कमर्शियल कॉम्पलेक्स में फायर सेफ्टी सिस्टम लगाना पड़ेगा। इसके साथ इन इमारतों से फायर सेफ्टी टैक्स भी वसूल किया जाएगा।

इसके साथ प्रदेश में आधुनिक अग्निशमन उपकरण लाए जाएंगे। फायर एनओसी और सर्टिफिकेट जारी करने के लिए तय समय सीमा निर्धारित की जाएगी। मंगलवार को विस में बताते हुए नगरीय प्रशासन मंत्री ने कहा कि इस एक्ट को धरातल पर लागू करने में करीब 6 महीने का समय लगेगा। विजयवर्गीय ने सदन में बताया कि यह विधेयक जनहानि और धनहानि दोनों को रोकेगा। आग बुझाने के अलग-अलग तरीके होते हैं। जिन्हें इस एक्ट में शामिल किया गया है।

प्रत्येक वर्ष बहुमंजिला इमारतों के लिए लेना पड़ेगी फायर एनओसी

शादी और आयोजनों में लगेंगे फायर रिटार्डेंट पंडाल, नए सुरक्षा मानक तय होंगे

शादी समारोह, धार्मिक आयोजन, राजनीतिक कार्यक्रम और मेलों में लगाए जाने वाले पंडालों के लिए भी नए सुरक्षा मानक तय होंगे। पंडालों में उपयोग किए जाने वाले कपड़े और अन्य सामग्री का अग्निरोधी (फायर रिटार्डेंट) होना अनिवार्य किया जाएगा।

दस मिनट में पहुंचेगी फायर ब्रिगेड

नए कानून के तहत फायर सेफ्टी के लिए सभी भवनों में एग्जिट प्लान और फायर पाइपलाइन का प्रदर्शन अनिवार्य रहेगा। नए फायर स्टेशन बनाने के साथ-साथ, दस मिनट के अंदर फायर ब्रिगेड घटनास्थल पर पहुंचे, यह तय करने के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाएगी।

स्कूल, अस्पताल मॉल, उद्योगों के लिए सर्टिफिकेट जरूरी

पंद्रह मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्कूल, अस्पताल, मॉल, होटल और औद्योगिक इकाइयों के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट जरूरी होगा। बिना फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट के किसी भी इमारत को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही, अब आम लोगों को प्रॉपर्टी टैक्स के साथ फायर सेफ्टी टैक्स भी देना पड़ेगा, जिसका सीधा असर आम लोगों की जैब पर पड़ेगा।

विधानसभा में मंत्री राकेश सिंह।

फायर मैन बनकर विधानसभा पहुंचे विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय

विधानसभा का मानसून सत्र के दूसरे दिन विधानसभा में फायर सेफ्टी एक्ट लाया जा रहा है जिस लेकर लंबे समय से सदन में फायर सेफ्टी एक्ट को लेकर अपने बात रख रहे जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने मंगलवार को फायरमैन के गेट अप में विधानसभा में प्रवेश करके फायर सेफ्टी एक्ट लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं लोगों को भी फायर सेफ्टी एक्ट के विषय में जागरूक रहने की अपील की। इस दौरान विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि 25 फरवरी को मैंने विधानसभा में ध्यानाकर्षण के माध्यम से मप्र में फायर सेफ्टी एक्ट लागू करने की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया था। आज यह हम सभी के लिए बेहद खुशी और संतोष का विषय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार इस महत्वपूर्ण एक्ट को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

लोकायुक्त मामलेः 2020-25 में मिली 27,192 शिकायतें, 24,717 शिकायतों का निराकरण किया

मप्र विधानसभा में लोकायुक्त प्रकरणों के निपटारे में देरी को लेकर पूछे गए अतारांकित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि शिकायतों का निराकरण संबंधित विभागों से जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद किया जाता है, इसलिए प्रक्रिया में समय लगना स्वाभाविक है। राज्य सरकार ने विधानसभा में एक जवाब में बताया कि वर्ष 2020 से 2025 के बीच लोकायुक्त संगठन की शिकायत, जांच एवं तकनीकी शाखा में कुल 27,192 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 24,717 शिकायतों का निराकरण किया गया, जबकि 2,475 शिकायतें जांच के लिए पंजीबद्ध की गईं। इस अवधि में पंजीबद्ध और पूर्व से लंबित मामलों सहित 2,279 प्रकरणों का निपटारा किया गया। लोकायुक्त की विशेष पुलिस स्थापना ने वर्ष 2020 से 2025 के दौरान 1,451 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए। इनमें से 477 मामलों में चालान न्यायालय में पेश किए गए। अब तक 84 मामलों में फैसला आया है, जिनमें 55 मामलों में सजा, 26 मामलों में दोषमुक्ति हुई, जबकि 3 प्रकरण आरोपी की मृत्यु के कारण समाप्त कर दिए गए।

विधायक रीति पाठक।

मप्र राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित

मप्र के राजमार्गों के विकास, रख-रखाव, प्रबंधन एवं संचालन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से मप्र शासनने मप्र राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026 विधानसभा में पारित हो गया। इसका उद्देश्य राज्य में राजमार्गों के संचालन के लिए एक सुदृढ़ एवं आधुनिक कानूनी व्यवस्था विकसित करना है, जिससे सड़क अधोसंरचना के विकास को गति मिले, परियोजनाओं का संचालन अधिक दक्षता के साथ हो और निजी निवेश को प्रोत्साहन प्राप्त हो। पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने सदन को बताया कि वर्तमान में राज्य में उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर फीस, टोल) के अधिरोपण एवं संग्रहण की व्यवस्था भारतीय टोल अधिनियम, 1851 तथा भारतीय टोल (मप्र संशोधन) एक्ट, 1932 के आधार पर संचालित होती है। ये दोनों कानून औपनिवेशिक काल में बनाए गए थे और वर्तमान समय की आवश्यकताओं तथा आधुनिक सड़क अधोसंरचना विकास की चुनौतियों के अनुरूप नहीं हैं। इसलिए राज्य सरकार ने भारतीय टोल (मप्र संशोधन) एक्ट, 1932 को निरस्त करने तथा मप्र राजमार्ग अधिनियम, 2004 में आवश्यक संशोधन कर उपयोगकर्ता शुल्क संबंधी स्पष्ट एवं सक्षम वैधानिक प्रावधान शामिल करने का प्रस्ताव रखा है।

परियोजनाओं के वित्तीय मॉडल को मजबूती मिलेगी

स्पष्ट कानूनी प्रावधान उपलब्ध होने से राजमार्ग परियोजनाओं के वित्तीय मॉडल को मजबूती मिलेगी तथा परियोजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। सड़कों की गुणवत्ता बनाए रखने, समय पर मरम्मत एवं रख-रखाव तथा बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी सहायता मिलेगी।

पीपीपी मॉडल से विकास को भी नई गति मिलने की संभावना

विधेयक के माध्यम से पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत सड़क अधोसंरचना के विकास को भी नई गति मिलने की संभावना है। स्पष्ट कानूनी व्यवस्था होने से निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी और निवेशकों का विश्वास मजबूत होगा। इससे राज्य में नई सड़क परियोजनाओं के निर्माण, राजमार्गों के उन्नयन तथा अधोसंरचना विकास के लिए अधिक निवेश आकर्षित किया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि इससे प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

विश्राम स्थल, ईंधन केंद्र, पार्किंग, शौचालय आदि बनेंगे

संशोधन का एक महत्वपूर्ण पहलू राजमार्गों के किनारे वे-साइड एमेनिटीज के विकास को बढ़ावा देना भी है। इसके अंतर्गत यात्रियों की सुविधा के लिए विश्राम स्थल, भोजनालय, ईंधन केंद्र, पार्किंग, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा, वाहन मरम्मत और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा सकेगा। इससे लंबी दूरी की यात्रा अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनेगी। वे-साइड एमेनिटीज के विकास से केवल यात्रियों को ही लाभ नहीं मिलेगा, बल्कि ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

अपराधियों की संपत्तियों पर कार्रवाई कानून के दायरे में

मप्र विधानसभा में कांग्रेस विधायक आतिफ अकील के प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में अपराधियों की संपत्तियों पर की जाने वाली कार्रवाई कानून के दायरे में की जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। वहीं अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई राजस्व विभाग, नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों की ओर से अपने-अपने अधिनियमों के तहत की जाती है।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलने का कोई निर्णय नहीं

मप्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। विधानसभा में विधायक आतिफ अकील के तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि विश्वविद्यालय का नाम बदलने का निर्णय शासन ने नहीं लिया है। मंत्री ने यह भी साफ किया कि डॉ. बरकतउल्ला भोपाली को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मानने संबंधी जानकारी एकत्रित की जा रही है। किसी विश्वविद्यालय का नाम बदलने के लिए संबंधित अधिनियम में संशोधन विधेयक लाना आवश्यक होता है।

मप्र ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक 2026 पारित, उद्योग स्थापना,संचालन होगा आसान

मप्र में उद्योगों की स्थापना, विस्तार एवं संचालन को अधिक सरल, पारदर्शी, समयबद्ध एवं निवेशक-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से मप्र ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस विधेयक, 2026 पारित हो गया। भारत सरकार के डीरिग्युलेशन एक्सरसाइज के तहत राज्यों में निवेश-अनुकूल, विश्वास-आधारित एवं समयबद्ध नियामकीय व्यवस्था स्थापित करने के लिए अपेक्षित विधायी एवं संस्थागत सुधारों को वैधानिक आधार प्रदान करने के उद्देश्य से यह विधेयक तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य उद्योगों की स्थापना, विस्तार एवं संचालन की प्रक्रियाओं को सरल बनाना, निवेशकों को एकीकृत डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराना तथा प्रदेश में निवेश-अनुकूल औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। यह विधेयक राज्य के अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापना, विस्तार अथवा संचालन किए जाने वाले उद्योगों पर लागू होगा। विधेयक के तहत निवेश संवर्धन के लिए व्यापक संस्थागत व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। इसके तहत राज्य निवेश संवर्धन समिति तथा जिला निवेश संवर्धन समिति का गठन किया जाएगा। मप्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) को राज्य की नोडल एजेंसी के रूप में अधिसूचित किया जाएगा। ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस सचिवालय की स्थापना की जाएगी।

विधानसभा में 7,765 करोड़ रुपए का प्रथम अनुपूरक बजट पेश

विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को 7,765 करोड़ रुपए का प्रथम अनुपूरक बजट पेश हो गया। इसे बुधवार को चर्चा के बाद पारित किया जाएगा। इसमें सबसे अधिक 3 हजार करोड़ रुपए नर्मदा घाटी विकास विभाग की परियोजनाओं के लिए आवंटित किया गया है। जबकि 2220 करोड़ रुपए खाद्य विभाग, 157 करोड़ रुपए गृह विभाग, 397 करोड़ भू राजस्व, जिला प्रशासन व अन्य के लिए आवंटित किया गया है। विधानसभा में प्रथम अनुपूरक बजट पारित होने के बाद संबंधित विभागों को राशि आवंटित की जाएगी। 352 करोड़ रुपए किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, 1300 करोड़ रुपए लोक निर्माण विभाग, 101 करोड़ रुपए परिवहन विभाग का आवंटन किया गया है। इसीतरह अन्य विभागों को भी राशि आवंटित की गई है।

वेदांता ने कौशल विकास के जरिए 20 लाख लोगों के बेहतर भविष्य की राह बनाई

नई दिल्ली। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर, दुनिया की अग्रणी धातु, तेल एवं गैस, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी कंपनी वेदांता समूह ने आज बताया कि पिछले छह वर्षों में उसने अपनी कौशल विकास पहलों के माध्यम से लगभग 20 लाख लोगों को सशक्त बनाया है। इसके साथ ही, कंपनी ने सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने और भविष्य की जरूरतों के अनुसार सक्षम कार्यबल तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है। रोज़गार के बेहतर अवसर बढ़ाने और हर आयु वर्ग, महिलाओं-पुरुषों तथा अलग-अलग समुदायों के लोगों के लिए आजीविका के स्थायी साधन तैयार करने के उद्देश्य से, वेदांता का कौशल विकास कार्यक्रम कई क्षेत्रों में काम करता है। इसमें व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण, महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहन, कृषि और किसानों की क्षमता बढ़ाने की पहल, खेलों के माध्यम से कौशल विकास और युवाओं को सशक्त बनाने वाले कार्यक्रम शामिल हैं। भारत सरकार के स्किल इंडिया मिशन, कौशल भारत अभियान और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के उस लक्ष्य के अनुरूप, जिसका उद्देश्य लोगों की क्षमता का बेहतर उपयोग कर उत्पादकता, रोज़गार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है, वेदांता की ये पहल लोगों के लिए स्थायी आजीविका के नए अवसर तैयार कर रही हैं। साथ ही, ये देश की दीर्घकालिक आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 8 – सम्मानजनक काम और आर्थिक विकास के अनुरूप, वेदांता का कौशल विकास मॉडल लोगों की क्षमता को बचपन से लेकर रोज़गार और उद्यमिता तक विकसित करने पर आधारित है। बुनियादी शिक्षा को मजबूत बनाने, युवाओं को उद्योगों की ज़रूरत के अनुसार कौशल सिखाने, महिलाओं को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने और समुदायों को बाज़ार तथा रोज़गार से जोड़ने के माध्यम से, कंपनी ऐसा समग्र तंत्र तैयार कर रही है जो आर्थिक आत्मनिर्भरता और सभी के विकास को बढ़ावा देता है।

31 जुलाई रिलीजः दिल दीवाना हो गया में तीन नए चेहरे

नई दिल्ली। रोमांस, भावनाओं और पारिवारिक रिश्तों पर आधारित हिंदी फिल्म 'दिल दीवाना हो गया' 31 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है। ग्रांडवे प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता इश्पॉल सिंह चावला हैं, जिन्होंने अपनी पहली हिंदी फ़ल्मि में तीन नए कलाकारों को मौका देकर अलग सोच का परिचय दिया है। फिल्म को एक साफ-सुथरी रोमांटिक फैमिली ड्रामा के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसे हर उम्र का दर्शक अपने परिवार के साथ देख सकता है। निर्माता इश्पॉल सिंह चावला का कहना है कि वे फिल्मों को हमेशा एक आम दर्शक की नजर से देखते हैं और 'दिल दीवाना हो गया' का निर्माण भी उसी सोच के साथ किया है। उनका मानना है कि किसी भी फिल्म की असली ताकत बड़े सितारे नहीं, बल्कि उसकी मजबूत कहानी, मधुर संगीत और अच्छे कलाकार होते हैं। यही वजह रही कि उन्होंने उन्हीं कलाकारों का चयन किया जो अपने-अपने किरदारों के लिए सबसे उपयुक्त थे। उन्होंने नए निर्देशक राजीव शामलाल सोनी पर पूरा भरोसा जताया और कहा कि उन्होंने फिल्म के निर्देशन में 100 प्रतिशत मेहनत की है। चावला के अनुसार, संगीतकार विष्णु नारायण ने फिल्म को शानदार संगीत दिया है। फिल्म में कुल पांच गीत हैं, जो बेहद मधुर बने हैं और उन्हें विश्वास है कि ये गीत दर्शकों की जुबान पर चढ़ जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म के सभी सहायक कलाकारों ने अपने किरदारों के साथ पूरा न्याय किया है और पूरी टीम ने पूरे समर्पण और ईमानदारी के साथ काम किया है। हाल ही में मुंबई में फिल्म का प्रोमो और म्यूजिक लॉन्च आयोजित किया गया, जहां मीडिया और आमंत्रित मेहमानों को फिल्म की पहली झलक दिखाई गई। कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए प्रोमो और गीतों को पहली ही झलक में मीडिया और दर्शकों ने खूब सराहा, जिससे फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई। फिल्म का निर्देशन राजीव शामलाल सोनी ने किया है। यह उनकी पहली फीचर फिल्म है, हालांकि इससे पहले वे कई प्रमुख मनोरंजन चैनलों के लिए सफल टीवी धारावाहिकों का निर्देशन कर चुके हैं।

हर जिले में स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा 10 नए औद्योगिक क्लस्टर होंगे स्थापित

■ स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल हरियाणा का गठन किया जाएगा : मुख्यमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विजन@2047 को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश में औद्योगिक विकास, स्टार्टअप, एमएसएमई और कौशल विकास के क्षेत्र में व्यापक बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जिले में स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाए और उद्यमियों को नया व्यवसाय शुरू करने में किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा न आए। मुख्यमंत्री सिविल सचिवालय में विजन-टू-एक्शन प्लान की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में एमएसएमई, उद्योग, स्टार्टअप और एचएसआईआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बरवाला में आधुनिक वुडन जोन और वुडन मार्केट विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय लोगों की आय बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही प्रत्येक जिले में स्वदेशी मेलों का आयोजन करने तथा स्वयं सहायता समूहों को राखी सहित अन्य उत्पादों की बिक्री के लिए वॉलमार्ट और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ने के निर्देश दिए। व्यापार सुगमता बढ़ाने के लिए राज्य में राज्य नवाचार एवं एमएसएमई परिषद और स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल हरियाणा का गठन किया जाएगा। पुनर्गठित सिंगल विंडो प्रणाली के तहत व्यावसायिक स्वीकृतियों का समय 45 दिन से घटाकर 30 दिन किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष कौशल केंद्र स्थापित होंगे

कौशल विकास के तहत 100 उच्च क्षमता वाले ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष कौशल केंद्र स्थापित होंगे। पीएम सेतु योजना के अंतर्गत आईटीआई में नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे तथा कम से कम 25 उद्योग-संचालित आईटीआई को निजी उद्योगों द्वारा गोद लिया जाएगा, ताकि 70 प्रतिशत से अधिक युवाओं को सीधे रोजगार मिल सके। नई नीति के तहत सोलर रूफटॉप अपनाने वाले 2,000 से अधिक एमएसएमई को वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा।

गुरुग्राम में पाल्मोनास का तीसरा नया स्टोर खुला

नई दिल्ली। गुरुग्राम। भारत के पहले डेमी-फाइन ज्वेलरी ब्रांड पाल्मोनास ने गुरुग्राम के डीएलएफ गैलेरिया में अपना तीसरा स्टोर खोल दिया है। इस नए स्टोर के साथ ही अब देश भर में पाल्मोनास के 70 से भी ज्यादा स्टोर्स हो चुके हैं। गुरुग्राम का यह नया आउटलेट कंपनी के तेजी से बढ़ते ऑफलाइन नेटवर्क का हिस्सा है, जिसके जरिए ब्रांड अपनी पहुंच को और मजबूत बना रहा है। इस खास मौके पर कंपनी ने ग्राहकों के लिए एक बेहद दिलचस्प ऑफर भी रखा। देश भर में 70+ स्टोर्स का माइलस्टोन पूरा होने की खुशी में पहले 70 ग्राहकों को सिर्फ ₹70 में एक बेहतरीन ज्वेलरी पीस दिया गया। लॉन्च के दौरान एक और मजेदार बात देखने को मिली। यहां खरीदारी करने आए ग्राहकों की उम्र 20 साल से लेकर 75 साल तक के बीच थी। इससे यह साफ हो जाता है कि पाल्मोनास अब सिर्फ युवाओं या ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि हर उम्र के लोग इसे दिल से पसंद कर रहे हैं। ऐसा ही रिस्पॉन्स कंपनी को अपने बाकी ऑफलाइन स्टोर्स पर भी देखने को मिल रहा है। इस नए डीएलएफ गैलेरिया स्टोर में ग्राहकों को पाल्मोनास की पूरी रेंज देखने को मिलेगी। पाल्मोनास की को-फाउंडर पल्लवी मोहाडिकर ने कहा, गुरुग्राम में हमारा हर नया स्टोर इस बात का सबूत है कि इस शहर के लोगों ने पाल्मोनास को कितना प्यार दिया है। हमारी बस इतनी सी कोशिश है कि हमारे ग्राहक जहां भी हों, हम उनके और करीब पहुंच सकें और उनका शॉपिंग एक्सपीरियंस आसान बना सकें।

चिंतन

सरकार जल्द शुरू करे युवाओं के साथ संवाद

देश की सबसे बड़ी ताकत और उम्मीद उसकी युवा आबादी है, लेकिन जब यही युवा सड़कों पर उतरकर अपनी बात कहने को मजबूर हों, लंबे समय तक आंदोलन करें, अनशन का सहारा लें और उनकी मांगों पर लगातार टकराव का माहौल बने, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रह जाता। यह सरकार, राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए आत्ममंथन का विषय बन जाता है। इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार युवाओं के साथ संवाद की पहल बिना किसी देरी के शुरू करे और उनकी समस्याओं का समाधान कर उन्हें विश्वास में ले। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर उठे सवाल लाखों छात्रों की चिंता से जुड़े हैं। इन मुद्दों का समाधान केवल पुलिस बल, राजनीतिक बयानबाजी या एक-दूसरे पर आरोप लगाने से नहीं निकल सकता। यदि युवाओं को यह महसूस होने लगे कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है, तो असंतोष और अविश्वास बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में असहमति को सुनना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का परिचायक है। वहीं, विपक्ष भी युवाओं के भविष्य पर राजनीति नहीं करे, बल्कि तथ्यों और समाधान पर बात करे और संसद में भी जनहित की आवाज उठाए। संयम, संवाद और संवैधानिक मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। सरकार भी परीक्षा प्रणाली को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाए, ताकि देश का युवा आसानी से परीक्षा दे सके और किसी तरह की परेशानी न हो। सोनम वांगचुक का लंबा अनशन भी इसी चिंता का प्रतीक है। विपक्षी सांसदों ने उनसे अनशन समाप्त करने का आग्रह करते हुए भरोसा दिलाया है कि युवाओं के मुद्दे संसद में उठाए जाएंगे। यह सकारात्मक संकेत है, लेकिन केवल आश्वासन पर्याप्त नहीं होंगे। संसद में गंभीर चर्चा, समयबद्ध निर्णय और ठोस सुधारात्मक कदम ही इस भरोसे को मजबूत कर सकते हैं। लोकतंत्र में संसद से बेहतर संवाद का कोई मंच नहीं हो सकता। डिजिटल युग में जानकारी तेजी से फैलती है और किसी भी घटना पर युवाओं की प्रतिक्रिया भी तुरंत सामने आती है। ऐसे समय में संवाद से दूरी केवल गलतफहमियों को बढ़ाती है। यदि सरकार समय रहते छात्र संगठनों, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और आंदोलन के प्रतिनिधियों के साथ खुली बातचीत शुरू करती है, तो कई विवाद बिना टकराव के सुलझ सकते हैं। वहीं, आंदोलनकारी संगठनों और विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। विरोध लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन वह पूरी तरह शांतिपूर्ण और संवैधानिक दायरे में होना चाहिए। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य समाधान होना चाहिए, न कि ऐसा टकराव जिसमें आम जनता परेशान हो और मूल मुद्दा ही पीछे छूट जाए। सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि युवाओं के भविष्य पर राजनीति से अधिक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। आज देश की शिक्षा व्यवस्था को केवल परीक्षा आयोजित करने वाली प्रणाली नहीं, बल्कि विश्वास पैदा करने वाली प्रणाली बनाने की जरूरत है। यदि परीक्षा निष्पक्ष होगी, भर्ती समय पर होगी और शिकायतों के निवारण की प्रभावी व्यवस्था होगी, तो आंदोलनों की नौबत भी कम आएगी। लोकतंत्र की असली ताकत संवाद में होती है, दमन या टकराव में नहीं। सरकार को चाहिए कि वह जल्द युवाओं से औपचारिक बातचीत शुरू करे, उनकी आशंकाओं को दूर करे और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की स्पष्ट समयसीमा घोषित करे।

दिशाहीन विरोध प्रदर्शनों की भयावहता

मुद्दा
अवधेश कुमार

राजधानी दिल्ली में 20 मार्च को हजारों लोगों की जुटी आक्रामक भीड़ हमें एक साथ कई पहलुओं पर विचार करने को बाध्य करती है। कॉकरोच शब्द का प्रयोग उच्चतम न्यायालय ने किया। बाद में स्वयं मुख्य न्यायाधीश ने इसके बारे में अपना स्पष्टीकरण भी दिया, किंतु कॉकरोच केंद्र सरकार के विरुद्ध विरोध का कारण बन गया। क्यों और कैसे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के किसी प्रतिनिधि ने न कॉकरोच शब्द का प्रयोग किया और न उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का समर्थन। लगभग देश के लिए एक अनाम व्यक्ति ने अमेरिका से सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से साइट बनाई। जो कुछ उसमें लिखा जा रहा था, न वहां कोई गंभीर विजन था, न कोई सपना।

राजधानी दिल्ली में 20 मार्च को हजारों लोगों की जुटी आक्रामक भीड़ हमें एक साथ कई पहलुओं पर विचार करने को बाध्य करती है। कॉकरोच शब्द का प्रयोग उच्चतम न्यायालय ने किया। बाद में स्वयं मुख्य न्यायाधीश ने इसके बारे में अपना स्पष्टीकरण भी दिया, किंतु कॉकरोच केंद्र सरकार के विरुद्ध विरोध का कारण बन गया। क्यों और कैसे? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के किसी प्रतिनिधि ने न कॉकरोच शब्द का प्रयोग किया और न उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी का समर्थन। लगभग देश के लिए एक अनाम व्यक्ति ने अमेरिका से सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से साइट बनाई। देखते-देखते लाखों फॉलोअर्स उसमें जुड़ गए। जो कुछ उसमें लिखा जा रहा था, न वहां कोई गंभीर विजन था, न कोई सपना। अचानक वह दिल्ली में प्रदर्शन की घोषणा करते हैं और हवाई अड्डे पर उतरते हैं। हवाई अड्डे पर भी उनके स्वागत के लिए कोई भीड़ नहीं, न रास्ते में कहीं लोग। जंतर-मंतर पर पहले दिन का प्रदर्शन अत्यंत सामान्य रहा और उसमें शामिल होने वालों से ज्यादा दर्शकों की संख्या थी। सभी तरह के और सभी विचारधाराओं के लोग उसमें थे। लेकिन धीरे-धीरे ऐसी स्थिति बनी कि सोनम वांगचुक लद्दाख से आकर आमरण अनशन पर बैठ गए। कुछ सेलिब्रिटी आने लगे। विपक्ष के कुछ नेता आने लगे और धीरे-धीरे हुए वे सारे चेहरे जो शाहीनबाग से लेकर किसानों के नाम पर हुए आंदोलन या फिर अन्य ऐसे विरोध प्रदर्शनों में लगातार दिखते हैं।

संसद के मानसून सत्र के आरंभ के दिन संसद मार्च का ऐलान हुआ और फिर जिस तरह की भीड़ चारों तरफ जुटी, वह देश के सामने है। इस मार्च में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल लोग कुछ भी कहें ,पर एक नेतृत्वविहीन दिशाहीन अभियान का डरावना दृश्य देश ने देखा। भारी संख्या में पुलिस वाले घायल हुए, पुलिस के वाहन तोड़े गए और पुलिस के बल प्रयोग से प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। इसमें दो राय नहीं कि नीट का प्रश्न पत्र लीक होने के कारण युवाओं के परिवारों और देश में भी क्षोभ व असंतोष का वातावरण था। आरंभ में ऐसा लगा भी कि यह नीट के छात्रों के भविष्य की लड़ाई है। इसी बीच एक महिला ने अभिजीत दीपके पर काली स्याही फेंकी।

उसका कहना था कि मेरे बेटे ने 680 अंक नीट में प्राप्त किए और लीक होने के बाद वह डिप्रेशन में चला गया, लेकिन यहां नीट कोई मुद्दा ही नहीं है। उसका यह भी कहना था कि सोनम वांगचुक यहां आमरण अनशन पर हैं और कोई भी वरिष्ठ व्यक्ति आंदोलन का उनका ध्यान रखने वाला नहीं है। अजीब दृश्य। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के मरने का नारा और योगी आदित्यनाथ को छक्का कहा जा रहा है। पूरी स्थिति वही है जो हमने शाहीनबाग और फिर किसानों के नाम पर दिल्ली में हुए लंबे धरना प्रदर्शन में देखा था। इस बीच सरकार ने नीट परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी कर ली और उसके परिणाम भी आ गए। प्रश्न पत्र से लेकर पूरी परीक्षा और परिणाम तक जैसी सख्त व सुरक्षित व्यवस्था की गई, उससे साफ था कि सरकार के अंदर परीक्षा को स्वच्छ रूप से आयोजित करने का दृढ़ विचार है। साफ है कि दोबारा परीक्षा देने वाले जिन छात्रों का चयन नहीं हुआ होगा और पहली बार उन्होंने अच्छा किया होगा, उनको छोड़कर बाकी शेष के अंदर मन में पीड़ा होगी

लेकिन असंतोष का भाव नहीं होगा। भविष्य में नीट ही नहीं, किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक नहीं हों, उसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाने और जो कुछ हमारे पास सुझाव हैं, उन्हें सामने रखना स्वाभाविक है। पर इस अभियान में नीट और प्रश्न पत्र लीक का विषय हाशिये पर चला गया। कुल मिलाकर इसे अगर आंदोलन बोला जाए तो न इसका कोई निश्चित उद्देश्य रहा, न कोई दुरगामी कार्यक्रम। संसद मार्च की घोषणा हो गई। ऐसी स्थिति बनी कि दिल्ली ट्रैफिक जाम में फंसी रही। मेट्रो के अनेक स्टेशनों के द्वार बंद रहे। सरकार और प्रशासन की सतह पर जो सोच और रणनीति दिखाई पड़ती है, वह यही कि प्रदर्शन करने वाले अगर कानून की परिधि में करते हैं तो उनके साथ बल प्रयोग नहीं होना चाहिए। अभिजीत दीपके जिस दिन दिल्ली में उतरे, जंतर- मंतर पर धरने की पहले से अनुमति नहीं थी। धरना देने वाले पहले पुलिस से अनुमति लेते हैं और उसकी अवधि तय होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान ने हमें न्याय के लिए संघर्ष करने, अपनी आवाज उठाने का अधिकार दिया है किंतु उसमें कानून के साथ विवेक और मर्यादा की सीमाएं भी हैं। यह सरकार प्रशासन और विरोध करने वालों सब पर लागू होता है। उद्देश्य कुछ और हो तो फिर ऐसे ही होता है। अगर सरकार ने आपको प्रदर्शन की स्वतंत्रता दी, बेवजह लोगों को आने से रोका नहीं गया तो उसके नेतृत्व करने वाले का दायित्व था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रदर्शन की सीमाओं का पालन करते। पर पिछले कुछ वर्षों में हमने देखा है कि पूरे विश्व में एक अराजक उग्र नव वामपंथी धारा पैदा हुई है। नेपाल परिवर्तन से उसे जेन जी का नाम दिया गया। हमारे पड़ोस श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल के परिवर्तन ने हमारे यहां भी और देश से बाहर रहने वाले अवांछित समूहों को प्रेरित किया है कि भारत में ऐसा कर नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध उथल-पुथल और अराजकता की स्थिति पैदा की जा सकती है। हमारे यहां राजनीतिक और गैर राजनीतिक विपक्ष में ऐसे लोग हैं जिन्हें इसमें अवसर दिखता है। हर ऐसे विरोध प्रदर्शन आंदोलन में सच्चे परिवर्तन या मांग के समर्थन वाले लोग साफ हृदय से आते हैं।

शाहीनबाग धरने से हमने देखा है कि उसकी दिशा, भाषा और लक्ष्य ऐसे लोगों के हाथों आ जाता है, जिनका हमेशा उद्देश्य नकारात्मक होता है। याद कीजिए, सीएए के विरुद्ध कहा जा रहा था कि भारी संख्या में मुसलमानों की नागरिकता चली जाएगी। क्या आज तक किसी एक की नागरिकता गई? इस कारण दिल्ली दंगों तक का शिकार हुई। किसी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक हो या कोई अन्य भ्रष्टाचार के विषय हो, पूरे समाज में क्षोभ पैदा होता है। हम सबको ध्यान रखना चाहिए कि इसका लाभ अवांछित तत्व न उठा सकें। अगर इस तरह विरोध प्रदर्शन हुए तो भविष्य में सरकारों और प्रशासन के लिए इनको नियंत्रित और सीमित करने के रास्ते निर्धारित करने पड़ सकते हैं। इसमें हमारे आपके विरोध के अधिकार पर ही बंदिश लगेगी। पुलिस प्रशासन का भी दायित्व है कि उनके अधिकारों के पालन का ध्यान रखने के साथ ऐसे अवांछित तत्वों की पहले से पहचान कर कुछ पूर्वोपाय के कदम उठाए। अब सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं और संभव है कि आगे भी गिरफ्तारियां हों, मामले दर्ज हों। हालांकि ऐसे विरोध प्रदर्शनों में पहले किसी के विरुद्ध कोई कठोर कार्रवाई नहीं हुई, न सजा हुई। कुल मिलाकर यह चिंता का विषय है कि सुप्रीम कोर्ट के टिप्पणी के विरुद्ध सामान्य कटाक्ष से बना एक साइट प्रश्न पत्र लीक से जुड़ते हुए यहां तक पहुंच गया। ऐसा क्यों हुआ, कैसे हुआ, अगर इन प्रश्नों पर हम विचार करें तो उत्तर आसानी से मिल जाएगा। इसी से यह भी उत्तर मिलेगा कि आगे यह स्थिति कैसे पैदा न हो।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जयंती विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

चंद्रशेखर 'आजाद', जिनकी पिस्तौलों का भी इतिहास है

सन् 1919 में 13 अप्रैल को बैसाखी का दिन था और ब्रिटिश ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड एडवर्ड हैरी डायर ने पंजाब के जलियांवाला बाग में कुख्यात रॉलेट एक्ट के विरोध में हो रही शांतिपूर्ण सभा पर बिना कोई चेतावनी दिए बेहद क्रूरतापूर्वक अंधाधुंध पुलिस फायरिंग करा दी थी। इससे जो विचलित कर देने वाला नरसंहार हुआ, उसने देश में ऐसे विकट उद्वेलन पैदा किए कि जहां देशवासी डायर को 'द बूचर ऑफ अमृतसर' कहने लगे, वहीं नौजवानों का खून उबल पड़ा। वे अहिंसा का दामन छोड़कर हर हाल में प्रतिशोध, दूसरे शब्दों में कहें तो मरने-मारने वाले सशस्त्र संघर्ष के लिए मचलने लगे। अनंतर, उनके अरमानों व आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से 8-9 सितंबर 1928 को दिल्ली के ऐतिहासिक फिरोजशाह कोटला मैदान में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन नामक क्रांतिकारी संगठन गठित किया गया, जिसका उद्देश्य सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से भारत को स्वतंत्र कराना था। इसकी स्थापना के पीछे भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, बटुकेश्वर दत्त और भगवती चरण वोहरा जैसे क्रांतिकारियों की सुविचारित

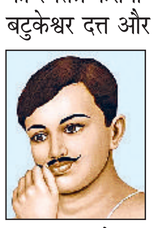

रणनीति थी और सच पूछिए तो यह अक्टूबर, 1924 में क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, शचींद्रनाथ सान्याल और योगेश चंद्र चटर्जी द्वारा स्थापित 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' का पुनर्गठित रूप था। इसकी आर्मी के कमांडर-इन-चीफ थे चंद्रशेखर आज़ाद, जिनकी आज 120वीं जयंती है। मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के भाबरा गांव में 1906 में आज के ही दिन यानी 23 जुलाई को जन्मे आज़ाद ने कमांडर-इन-चीफ के तौर पर प्रतिज्ञा कर रखी थी कि वे किसी भी हालत में कभी भी जिंदा अंग्रेजों के हाथ नहीं आएंगे और उन्होंने अंतिम सांस तक अपनी इस प्रतिज्ञा का मान रखा। उनके कमांडर-इन-चीफ रहते दिसम्बर, 1928 में सांडर्स वध, अप्रैल, 1929 में सेंट्रल असेंबली बम कांड और दिसम्बर, 1929 में वायसराय लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर हमले जैसे क्रांतिकारी एक्शनों को अंजाम दिया गया। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इकलौते ऐसे नायक हैं, जिनके साथ उनकी पिस्तौलों ने भी इतिहास बनाया है। वे आमतौर पर अपने साथ एक माउजर पिस्तौल रखा करते थे, जिसे बेहद प्यार करते और 'बमतुलबुखारा' कहा करते थे। 27 फरवरी, 1931 को वे इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में गोरों की पुलिस से मुठभेड़ में शहीद हुए तो उनके पास माउजर नहीं, बल्कि कोल्ट नामक पिस्तौल थी। लाला लाजपत राय पर लाठियां बरसाने वाले अंग्रेज अधिकारी स्कॉट की हत्या के लिए 17 दिसम्बर, 1928 के जिस क्रांतिकारी एक्शन में उसकी जगह जॉन सांडर्स को मार डाला गया था, उसमें 'आजाद' अपनी माउजर ही साथ ले गये थे। उनके बाद उनकी उस माउजर का क्या हुआ? क्रांतिकारियों की स्मृतियों की रक्षा के उपक्रमों के प्रति समर्पित और उनके आन्दोलन के इतिहास के अप्रतिम अध्येता वरिष्ठ लेखक सुधीर विद्यार्थी बताते हैं कि अरसा पहले उन्होंने इलाहाबाद के कटरा मुहल्ले में 'आजाद' के आखिरी दिन तक उनके साथ रहे गढ़वाल के क्रांतिकारी भवानी सिंह रावत की मदद से जहां-जहां भी उक्त माउजर का सुराग लगने की उम्मीद थी, वहां-वहां की खाक छानी। उसकी बाबत जानकारियां जुटाने में सफल नहीं हो सके। इसलिए 1977 में समाचारपत्रों में इस माउजर के इलाहाबाद के संग्रहालय से चोरी हो जाने की खबर छपी तो मुझे बड़ी हंसी आई। कारण यह कि जो माउजर उक्त संग्रहालय में थी ही नहीं, वह चोरी कैसे हो सकती थी?

वे बताते हैं कि शहादत के वक्त 'आजाद' के पास माउजर के बजाय 'कोल्ट' पिस्तौल थी, क्योंकि माउजर से छोटी होने के कारण वह उन्हें ज्यादा सुविधाजनक लगती थी। प्रसंगवश, इलाहाबाद के अंग्रेज एसएसपी नट बावर की सेवानिवृत्ति के वक्त गोरी सरकार द्वारा आजाद की यह कोल्ट उन्हें उपहार में दे दी गई और वे उसे अपने साथ इंग्लैंड ले गये थे। उनका दावा था कि अल्फ्रेड पार्क में आजाद को पहले उन्हीं की गोली लगी थी। सेवानिवृत्ति के बाद बावर उत्तर प्रदेश शासन के पेंशनर हुआ करते थे और शायद इसी अधिकार से बाद में 'आजाद' की 'कोल्ट' को देश वापस लाने की मांग उठने पर इलाहाबाद के कमिश्नर मुस्तफी ने बावर को उसे लौटाने के लिए पत्र लिखा था। यह कैसी विडम्बना है कि आजाद जैसे शहीद देश के लिए अपने अप्रतिम बलिदान के बावजूद भारतीयों में अपने प्रति वैसी कृतज्ञता या श्रद्धा नहीं उत्पन्न कर पाये, जैसी उन्होंने अपनी शहादत का वायस बने नट बावर जैसे अंग्रेज पुलिस अधिकारी से दो-दो हाथ करके उत्पन्न कर दी थी?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

व्यक्ति को निखारती है आत्म-प्रतिस्पर्धा

संकलित
दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहते हुए वह अनेक छोटे-बड़े लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। समाज का अंग होते हुए, समाज में अपनी पहचान बनाना भी प्रत्येक व्यक्ति का एक उद्देश्य जैसा ही प्रतीत होता है। इन उद्देश्यों, लक्ष्यों व उपलब्धियों की प्राप्ति के लिए चल रहे अनवरत प्रयत्नों के फलस्वरूप एक सामाजिक प्रक्रिया जन्म लेती है। इस सामाजिक प्रक्रिया का नाम है-प्रतिस्पर्धा। यदि सरल शब्दों में कहा जाए तो बेहतर प्रदर्शन करने की तीव्र लालसा। यह लालसा एक अबोध शिशु से लेकर एक वृद्ध तक सभी में विद्यमान रहती है। वस्तुतः जब आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं होती, तो प्रतिस्पर्धा स्वतः ही जन्म ले लेती है। प्रतिस्पर्धा में कदाचित विरोध व ईर्ष्या की भावनाएं भी अंतर्निहित होती हैं, किंतु ऐसी प्रतिस्पर्धा स्वस्थ नहीं कही जाती। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा वास्तव में उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतिस्पर्धा की यही विशेषता इसे संघर्ष से अलग करती है। एक अन्य विशेष बात यह है कि प्रतिस्पर्धा किसी तंत्र विशेष तक ही सीमित रहती है। एक विशेष तरह की प्रतिस्पर्धा एक विशेष तंत्र में ही दृष्टिगोचर होती है। किसी व्यक्ति के साथ आपकी प्रतिस्पर्धा केवल तभी तक रहती है, जब तक आप उसके साथ किसी तंत्र को साझा करते हैं। किसी व्यक्ति द्वारा वह तंत्र छोड़ते ही प्रतिस्पर्धा स्वतः समाप्त हो जाती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रतिस्पर्धा सदैव दूसरे व्यक्ति के साथ ही हो। विवेकशील या विद्वान व्यक्ति की प्रतिस्पर्धा प्रायः स्वयं से होती है। उसे आत्म-प्रतिस्पर्धा कहा जाता है।

गुरु ज्ञान से किसी की भी बदल सकता है सोच

संकलित
प्रेरणा

ऋषि वशिष्ठ श्रीराम कुलगुरु थे। इन्हीं की सलाह पर राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। यज्ञ के फल से श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। इन्होंने वशिष्ठ पुराण, वशिष्ठ श्राद्धकल्प, वशिष्ठ शिक्षा आदि ग्रंथों की रचना भी की। जब विश्वामित्र एक राजा थे, तब एक दिन वे शिकार खेलते-खेलते बहुत दूर निकल आए। आराम करने के लिए वे ऋषि वशिष्ठ के आश्रम में रुक थे। आश्रम में विश्वामित्र ने कामधेनु नंदिनी गाय को देखा। नंदिनी गाय को देख विश्वामित्र ने वशिष्ठ से कहा कि ये गाय आप मुझे दे दीजिए, लेकिन ऋषि वशिष्ठ ने कामधेनु को देने से मना कर दिया। राजा विश्वामित्र कामधेनु को बलपूर्वक अपने साथ ले जाने लगे। विश्वामित्र कामधेनु के लिए युद्ध तक करने के लिए तैयार हो गए थे पर तब ऋषि वशिष्ठ के कहने पर नंदिनी गाय ने विश्वामित्र सहित उनकी पूरी सेना को भगा दिया। राजा विश्वामित्र को अपने सैनिकों सहित वापस राज्य में लौटना पड़ा। ऋषि वशिष्ठ का ऐसा प्रभाव देखकर विश्वामित्र बहुत हैरान हो गए। विश्वामित्र ने सोचा की तप में किताना बल है की एक व्यक्ति अपने तप से सभी को प्रभावित कर सकता है। इस घटना के बाद विश्वामित्र ने राज-पाठ छोड़ दिया और तप करने लगे। वशिष्ठ जी के ज्ञान और तप के प्रभाव से विश्वामित्र की सोच बदल गई और बाद में वे भी बह्मर्षि बन गए। गुरु अपने ज्ञान और तप से किसी भी व्यक्ति की सोच बदल सकते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

निरर्थक प्रवृत्तियों का त्याग ही सार्थक जीवन का आधार

मनुष्य का जीवन उसके विचारों और प्रवृत्तियों से निर्मित होता है। प्रत्येक व्यक्ति दिनभर अनेक प्रकार के कार्य करता है, अनेक विषयों पर सोचता है और अनेक निर्णय लेता है। इन्हीं प्रवृत्तियों के आधार पर उसके व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य का निर्माण होता है। सामान्यत: मनुष्य की प्रवृत्तियों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-सार्थक और निरर्थक। सार्थक प्रवृत्तियां वे हैं जो जीवन को दिशा देती हैं, विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं और स्वयं तथा समाज के कल्याण में सहायक बनती हैं। इसके विपरीत निरर्थक प्रवृत्तियां व्यक्ति का समय, ऊर्जा, धन और मानसिक शक्ति नष्ट करती हैं तथा धीरे-धीरे उसके जीवन को तनाव, भ्रम और अशांति से भर देती हैं।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

करंट अफेयर

क्यूबा सरकार पर दबाव बढ़ाने अमेरिका ने भेजी खाद्य सामग्री

क्यूबा के लोगों को सीधे सहायता देने और वहां की सरकार पर दबाव बनाए रखने के अमेरिका के प्रयासों के तहत एक मालवाहक विमान खाद्य सामग्री और स्वच्छता किट लेकर मंगलवार को मियामी से क्यूबा के लिए रवाना हुआ। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, विमान में 700 पैकेट भेजे गए हैं। इन्हें क्यूबा सरकार के माध्यम से नहीं, बल्कि वहां के कैथोलिक संगठनों के जरिये सीधे लोगों में वितरित किया जाएगा। अमेरिका ने हाल में क्यूबा को कुल 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता देने की पेशकश की थी, यह खेप उसी में से छह करोड़ डॉलर की पहली किस्त का हिस्सा है। यह सहायता ऐसे समय भेजी गई है, जब अमेरिका ने पिछले कई महीनों में क्यूबा सरकार और उससे जुड़े संस्थानों पर दबाव बढ़ाया है। इसके तहत मुख्य रूप से देश के सैन्य और खुफिया तंत्र पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऊर्जा और तेल की नाकेबंदी के कारण क्यूबा की अर्थव्यवस्था और वहां के लोगों का दैनिक जीवन लगभग ठप हो गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक विस्तृत दस्तावेज जारी कर क्यूबा पर पिछले पांच दशकों से अमेरिका में बड़े पैमाने पर जासूसी और वामपंथी प्रभाव बढ़ाने का अभियान चलाने का आरोप लगाया।

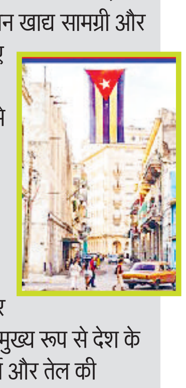

ऑफ बीट

कैंसर के जोखिम का कारण वह नहीं जो आप सोचते हैं

अगर आप लोगों से पूछें कि कैंसर किस वजह से होता है, तो शायद अधिकतर अपने जवाब में धूम्रपान, शराब पीने, सूरज की किरणों और बालों को रंगने वाली डाई जैसी चीजों को गिनाएंगे। लेकिन कैंसर के लिए सबसे प्रमुख जोखिम वाला कारक कुछ और है और वह है उम्र बढ़ना या बुढ़ापा आना (एजिंग)। यह बात सही है, कैंसर से जुड़ा सबसे बड़ा कारक अपरिहार्य है और यह एक ऐसी स्थिति है जिसका हम सभी अनुभव करेंगे। यह क्यों महत्वपूर्ण है? कनाडा और दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ती आबादी वृद्ध लोगों की है। 2068 तक, लगभग 29 प्रतिशत कनाडाई 65 वर्ष से अधिक आयु के होंगे। वृद्ध लोगों में कैंसर सबसे आम बीमारियों और कनाडा में सबसे आम बीमारियों में से एक है, इसका मतलब है कि हमें वृद्ध लोगों के लिए सबसे अच्छी कैंसर देखभाल प्रदान करने के बारे में सोचना होगा। जनसांख्यिकीय बदलाव : तो अब तक हम किस तरह काम कर रहे हैं? जवाब है- बहुत अच्छा नहीं। यह आश्चर्यजनक हो सकता है, लेकिन हमारे पास कैंसर देखभाल में इस जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए कुछ नया करने और तैयारी करने का एक शानदार अवसर भी है।

ट्रेंड

समन्वय समितियां

मानसून के दौरान जल-जमाव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए, हमने दिल्ली के सभी 13 ज़िलों में ज़िला-स्तरीय समन्वय समितियां बनाई हैं। ये समितियां सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल करेंगी और जल-जमाव की स्थिति आदि में तुरंत कार्रवाई करने का काम भी देखेंगी।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

अनंतनाग में हुए आतंकी हमले के बाद हालात का जायज़ा लेने के लिए मैंने डीजीपी नलिन प्रभात से बात की। ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी के परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इस घिनौने कृत्य के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।
-मनोज सिन्हा, उप-राज्यपाल, जम्मू-कश्मीर

राहुल गांधी का व्यवहार

राहुल गांधी का व्यवहार आज पूरी तरह से अशोभनीय और निंदनीय था। विपक्ष के नेता जैसे गरिमापूर्ण पद पर होने के बावजूद, राहुल गांधी इसे गंभीरता से नहीं लेते, यह बात आज उनके व्यवहार से साफ हो गई।
- नितिन नवीन, अध्यक्ष, बीजेपी

अच्छी शिक्षा देना ज़रूरी

अगर हम अपने देश को विकसित और समृद्ध बनाना चाहते हैं, तो सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देना बहुत ज़रूरी है। दिल्ली के बाद, अब पंजाब में भी हमने ग़रीबों के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा देना शुरू कर दिया है।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

नीट विवाद पर संसद में बढ़ी तकरार, सत्तापक्ष और विपक्ष की ओर से चले 'शब्दबाण'

पेपर लीक के मुद्दे पर राहुल गांधी राजनैतिक रोटियां सेंक रहे, हम संसद में चर्चा के लिए तैयार: जेपी नड्डा

पूछा, राहुल बताएं जब कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक होते हैं तब वे सवाल क्यों नहीं उठाते? | केंद्रीय मंत्री ने प्रेस कॉफ्रेंस में कहा: छात्रों की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है बल्कि पूरे विपक्ष की भी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा है कि छात्रों में मुद्दे पर राजनीति ठीक नहीं है। नीट पेपर लीक मुद्दे पर नड्डा ने बुधवार को एक प्रेस कॉफ्रेंस में कहा कि राहुल गांधी इस मुद्दे पर राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं। उन्हें छात्र हितों की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारी है वहां भी पेपर लीक हुए। झारखंड, हिमाचल और बंगाल में भी पेपर लीक हुए। नड्डा ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राहुल के आरोपों का जवाब दिया। नड्डा ने कहा कि राहुल बताएं जब कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक होते हैं तब वे सवाल क्यों नहीं उठाते। राहुल इन मामले में सिर्फ भाजपा शासित सरकारों को क्यों टारगेट करते हैं। वह इतने सिलेक्टिव क्यों हैं।

पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन राहुल गांधी का उद्देश्य छात्रों का हित नहीं है। छात्रों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। छात्रों की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है बल्कि पूरे विपक्ष की है। जेपी नड्डा ने कहा कि पेपर लीक मुद्दे पर सरकार चर्चा के लिए तैयार है। चर्चा के लिए सदन सबसे उपर्युक्त स्थान है। हम शिक्षा पर चर्चा के लिए तैयार हैं। नड्डा ने कहा कि आरोप-प्रत्यारोप की जगह हम चर्चा चाहते हैं। छात्रों के मुद्दे पर सरकार गंभीर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो छात्रों की मांग है, सबसे पहले मैं कहूंगा कि इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। ये एक गहन समस्या है और इस समस्या का गहनता से चर्चा करने की आवश्यकता रहती है। नड्डा ने कहा कि मैं आज यहां ये भी कहना चाहूंगा कि शाम 4 बजे विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें उन्होंने लगभग 150 पेपर लीक के बारे में चर्चा की। ये जांच का विषय है और इसके लिए सरकार हर बात का जवाब जनता के सामने रखेगी।

क्या शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर सरकार में किसी स्तर पर चर्चा चल रही है, इस सवाल के जवाब में नड्डा ने कहा ये तरीका नहीं होता, हम संसद में चर्चा के लिए तैयार हैं।

विपक्षी दल छात्रों का इस्तेमाल कर रहे: राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को दिल्ली में चल रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर गंभीर चिंता जताई और विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह इसे अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वह सड़कों के बजाय संसद में मुद्दा उठाए। रक्षा मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब जंतर-मंतर पर काकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का दूसरा महीना शुरू हो गया है। कई विपक्षी नेताओं ने काले कपड़े पहनकर बुधवार को संसद के बाहर प्रदर्शन किया और नीट पेपर लीक का विरोध कर रहे छात्रों के साथ एकजुटता दिखाई।

राजनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा-यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग छात्रों और युवाओं का इस्तेमाल अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए राजनीतिक हथियार के तौर पर करने की कोशिश कर रहे हैं। नरेन्द्र मोदी सरकार छात्रों की आकांक्षाओं को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि उनके साथ कोई अन्याय न हो। अपने छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है।

क्या बेटियों के कपड़े फाड़ेंगे आप? उनकी आवाज सुनें

स्पीकर बिरला पर फट पड़े अखिलेश यादव

जंतर मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस ने जो लाठीचार्ज किया उसके बाद से सियासत शुरू हो गई है। संसद में इस पर बहस के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव लोकसभा स्पीकर ओम बिरला र फट पड़े। यादव ने कहा कि अगर पेपर लीक और छात्रों की आवाज और उनके मुद्दों पर सरकार ने संसद में बहस की होती तो ये नौबत नहीं आती। जिसके बाद अखिलेश ने पुलिस लाठीचार्ज का हवाला देते हुए कहा कि क्या अपने मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर आप लाठी चलाएंगे, उनके सिर फोड़ेंने और क्या बेटियों के कपड़े फांड़ेंगे?

अखिलेश और केसी वेणुगोपाल में झड़प

भाजपा ने क्या कांग्रेस से समझौता कर लिया?

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की आग पटना समेत देश को दूसरे हिस्से में पहुंच चुकी है तो इधर जंतर मंतर पर छात्र डटे हुए हैं। छात्रों के नाम पर विपक्ष जमकर सियासत कर रहा है। हालांकि धर्मेंद्र प्रधान पर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की लाइन अलग-अलग है। कांग्रेस जहां शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़ी है तो वहीं अखिलेश यादव के रुख नर्म है। अखिलेश सदन में नीट पर चर्चा चाहते हैं। अखिलेश अपनी बात कहना चाह रहे थे लेकिन स्पीकर ने कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल को बोलने के लिए कहा। फिर रिजिजू बोलने लगे। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला के सामने आपत्ति जताते हुए अखिलेश ने कहा कि आपने भाजपा-कांग्रेस को बोलने का मौका दिया, क्या आपने इनसे समझौता कर लिया।

राजनीतिक हलकों में बढ़ी चर्चा

संसद में पीएम मोदी से मिले शरद और सुप्रिया

संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को एनसीपी (एससी) के प्रमुख शरद पवार और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद परिसर में मुलाकात की। इस मुलाकात को मौजूदा राजनीतिक हालात और छात्रों के मुद्दों के संदर्भ में अहम माना जा रहा है। इससे पहले शरद पवार और सुप्रिया सुले मंगलवार को जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे। शरद ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह छात्रों और नागरिकों की मांगों को संवेदनशीलता के साथ सुने। उन्होंने कहा कि संविधान हर नागरिक को अधिकार देता है और सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है।

विपक्ष संसद की कार्यवाही कर रहा बाधित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नीट यूजी पेपर लीक मामले पर विपक्ष के लगातार हंगामे और काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन के बीच भाजपा ने बुधवार को विपक्ष पर जमकर हमला बोला।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्षी नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि उनके दिल भी उनके

कपड़ों की तरह काले हैं। सरकार मामले पर चर्चा के लिए तैयार होने के बावजूद विपक्ष संसद की कार्यवाही बाधित कर रहा है। गिरिराज ने कहा कि विपक्ष जानबूझकर बहस से बच रहा है और छात्रों की समस्याओं का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष और कांग्रेस संसद को चलने नहीं देना चाहते। सरकार ने चर्चा का प्रस्ताव दिया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। उनके दिल भी उतने ही काले हैं जितने उनके कपड़े।

कल्याण पूरे मानसून सत्र के लिए लोकसभा से निलंबित

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद कल्याण बनर्जी को पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। उन्हें असंसदीय भाषा के इस्तेमाल के लिए निलंबित किया गया। मानसून सत्र का लगातार तीसरा दिन भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई।

रेल मंत्री वैष्णव बोले

99.6% ब्रॉड गेज रेल नेटवर्क विद्युतीकृत, भारत में दुनिया में सबसे बड़ा नेटवर्क बना

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा विद्युतीकृत रेलवे नेटवर्क वाला देश बन गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे के ब्रॉड गेज रेल नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका है। इस मामले में भारत केवल स्विट्जरलैंड (100 प्रतिशत) से थोड़ा पीछे है, हालांकि स्विट्जरलैंड का रेलवे नेटवर्क भारत की तुलना में काफी छोटा है। रेल मंत्री ने लिखित उत्तर में बताया कि रेलवे विद्युतीकरण के मामले में भारत- चीन (82 प्रतिशत), स्पेन (67 प्रतिशत), जापान (64 प्रतिशत), फ्रांस (60 प्रतिशत) और यूनाइटेड किंगडम (39 प्रतिशत) जैसे देशों से आगे निकल चुका है।

ई- 20 पेट्रोल पर केंद्र की सफाई

पुराने वाहनों में माइलेज थोड़ा घट सकता है, इंजन को नुकसान नहीं

ई20 पेट्रोल को लेकर चले तमाम तरह के अफवाहों पर विराम लगाते हुए केंद्र सरकार ने स्थिति साफ किया है। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि ई20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) के इस्तेमाल से ई10 पेट्रोल के लिए डिजाइन किए गए कुछ पुराने वाहनों में ईंधन दक्षता (माइलेज) में मामूली कमी आ सकती है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने यह बात कही।

खबर संक्षेप

अनुष्का के साथ कोहली ने प्रेमानंद के दर्शन किए

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था।

तेलंगाना में सर्जरी के बाद 5 महिलाएं बीमार

कामारेड्डी। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा के अस्पताल में 10 दिन में महिलाओं की सी-सेक्शन सर्जरी हुई। सर्जरी के बाद 5 महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई। इन महिलाओं को निजामाबाद के सरकारी जनरल अस्पताल और हैदराबाद के निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराना पड़ा। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में सी-सेक्शन सर्जरी कराने वाली कई महिलाओं को किडनी संबंधी परेशानी आई थी।

महाराष्ट्र में आज बंद का किया ऐलान

मुंबई। दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और उत्पीड़न के विरोध में वंचित बहुजन आघाडी द्वारा गुरुवार को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया गया है। इस दौरान बसों, लोकल ट्रेनों और मेट्रो जैसी आवश्यक सेवाओं के सुचारू रूप से चलने की उम्मीद है, लेकिन शिक्षण संस्थानों और निजी प्रतिष्ठानों पर असर पड़ सकता है। राज्य में बसों और लोकल ट्रेन सामान्य रूप से चलेंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धार्थ दवे के प्रयासों की सराहना की

पुलिस थानों में सीसीटीवी लगाने के मामले में दिखी सकारात्मक प्रगति, कोर्ट 'संतुष्ट'

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की सुनवाई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के मामले में काम अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है और पिछले कुछ महीनों में स्थिति ने सकारात्मक रुख लिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को इस मामले में न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) के रूप में सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने बताया कि इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पीठ ने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि इस मामले में काम बहुत अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। इसके लिए हमें सिद्धार्थ दवे के प्रयासों का श्रेय देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में इस मामले में सकारात्मक बदलाव आया है। सुप्रीम कोर्ट पुलिस थानों में काम कर रहे सीसीटीवी कैमरों की कमी से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा था।

पीठ ने दो अहम मुद्दों पर ध्यान दिलाया

पीठ ने दो अहम मुद्दों पर ध्यान दिलाया। पहला, पुलिस थानों में सीसीटीवी लगाने की योजना के लिए वित्तीय सहायता की अवधि बढ़ाने का और दूसरा, पहले से लगाए गए कैमरों के रखरखाव का। केंद्र सरकार की ओर से पेश कानून अधिकारी ने कहा कि वह इन दोनों पहलुओं पर संबंधित अधिकारियों से निर्देश लेकर अदालत को अवगत कराएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कानून अधिकारी को निर्देश प्राप्त करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई पांच अगस्त

छात्रों पर हुए लाठीचार्ज से भड़का बार एसोसिएशन

स्टूडेंट्स पर हुए लाठीचार्ज पर नाराजगी जताई

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च के दौरान स्टूडेंट्स पर हुए कथित लाठीचार्ज पर नाराजगी जताई है। एसोसिएशन ने लाठीचार्ज की निंदा करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बहुत ज्यादा और बेहिसाब बल का इस्तेमाल किया गया है। यह एक परेशान करने वाला है और लोकतांत्रिक समाज में बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। एसोसिएशन ने बिना किसी भेदभाव के तुरंत जांच और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।एसोसिएशन के अनुसार बेगुनाह स्टूडेंट्स पर हुए बेरहमी से लाठीचार्ज की कड़ी निंदा करता है, जिससे कई स्टूडेंट्स को गंभीर चोटें आईं। इस घटना में एससीबीए के मेंबर्स समेत लीगल फ्रेटरनिटी के मेंबर्स भी घायल हुए।

एएसजी की 'पब्लिसिटी' वाली दलील पर हाईकोर्ट ने कहा

जनहित याचिकाओं में हर पीड़ित का व्यक्तिगत आना जरूरी नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने संसद मार्च के दौरान पुलिस द्वारा कथित अत्यधिक बल प्रयोग के

खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। अदालत ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।एक पिटीशनर की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट एन. हरिहरन ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट के बाद जंतर-मंतर पर जमा हुई भीड़ बस अपने अधिकारों का दावा कर रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्टूडेंट्स पर कैसे हमला किया गया, और बताया कि उनके खिलाफ बहुत ज़्यादा बल का इस्तेमाल किया गया।

कोरोना के नए मामले चिंतनीय

आंध्र में 4 की मौत, गुजरात में चंडीपुरा वायरस ने ली 8 जानें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। आंध्र प्रदेश में अब तक सबसे ज्यादा 26 केस सामने आ चुके हैं। इसके अलावा, पहले से दूसरी बीमारियों से जूझ रहे 4 कोरोना मरीजों की मौत हो गई। वहीं, पुणे में भी लगभग तीन साल बाद कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। 10 दिन में नए मरीजों की पहचान की गई है। कोलकाता के अस्पताल में 4 का इलाज जारी है। एक तरफ जहां कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, वहीं गुजरात में चंडीपुरा वायरस ने 8 लोगों की जान ले ली है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)

सार्वजनिक सूचना

राष्ट्रीय राजमार्ग–148 एनए दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे पर नया प्रयोक्ता शुल्क लागू टोल पर नए प्रयोक्ता शुल्क (टोल) दरों पर सार्वजनिक सूचना किरंज (कि.मी. 55–880) एनएच–148, दिनांक 23.07.2026 से लागू

आम जनता को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि सक्षम प्राधिकारी, एनएचआई के ई–कार्यालय के माध्यम से प्रयोक्ता शुल्क की नई दरों के अनुमोदन के अनुसार, भारतमाला परियोजना (पैकेज II-III)– एनएच–148 एनए के तहत हाईब्रिड वार्षिकी विधि पर दिल्ली और हरियाणा राज्यों में जौतपुर–पुस्ता रोड से उनई–4 (दिल्ली वदोदरा एक्सप्रेसवे) डिजाइन चौनल 9.000 से 59+063 के साथ केएमपी एक्सप्रेसवे छह लेन के पास जंक्शन तक पहुंच नियंत्रित राजमार्ग के निर्माण पर प्रयोक्ता शुल्क दरें 23.07.2026 से प्रभावी होंगी। कि. मी. 55+880 पर किरंज टोल प्लाजा हेतु संशोधित प्रयोक्ता शुल्क वरें, 23.07.2026 के 00:00 बजे से प्रभावी इस संबंध में:

किरंज टोल प्लाजा की नई प्रयोक्ता शुल्क दर (कि. मी. 55+880)

वाहनों की श्रेणी/50.063 कि.मी. की पूरी लंबाई के लिए लागू शुल्क (कि.मी. 9+000 से 59+063)	एकल यात्रा के लिए शुल्क (रु.)	एक दिन के अन्दर वापसी यात्रा के लिए शुल्क (रु.)	50 यात्राओं के लिए वैध मासिक पास के लिए शुल्क (रु.)	जिले के अंदर पंजीकृत वाणिज्यिक वाहनों के लिए शुल्क (रु.)
कार/जीप/वैन/हल्के मोटर वाहन	160	240	5340	80
एलसीवी/एलजीवी/मिनी बस	260	390	8630	130
बस/ट्रक (दो एक्सल वाले)	540	815	18080	270
तीन एक्सल वाले वाणिज्यिक वाहन	590	885	19720	295
भारी निर्माण मशीनरी (HCM) या अर्थ मूविंग उपकरण (EME) या बहु–अक्षीय वाहन (MAV) (4 से 6 धुरी)	850	1275	28350	425
बड़े आकार के वाहन (सात या अधिक एक्सल वाले)	1035	1555	34515	520

टिप्पणी: वर्ष 2026–27 के लिए, किसी ऐसे व्यक्ति हेतु जो एक गैर–व्यावसायिक (नॉन–कमर्शियल) यांत्रिक वाहन का स्वामी है और जो शुल्क प्लाज़ा से बीस किलोमीटर की दूरी के भीतर निवास करता है, मासिक पास का निर्धारित शुल्क ₹ 360.00 (रुपये तीन सौ साठ मात्र) है।

1. किसी भी पूछताछ और/या शिकायत/सुझाव देने के लिए नाम और पता निम्नानुसार है।

टोल एजेंसी	रियायती	आईई	एनएचएआई के पीडी
श्री विनोद यादव	श्री हेमंत पाठक	श्री दिलीप सिंह	श्री धीरज सिंह
मेसर्स स्काईलार्क	मेसर्स दिनेशचंद्र वैष्णोदेवी इंका प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स दिनेशचंद्र गिरिराज इंठा प्राइवेट लिमिटेड, किरांज टोल प्लाजा, हरियाणा	मेसर्स इंटरकॉन्टिनेंटल कंसल्टेंट्स एंड टेक्नोक्रेट्स प्राइवेट लिमिटेड	भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीएमयू–मथुरा, प्लॉट नंबर 08. टोल प्लाजा बिल्डिंग के पास, फरीदाबाद, हरियाणा–121003
मोबाइल नंबर 9982429292	9582583896	8529745524	8130006117

सड़कें ही नहीं, राष्ट्र का भी निर्माण

हिमाचल के चंबा में 2 दिन से लगातार हो रही बारिश

कई जगहों पर लैंडस्लाइड,100 से ज्यादा सड़कें बंद

एजेंसी ⏭ चंबा

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में लगातार 2 दिन से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आग भी आरेंज अलर्ट जारी किया है। डिप्टी कमिश्नर मुकेश रेप्सवाल ने बताया कि बारिश की वजह से 100 से ज़्यादा सड़कें बंद हो गई हैं। मशीनरी तैनात कर दी गई है और रास्ता साफ़ करने का काम चल रहा है, लेकिन लगातार हो रही बारिश से बहाली के काम में रुकावट आ रही है।

फिलहाल 2-3 दिन तक राहत की उम्मीद नहीं

देश के 18 राज्यों में आईएमडी की चेतावनी

आज बरपेगा आसमानी कहर! गुजरात-महाराष्ट्र में रेड अलर्ट

देशभर में मानसून एक बार फिर पूरी रफ्तार पकड़ चुका है। आईएमडी के अनुसार गुरुवार को देश के 18 राज्यों में बारिश का जोर देखने को मिलेगा। खासकर पश्चिम और मध्य भारत में बारिश बेहद तीव्र रहने वाली है। गुजरात और मध्य महाराष्ट्र में बेहद भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, राजस्थान, कोंकण-गोवा, पूर्वोत्तर और उत्तर भारत में बहुत भारी बारिश होगी।

यूपी में बदलेगा मौसम, उत्तराखंड में भूस्खलन का बढ़ा खतरा

उत्तर प्रदेश में 23 जुलाई को मौसम का मिजाज बदला रहेगा। पूर्वी यूपी में बादलों की आवाजाही के बीच कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। 26 जुलाई के बाद पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का दौर और तेज हो सकता है। उत्तराखंड में भारी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। पर्वतीय जिलों में भूस्खलन, चट्टान गिरने और सड़कें बंद होने का खतरा बना हुआ है।

बड़गाम में शॉपिंग कांप्लेक्स बहा एक की मौत

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में मंगलवार को भी दिनभर रुक-रुक वर्षा जारी रही। इस दौरान कई जगह सड़कों को नुकसान हुआ। बड़गाम जिले के वीरवाह शहर में सुखनाग नदी में उफान से पानी मुख्य बस स्टैंड के आसपास के क्षेत्र में घुस गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। नगर पालिका का शापिंग कांप्लेक्स बह गया।

अमेरिकी टैरिफ भारतीय जनेरिक दवा निर्यात पर डालेगा असर

खबर संक्षेप

रुपया 34 पैसे टूटकर 96.59 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली। बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के दबाव में रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे टूटकर 96.59 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की धारणा और घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख ने भी निवेशकों की भावना को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.36 प्रति डॉलर पर खुला।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा जेनेरिक दवाओं पर प्रस्तावित ऊंचे शुल्क भारत के सबसे बड़े औषधि निर्यात बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, इसका असर सभी उत्पादों पर एक समान नहीं पड़ेगा। आर्थिक शोध संस्था जीटीआरआई ने बुधवार को यह आकलन पेश किया। ये ऐसी सस्ती दवाएं होती हैं जिनमें ब्रांडेड दवाओं जैसा ही सक्रिय घटक, मात्रा और प्रभाव होता है लेकिन इन्हें पेटेंट समाप्त होने के बाद आमतौर पर कम कीमत पर बेचा जाता है।'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में सात से दस गुना सस्ती होती हैं।

अतिरिक्त लागत का बोझ मरीजों पर डाला जा सकता है

ऐसे में 100 प्रतिशत शुल्क लगने के बाद भी कई उत्पाद सस्ते बने रह सकते हैं। अतिरिक्त लागत का बोझ अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, बीमा कंपनियों और मरीजों पर डाला जा सकता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''अधिक दबाव उच्च मूल्य वाली जेनेरिक फॉर्मूलेशन और ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं पर पड़ सकता है। इन श्रेणियों में अमेरिका के भीतर उत्पादन व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य ष हो सकता है।''

आर्थिक शोध संस्था जीटीआरआई ने पेश किया आकलन

भारत को अमेरिका पर निर्भरता घटाना होगा

श्रीवास्तव ने सुझाव दिया कि भारत को अमेरिका पर अपनी निर्भरता घटाकर यूरोप, लातिनी अमेरिका, अफ्रीका और एशिया में निर्यात बढ़ाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि एक अगस्त से दो वर्षों तक जेनेरिक दवाओं पर शून्य शुल्क रहेगा। इसके बाद एक वर्ष के लिए शुल्क 100 प्रतिशत और फिर 200 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा।

अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा औषधि निर्यात बाजार

इस तरह अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा औषधि निर्यात बाजार है। भारतीय कंपनियां अमेरिका में वितरित जेनेरिक नुस्खों के करीब 47 प्रतिशत की आपूर्ति करती हैं जबकि मूल्य के हिसाब से हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है।

भारत के निर्यात का 37.7 फीसदी हिस्सा अमेरिका को गया

अमेरिका ने 2025 में 213 अरब डॉलर के औषधि उत्पाद आयात किए, जिनमें 94.1 अरब डॉलर की तैयार दवाएं शामिल थीं। जेनेरिक दवाओं का अलग से सटीक आकलन उपलब्ध नहीं है क्योंकि उन्हें एचएस कोड 3004 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। भारत ने पिछले साल 25.8 अरब डॉलर के औषधि निर्यात किए, जिनमें से 9.7 अरब डॉलर यानी 37.7 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका को गया।

भारत की कई विनिर्माण इकाइयां अमेरिका में

भारतीय दवा कंपनियों सन फार्मा, जायडस लाइफसाइंसेज, ल्यूपिन, अरबिंदो फार्मा, सिप्ला और डॉ रेड्डीज की अमेरिका में विनिर्माण इकाइयां हैं। अमेरिका के अलावा भारत के प्रमुख औषधि निर्यात बाजारों में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, ब्राजील, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, रूस, फिलीपींस और केन्या शामिल हैं।

केंद्रीय बैंक ने कहा, बाहरी अनिश्चितताओं का बखूबी सामना

विदेशी निवेश की वापसी अर्थव्यवस्था पर भरोसा बढ़ने के संकेत: आरबीआई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय अर्थव्यवस्था ने बाहरी अनिश्चितताओं का बखूबी सामना किया है और हाल के महीनों में विदेशी निवेश में सुधार से भरोसा लौटने का संकेत मिलता है। भारतीय रिजर्व बैंक के बुधवार को जारी बुलेटिन में यह कहा गया। केंद्रीय बैंक के जुलाई बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि दुनिया में अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में काफी अनिश्चितता बनी हुई है।

हाल के महीनों में विदेशी निवेश में सुधार आया है

लेख के अनुसार, ''इन अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है और जून तक आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनाए रखने में कामयाब रहा है। औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के संकेतक मजबूत बने रहे।''

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में एक

खाद्यान्न भंडार संतोषजनक स्तर पर

खाद्यान्न भंडार संतोषजनक होने से खाद्य महंगाई पर इसका प्रभाव काफी हद तक नियंत्रित रह सकता है। इसमें कहा गया कि 2026-27 की पहली तिमाही में निर्यात और आयात में हुई अच्छी वृद्धि से पता चलता है कि विदेश व्यापार की रफ्तार बनी रही। भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के लागू होने तथा अन्य द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में हो रही प्रगति से देश की आर्थिक गतिविधियों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पहली बार महंगाई आरबीआई के चार प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर

लेख के अनुसार, भारतीय कंपनियों के विदेशी निवेश का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका, केमैन आइलैंड और नीदरलैंड में गया। इसमें वित्तीय, बीमा एवं व्यावसायिक सेवाओं तथा विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत से अधिक रही। कीमत स्थिति के बारे में इसमें कहा गया है कि जून, 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई बढ़कर 18 महीने के उच्च स्तर 4.4 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.9 प्रतिशत थी।

वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ने के संकेत

लेख में लिखा गया, ''भारत के बाह्य क्षेत्र से जुड़े जोखिम संकेतक मजबूत बने हुए हैं। हाल के महीनों में विदेशी निवेश में सुधार से भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ने के संकेत मिलते हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बीते महीने शुद्ध रूप से निवेश किया। इसका कारण बॉन्ड बाजार के लिए नीतिगत समर्थन और वैश्विक स्तर पर तनाव में कमी है।

एफपीआई ने 20 जुलाई तक 3.1 अरब डॉलर का किया निवेश

एफपीआई ने इक्विटी और बॉन्ड बाजार में जुलाई में (20 जुलाई तक) कुल 3.1 अरब डॉलर का निवेश किया। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) अप्रैल-मई 2026 के दौरान सकल और शुद्ध, दोनों आधार पर बढ़ा। इस दौरान जापान, सिंगापुर और मॉरीशस से कुल इक्विटी निवेश का लगभग 74 प्रतिशत प्राप्त हुआ। वित्तीय सेवाएं, विनिर्माण, खुदरा एवं थोक व्यापार तथा कंप्यूटर सेवाएं सबसे अधिक निवेश आकर्षित करने वाले क्षेत्र रहे।

श्रीलंका ने मुद्रास्फीति बढ़ने के बावजूद ब्याज दर रखी यथावत

कोलंबो। श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दर को 8.75 प्रतिशत पर यथावत रखा है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद वैश्विक अनिश्चितता और जिंस कीमतों पर उसके असर का हवाला देते हुए मुद्रास्फीति बढ़कर 6.8 प्रतिशत पर पहुंचने के बावजूद यह फैसला किया गया। केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को हुई मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में नए सिरे से बढ़े तनाव के कारण वैश्विक जिंस कीमतों, विशेषकर पेट्रोलियम की कीमतों में वृद्धि हुई है। बैंक ने कहा, ''इन घटनाक्रमों से वैश्विक आर्थिक संभावनाएं प्रभावित होने की आशंका है और इसके विभिन्न माध्यमों से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।'' बयान के अनुसार, जून में मुद्रास्फीति बढ़कर 6.8 प्रतिशत हो गई। घरेलू स्तर पर ऊर्जा एवं खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण निकट भविष्य में इसके पांच प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बने रहने की संभावना है। बैंक ने कहा कि मुख्य मुद्रास्फीति में भी वृद्धि होने तथा इसके समग्र मुद्रास्फीति लक्ष्य के आसपास बने रहने का अनुमान है। बयान में कहा गया, ''अप्रैल, 2026 से चालू खाते में घाटा दर्ज किया गया है। इसकी मुख्य वजह ईंधन आयात लागत बढ़ने से व्यापार घाटा बढ़ना और पर्यटन से होने वाली आय में कमी आना है। बैंक ने कहा कि हाल के नीतिगत उपायों के प्रभाव से मोटर वाहन सहित आयात की मांग में आगे चलकर कमी आने की उम्मीद है।

सोना दो सप्ताह के उच्च स्तर पर, चांदी 8,500 रुपये मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में 1,900 रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह दो सप्ताह के उच्च स्तर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इसकी वजह मजबूत हाजिर मांग और वैश्विक बाजारों में मजबूती का रुख रही। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,900 रुपये बढ़कर 1,49,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। मंगलवार को यह 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। सात जुलाई को स्थानीय बाजार में सोने की कीमत 1,49,250 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं। लगातार छह सत्रों की गिरावट के बाद चांदी में सुधार हुआ और इसकी कीमत 8,500 रुपये बढ़कर 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। पिछले सत्र में यह 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी बाजार में मजबूत कीमतों, फिर से बढ़ी हाजिर मांग और पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद निचली कीमत पर लिवाली बढ़ने के कारण सोने में लगातार तीसरे सत्र में तेजी बनी रही।

भारत रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन में ग्लोबल लीडर बनकर उभरा

नई दिल्ली। भारत रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन में ग्लोबल लीडर बनकर उभरा है; यहाँ 99.6% ब्रॉड गेज नेटवर्क का इलेक्ट्रिफ़िकेशन हो चुका है, और यह स्विट्ज़रलैंड के बाद दूसरे स्थान पर है। रेलवे ट्रैक्शन के लिए डीज़ल की खपत 2015-16 में 293 करोड़ लीटर से घटकर 2024-25 में 108 करोड़ लीटर हो गई है, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और कार्बन उत्सर्जन कम हुआ है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने भी एक साल में 7.5 करोड़ लीटर डीज़ल की बचत की है। इंडियन रेलवे का इलेक्ट्रिफ़िकेशन अभियान साफ़-सुथरी मोबिलिटी को बढ़ावा देता है, क्योंकि रेल ट्रांसपोर्ट, रोड ट्रांसपोर्ट की तुलना में लगभग 89% कम सीओ2 उत्सर्जित करता है। इंडियन रेलवे पर कम-कार्बन वाले ऑपरेशन को सपोर्ट करने के लिए 1,260 मेगावाट से ज़्यादा सोलर और विंड पावर क्षमता शुरू की गई है। भारतीय रेलवे पर रेलवे नेटवर्क के इलेक्ट्रिफ़िकेशन का काम मिशन मोड में किया जा रहा है। अब तक, लगभग 99.6% ब्रॉड गेज (बीजी) नेटवर्क का इलेक्ट्रिफ़िकेशन हो चुका है। बाकी नेटवर्क के इलेक्ट्रिफ़िकेशन का काम भी शुरू कर दिया गया है। 2014-26 के दौरान और 2014 से पहले किए गए इलेक्ट्रिफ़िकेशन का विवरण इस प्रकार है, 2014 से पहले (लगभग 60 साल) 21,801 रूट किलोमीटर जबकि 2014-26 तक 48,072 रूट किलोमीटर, इसके अलावा, नई लाइन और मल्टी-ट्रैकिंग वाले सभी प्रोजेक्ट्स को इलेक्ट्रिफ़िकेशन के साथ मंज़ूरी दी जा रही है और उनका निर्माण किया जा रहा है। इंडियन रेलवेज़ ने दुनिया के सबसे तेज़ रेलवे इलेक्ट्रिफ़िकेशन प्रोग्राम में से एक को अपनाया है। जहाँ कई देश सिर्फ़ अपने सबसे व्यस्त पैसेंजर और माल-ढुलाई वाले कॉरिडोर के इलेक्ट्रिफ़िकेशन को प्राथमिकता देते हैं, वहीं भारत ने अपने पूरे ब्रॉड गेज नेटवर्क के इलेक्ट्रिफ़िकेशन का फ़ैसला किया है।

टीवीएस मोटर वित्तीय सेवा कारोबार करेगा अलग?

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने बुधवार को कहा कि कंपनी शेयरधारकों के मूल्य को बढ़ाने के लिए अपने वित्तीय सेवा कारोबार को अलग करने जैसे विकल्पों पर विचार करेगी। कंपनी की सालाना आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए वेणु ने कहा कि समूह ने कई साल से अपने वित्तीय सेवा कारोबार...टीवीएस क्रेडिट... को बनाने और उसे आगे बढ़ाने में लगातार निवेश किया है। यह कारोबार अब बड़े टीवीएस परिवेश का एक अहम हिस्सा बन गया है। चेयरमैन ने कहा, ''तीनों प्रमुख रेटिंग एजेंसियों से एए प्लस रेटिंग पाने वाली टीवीएस क्रेडिट समझदारी, मकसद और टीवीएस के मूल्यों के साथ लगातार आगे बढ़ रही है।'' वेणु ने कहा, ''कंपनी सही समय पर, चरणबद्ध तरीके से और लंबी अवधि की रणनीतिक सोच के साथ, शेयरधारक मूल्य को और बढ़ाने और उसे खोलने के लिए वित्तीय सेवा कारोबार को अलग करने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकती है। वित्तीय सेवा कारोबार के लिए वित्त वर्ष 2025-26 अच्छा रहा है। इसमें कर्ज वितरण 26 प्रतिशत बढ़ा और साल के अंत में कंपनी का संपत्ति आधार 30,000 करोड़ से अधिक रहा।

■ कंपनी के चेयरमैन वेणु ने आम सालाना बैठक को किया संबोधित

कच्चे तेल के दाम में तेजी से सेंसेक्स 715 अंक लुढ़का, निफ्टी भी टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। कच्चे तेल के दाम में तेजी और बैंक शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 715 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी में 191 अंक की गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक टूटकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 828.92 अंक लुढ़क कर 76,641.19 अंक पर आ गया था। इसी तरह निफ्टी 191.45 टूटकर 23,996.25 अंक पर बंद हुआ। मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.33 प्रतिशत लुढ़का जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1.16 प्रतिशत नीचे आया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव और हूती समूह के दुनिया के महत्वपूर्ण पोत परिवहन मार्ग को बाधित करने से तेल की आपूर्ति प्रभावित होने को लेकर चिंता बढ़ गई है। इससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं और रुपया कमजोर हुआ है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

भारत का खाद्य तेल आयात बिल नौ प्रतिशत बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उद्योग निकाय एसईए का कहना है कि आयात की ज्यादा मात्रा और रुपये की कीमत घटने की वजह से अक्टूबर में खत्म होने वाले मौजूदा विपणन वर्ष के दौरान भारत का खाद्य तेल आयात का खर्च नौ प्रतिशत बढ़कर 1.75 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने सदस्यों को लिखे एक पत्र में बढ़ते आयात खर्च पर चिंता जताई और कहा कि तिलहन क्रांति का और इंतजार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ''भारत अपने खाद्य तेल के सफर में एक अहम मोड़ पर खड़ा है, और चेतावनी के संकेतों को नजरअंदाज करना मुश्किल होता जा रहा है। देश का खाद्य तेल आयात खर्च, जो पिछले साल 1.61 लाख करोड़ रुपये था, उसके इस साल 1.75 लाख करोड़ रुपये के अभूतपूर्व स्तर को पार करने का अनुमान है।'' इस महीने की शुरुआत में एसईए ने बताया था कि नवंबर, 2025-जून, 2026 की अवधि के दौरान भारत का खाद्य तेल का आयात सात प्रतिशत बढ़कर 103.88 लाख टन हो गया, जबकि पिछले तेल वर्ष की इसी अवधि में यह 97.29 लाख टन था। खाद्य तेल का विपणन वर्ष नवंबर से अक्टूबर तक चलता है। अस्थाना ने कहा कि मौजूदा तेल वर्ष के पहले आठ महीनों में आयात खर्च 1.19 लाख करोड़ रुपये रहा।, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 99,000 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक और आंकड़ा नहीं है; यह कीमती विदेशी मुद्रा के बड़े पैमाने पर बाहर जाने को दिखाता है।

पाक ने अमेरिका से 10 अरब डॉलर की सहायता मांगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से 10 अरब डॉलर की मुद्रा विनिमय स्थिरता सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मुद्रा विनिमय स्थिरता सुविधा (एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी) को अक्सर अमेरिकी वित्त मंत्रालय के वित्तीय सहायता तंत्र 'एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन फंड' के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है। इसमें मुद्रा अदला-बदली, वित्तीय गारंटी और ऋण जैसी व्यवस्थाएं शामिल होती हैं। समाचार पत्र 'डॉन' ने बुधवार को खबर दी कि उसे इस अनुरोध की पुष्टि वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तान के दूतावास से हुई है। हालांकि, दूतावास ने इस संबंध में कोई अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की। अखबार ने इस बारे में अमेरिकी वित्त मंत्रालय से भी प्रतिक्रिया मांगी लेकिन उसकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

■ पाक ने मुद्रा विनिमय स्थिरता सुविधा उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव जिला-रायपुर (छ.ग.)

Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./2102/ न.पा.नि./लो.नि.शाखा/2026 बीरगांव, दिनांक 20/07/2026

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

e-Procurement Tender Notice (1st Call)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत वार्ड क्रं. 16 उरकुरा के वार्ड क्रं. 16 में सर्व सुविधायुक्त मल्टी स्पोर्टस कॉम्पलेक्स निर्माण कार्य (निविदा राशि रू. 420.49) लाख के लिए System Tender No 195811 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 15.06.2026, Building S.O.R. in force from 10.06.2026, ELECTRICAL S.O.R 10.06.2026, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस. ओ. आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 195811, Bid Start Date 20.07.2026, Bid Due date. 11.08.2026, Physical Submission Last Date 17.08.2026, Open Date 18.08.2026) तक ई - निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/ प्राप्त कर ईटेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है।

"जय भारत जय छत्तीसगढ़"
"Say No To Plastic Bags, Save Earth"
"जल है तो कल है" "Use e-mail Save Tree"

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6295

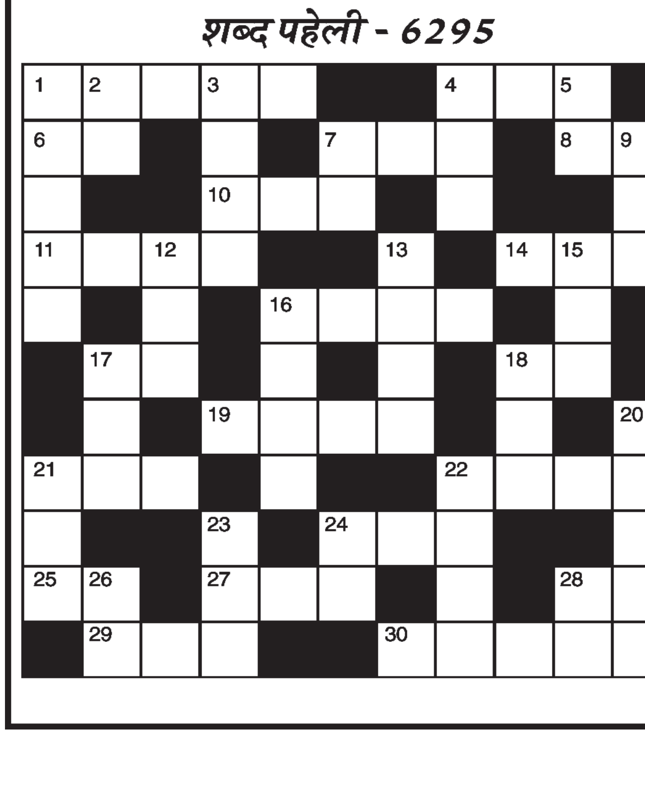

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली- 6294 का हल

■	म	हा	भा	र	त	■	प	र	वा	ना
त	न	■	स्क	■	मा	हि	र	■	र	ग
न	■	त	र	क	श	■	ख	र	■	वा
ब	न्ध	क	■	■	बी	वी	■	न	ज	र
द	■	दी	■	दा	न	■	फां	■	ल	■
न	ज	र	बं	द	■	न	सी	ब	वा	ला
■	रु	■	दी	■	म	न	■	च	■	प
श	री	र	■	जं	हा	■	■	प	गा	र
रा	■	न	म	■	सा	ग	वा	न	■	वा
फ	ल	■	स	ज	ग	■	च	■	आ	ह
त	क्ष	शि	ला	■	र	द्द	क	र	ना	■

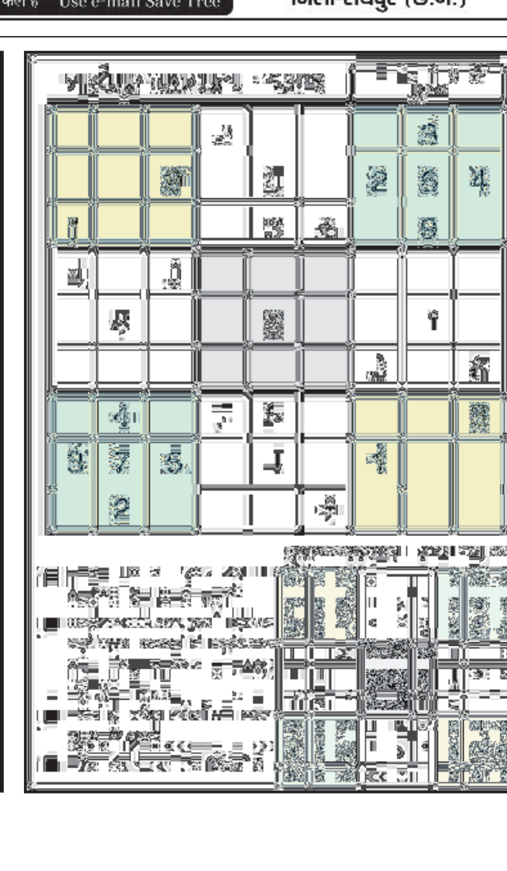

टॉप-5 की जंग में भारत, मुक्केबाजी-एथलेटिक्स से पदकों की आस

एजेंसी ▸▸ ग्लास्गो

भारत के लिए पिछले दो दशक से राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष पांच में रहने का सिलसिला कायम रखना इस बार स्पर्धाओं में कटौती के कारण मुश्किल हो सकता है लेकिन मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में अच्छे पदक आने की उम्मीदें है। पिछले तीन दशक में यह सबसे छोटे राष्ट्रमंडल खेल हैं, जिनमें लागत में कटौती के कारण चार स्थानों पर सिर्फ दस खेलों की स्पर्धाएं होंगी और 74 देशों के करीब 3 हजार खिलाड़ी जोर आजमाइश करेंगे। ओवो हाइड्रो पर गुरुवार को उद्घाटन समारोह के जरिए इन खेलों की औपचारिक शुरुआत होगी। इनमें से छह खेलों में पैरा खेलों की स्पर्धाएं भी साथ में होंगी।

2002 के बाद भारत रहा शीर्ष पांच में

भारत मैनचेस्टर में 2002 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से हर बार शीर्ष पांच में रहा है। इस बार हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और निशानेबाजी के नहीं होने से यह कर पाना मुश्किल लग रहा है। बर्मिंघम में इन्हीं खेलों में भारत के 61 में से लगभग आधे पदक आए थे। ऐसे में अब एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन पर जिम्मेदार आन पड़ी है।

आज से कॉमनवेल्थ गेम्स, 74 देशों के 3 हजार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

भारोत्तोलन में नजरें मीराबाई चानू पर

भारोत्तोलन में नजरें ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू पर लगी होंगी। मणिपुर की 31 वर्ष की चानू पिछले दो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी है। भारोत्तोलन में भारत के 11 खिलाड़ी ही भाग लेंगे क्योंकि राष्ट्रीय शिविर में कई खिलाड़ी डोप टेस्ट में नाकाम हुए हैं, जिससे भारत की पदक की उम्मीदें कम हो गई हैं। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक जीतना चाहेंगी। वहीं 57 किलो में विश्व चैंपियन जैसमीन लंबोरिया बर्मिंघम में जीते कांसे को स्वर्ण में बदलने को उत्सुक होंगी।

एथलेटिक्स में भारत के 32 खिलाड़ी करेंगे जोरआजमाइश

भारत ने एथलेटिक्स में 32 सदस्यीय दल उतारा है जो 22 पदक स्पर्धाओं में भाग लेगा। इसकी अगुवाई दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा करेंगे। वह इस बार पदक के प्रबल दावेदार के रूप में नहीं बल्कि चैलेंजर के रूप में उतरेंगे। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पुरुषों के भालाफेंक में प्रबल दावेदार हैं, जिन्होंने पिछले महीने रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो फेंककर सनसनी फैला दी थी। पेरिस ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम भी दौड़ में हैं लेकिन चोपड़ा भी दावेदारों में से है।

एशियाई खेलों का इंतजार कर रहा हूं : कुजूर

अनिमेष कुजूर को इस बात की कोई चिंता नहीं है कि भारत के सबसे तेज धावक का तमगा अब गुरिंदरवीर सिंह के पास चला गया है, बल्कि 200 मीटर दौड़ का यह राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी चाहता है कि आगामी राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में उनका प्रदर्शन ही सब कुछ बयां करे। इस साल की शुरुआत में ओडिशा में गुरिंदरवीर ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसके बाद कुजूर से अक्सर यह पूछा जाता रहा है कि क्या वह यह खिताब वापस हासिल करेंगे। जब कुजूर से भारत के सबसे तेज धावक का तमगा वापस पाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'बस एशियाई खेलों का इंतजार कर रहा हूं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'हां, बस एशियाई खेलों तक इंतजार कीजिए। फिर हम दोबारा बात करेंगे।'

खबर संक्षेप

यॉर्कशर के लिए खेलेंगे कुलदीप यादव

लीड्स। भारत की एकादश में बार-बार अनदेखी किए जाने के बाद बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने शीर्ष इंग्लिश काउंटी टीम यॉर्कशर के लिए मौजूदा सत्र में 8 मैच खेलने का करार किया। यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने अपनी वेबसाइट पर घोषणा की, 'यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्पिनर कुलदीप यादव के साथ विदेशी खिलाड़ी के तौर पर करार करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

अपने गांव में मुक्केबाजी अकादमी खोलेंगे विजेंदर

नई दिल्ली। पूर्व दिग्गज मुक्केबाज विजेंदर सिंह अब हरियाणा में अपने पैतृक गांव में एक ट्रेनिंग अकादमी बनाकर कोचिंग की दुनिया में कदम रखना चाहते हैं और उन्होंने इस परियोजना के लिए खेल मंत्रालय से मदद मांगी है ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले पूर्व मुक्केबाज ने कहा कि उनका प्रस्ताव मंत्रालय के पास है मंत्रालय 'राष्ट्रीय खेल विकास कोष' के जरिए मदद देने का फैसला करने से पहले प्रस्ताव की बारीकी से जांच कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हां, मैं अपनी मुक्केबाजी अकादमी खोलने की योजना बना रहा हूं।

वनडे कप्तानी हटे शाहिदी खेलेंगे आयरलैंड सीरीज

काबुल। अनुभवी बल्लेबाज हशमतुल्लाह शाहिदी ने अफगानिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है लेकिन वह बतौर खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे। 31 वर्ष के शाहिदी 2022 की शुरुआत में वनडे टीम के कप्तान बने थे और 2023 वनडे विश्व कप तथा 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के कप्तान रहे। वह अफगानिस्तान की टेस्ट टीम के भी कप्तान हैं। आज मैं पूरे सम्मान और सहमति से निजी कारणों की वजह से अपनी टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे रहा हूं।

3 मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच आज शाम 4.30 बजे से

दबाव में 'कप्तान' अय्यर, जिम्बाब्वे के खिलाफ पहली जीत की तलाश

अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का सुनहरा मौका

एजेंसी ▸▸ हरारे

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान पहली जीत दर्ज करने को बेताब होंगे जब उनकी युवा भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में गुरुवार को उतरेगी।

कप्तान के रूप में पहले सात टी20 मैचों में से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ छह गंवा चुके अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का यह सुनहरा मौका है। जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत अपेक्षित है लेकिन अगर हार गए तो उस ड्रेसिंग रूम की हालत का अनुमान ही लगाया जा सकता है, जिसमें 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी भी हैं।

एक बार फिर नजरें सूर्यवंशी पर

भारत ने इस दौरे के लिए वीवीएस लक्ष्मण को कोच के रूप में भेजा है, जिनकी शख्सियत आक्रामक कोच गौतम गंभीर से एकदम उलट है। ऐसा नहीं है कि गंभीर जीतना नहीं चाहेंगे लेकिन अंतिम एकादश के साथ प्रयोग करने की उनकी आदत गंभीर की तुलना में कम है। एक बार फिर नजरें 'वंडर ब्वॉय' सूर्यवंशी पर होंगी, जो अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करेंगे क्योंकि संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है।

गेंदबाजों का चुनाव भारत की चुनौती

भारत के सामने असली चुनौती हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे में से एक को चुनने की है। तीनों में से कोई भी शुद्ध हरफनमौला नहीं है। ऐसे में तीनों को भी उतारा जा सकता है। शिवम को सीम और स्विंग गेंदबाजी के सामने बतौर बल्लेबाज परेशानी आई है। लेकिन उन्हें दो टी20 विश्व कप जीतने का अनुभव है। वहीं शेडगे की गेंदबाजी अपेक्षा के अनुरुप नहीं है तो हर्ष अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं।

मैच का समय : शाम 4.30 बजे

टीमें इस प्रकार

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह।

जिम्बाब्वे : सिकंदर यादव (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका शिवांगा, बेन कुरेन, ब्राड इवांस, वेसले माधेवेरे, टी. मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स , रिचर्ड एनगारवा, न्यूमैन एन, मिल्टन शुम्बा, टी. सिगा।

उतार-चढ़ाव के बाद भी मेरा आत्मविश्वास बरकरार: वैभव

वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले उनका आत्मविश्वास पूरी तरह कायम है। 15 वर्षीय सूर्यवंशी को भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 दौरे में शामिल किया गया। सूर्यवंशी ने कहा, 'हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। लेकिन मुझे अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखना है और टीम के लिए अपना शत प्रतिशत देना है।' उन्होंने स्वीकार किया कि कम उम्र में ऐसी निराशाओं से उबरना आसान नहीं होता, लेकिन उन्हें अपने आसपास के लोगों और कोचिंग स्टाफ से पूरा सहयोग मिला, जिससे वह दोबारा अपना ध्यान खेल पर केंद्रित कर सके। उन्होंने कहा, 'यह स्वाभाविक है कि मुझे जिस भी तरह की मदद या मार्गदर्शन चाहिए, कोच मुझे उपलब्ध करा रहे हैं। जितना अभ्यास मुझे चाहिए, वह भी मिल रहा है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास से भरा हूं।

आईसीसी वनडे रैंकिंग

टॉप-5 में भारत के 3 बल्लेबाज गिल नंबर-1 के बेहद नजदीक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के अलावा दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद जारी नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पांच में शामिल हैं।

गिल दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के बेहद करीब हैं।
गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में भारत की 1-2 की हार के दौरान तीन मैच में 188 रन बनाए और वह शीर्ष पर चल रहे मिचेल (802 अंक) से सिर्फ एक अंक पीछे हैं। कोहली (767) और रोहित (758) क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

■ कोहली-रोहित का जलवा कायम

आठवें पायदान पर रूट

इंग्लैंड के जो रूट चार स्थान की छलांग के साथ आठवें पायदान पर हैं। टीम के उनके साथी बेन डकेट भी 11 स्थान की लंबी छलांग के साथ संयुक्त 19वें पायदान पर हैं। जैकब बेथेल भी पांच स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं। श्रेयस अय्यर एकदिवसीय रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से 13वें पायदान पर हैं।

कुलदीप टॉप टेन से बाहर

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एक स्थान के फायदे से पाकिस्तान के अबरार अहमद के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

सीनियर विश्व तलवारबाजी चैंपियनशिप

विश्व मंच पर तनिष्का व प्राची ने रचा इतिहास

तनिष्का और प्राची ने एलिमिनेशन ड्रॉ में बनाई जगह

एजेंसी ▸▸ हांगकांग

भारतीय तलवारबाज तनिष्का खत्री और प्राची लोहान इतिहास रचते हुए सीनियर विश्व तलवारबाजी चैंपियनशिप में 64 खिलाड़ियों के मुख्य एलिमिनेशन ड्रॉ में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला एपी खिलाड़ी बनीं।

9 दिवसीय चैंपियशिप के पहले दिन प्रतिस्पर्धा करते हुए तनिष्का और प्राची ने राउंड रोबिन पूल और शुरुआती एलिमिनेशन दौर की बाधा को पार करते हुए मुख्य एलिमिनेशन ड्रॉ मे जगह बनाई, जो भारतीय तलवारबाजी के लिए अहम उपलब्धि है। ये दोनों अब 25 जुलाई को 64 खिलाड़ियों के एलिमिनेशन ड्रॉ में चुनौती पेश करेंगी, जहां उनका लक्ष्य शीर्ष 32 खिलाड़ियों में जगह बनाना होगा। पुरुष व्यक्तिगत फॉयल स्पर्धा में सचिन 107वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय खिलाड़ी रहे। आदित्य ने 137वां, सेनासम हेमाश सिंह ने 143वां और तेजस मनोज पाटिल ने 149वां स्थान हासिल किया। कोई भारतीय तलवारबाज मुख्य ड्रॉ में जगह नहीं बना पाया।

आखिरी वनडे जीता वेस्टइंडीज, सीरीज पर न्यूजीलैंड का कब्जा

ब्रिजटाउन। शिमरोन हेटमायेर के नाबाद 69 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने पांचवें और आखिरी वनडे में न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हराया। यूजीलैंड ने हालांकि श्रृंखला 3-2 से जीत ली है। पहले मैच में वेस्टइंडीज ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी, जिसके बाद न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच 5 विकेट से और तीसरा 6 विकेट से जीता। चौथा मैच भी न्यूजीलैंड ने जीता था। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 268 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 15 गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। हेटमायेर ने शेरफान रदरफोर्ड (61) के साथ 95 रन की साझेदारी की।

एटीपी टूरः बाएज ने केकमनोविच को दी मात, दूसरे दौर में मारी एंट्री

एजेंसी ▸▸ किट्जबुहेल

अर्जेंटीना के स्टार टेनिस खिलाड़ी सेबेस्टियन बाएज ने 'जेनराली ओपन' के पहले दौर में मियोमिर केकमनोविच को मात दी। ऑस्ट्रिया के शहर किट्जबुहेल में जारी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में बाएज ने कड़े मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्बियाई खिलाड़ी को शिकस्त दूसरे दौर में जगह बनाई। किट्जबुहेल में एटीपी 250 इवेंट में दो पूर्व चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में, बाएज ने 6-3, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की। यह केकमनोविच के साथ उनके चार टूर-लेवल मुकाबलों में पहली जीत थी।

अगले दौर में पहुंचकर खुश हूं : बाएज

एटीपी रैंकिंग में पूर्व नंबर 18 खिलाड़ी बाएज ने कहा, मुझे वापस आकर खुशी हो रही है, क्योंकि यह जगह बहुत पसंद है। मुझे यहां के लोग, भीड़, कोर्ट, शहर, सब कुछ पसंद है। हम एक-दूसरे को कई वर्षों से जानते हैं। मुझे लगता है कि आज अहम बात यह थी कि प्रत्येक प्वाइंट पर डटे रहें और फोकस बनाए रखें, क्योंकि यहां ऊंचाई की वजह से कभी-कभी गेंद को कंट्रोल करना मुश्किल होता है।

अब रिंडरकनेच से सामना

बाएज ने घरेलू पसंदीदा डोमिनिक थिएम को शिकस्त देकर ऑस्ट्रियाई आल्प्स में 2023 का खिताब अपने नाम किया था। अब वह इस साल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए तीसरी वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच का सामना करेंगे।

युवा हॉकी5 एशियाई चैंपियनशिपः भारत ने ओमान को 14- 0 से हराया

युवा हॉकी टीम की ओमान और पाक पर शानदार जीत

एजेंसी ▸▸ मस्कट

भारतीय सब जूनियर लड़कों की टीम ने एफआईएच युवा हॉकी5 एशियाई चैंपियनशिप में पाकिस्तान और ओमान को हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा।

केतन कुशवाहा की कप्तानी में भारत ने ओमान को 14- 0 से हराया, जिसमें कप्तान ने चार गोल किए और आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक लगाई। राहुल यादव और शाहरुख अली ने दो-दो , प्रहलाद राजभर, करण गौतम और रोमित पाल ने एक-एक गोल दागा।

भारत ने पाकिस्तान को 7-4 से हराया

पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने 7-4 से जीत दर्ज की, जिसमें करण गौतम ने तीन गोल किए। राहुल यादव, प्रहलाद राजभर, कप्तान कुशवाहा, रोमित पाल ने एक एक गोल किए। पाकिस्तान के लिए असलम मुहम्मद फरहान और आदिल ने एक जबकि उस्मान मुहम्मद ने दो गोल किए।

गर्ल्स टीम ने उजबेकिस्तान को 16-0 से हराया

भारतीय सब जूनियर लड़कियों ने चीन से 2-2 से ड्रॉ खेला और उजबेकिस्तान को 16-0 से हराया। चीन के लिए चेन गि और जियाशिन गुओ ने गोल किए जबकि भारत के लिए नौशीन नाज ने दो गोल दागे। उजबेकिस्तान के खिलाफ नौशीन नाज ने चार, संदीपा कुमारी और कप्तान स्वीटी कुजूर ने तीन तीन, दिया और पुष्पा ने दो-दो जबकि किरण इक्का और नीलम टोप्पो ने एक एक गोल दागे। यह टूर्नामेंट पहले एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप का क्वालीफायर भी है।

सिंधू और लक्ष्य दूसरे दौर में, शेट्टी ने फरहान को हराकर उलटफेर किया

भाषा ▸▸ चांगझोउ

आयुष शेट्टी ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी अल्वी फरहान को हरा दिया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने हमवतन उन्नति हुड्डा की कड़ी चुनौती से पार पाकर बुधवार को यहां चाइना ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारत के नंबर एक पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने भी अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने जापान के दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी यूशी तनाका को 53 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 22-20, 15-21, 21-14 से हराया। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर मौजूद भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में कनाडा के आठवीं वरीयता प्राप्त विक्टर लाई का सामना करेंगे। लाई विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर हैं। जापान ओपन जीतकर दो साल के खिताबी सूखे को खत्म करने वाली सिंधू को 18 वर्षीय उन्नति के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

उन्होंने 56 मिनट तक चले महिला एकल मुकाबले में उन्नति को 21-14, 9-21, 21-10 से शिकस्त दी। उन्नति ने पहले गेम में सिंधू को कड़ी टक्कर दी और स्कोर 7-7 तक बराबरी पर रखा। इसके बाद सिंधू ने लय हासिल करते हुए पांच अंक जीतकर 12-8 की बढ़त बना ली और पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में उन्नति ने शानदार वापसी की। 2-2 की बराबरी के बाद उन्होंने 6-3 की बढ़त बनाई और फिर लगातार छह अंक जीतकर स्कोर 12-4 कर दिया।

एरिगेसी से ड्रॉ खेलकर फिरोजा बने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स चैंपियन

चेन्नई। फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने बुधवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी के खिलाफ सातवें और अंतिम दौर की बाजी ड्रॉ खेलकर चौथे चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फिरोजा ने सात दौर में दो जीत और पांच ड्रॉ के साथ कुल 4.5 अंक हासिल किए। उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत लगातार दो जीत से की थी और अंतिम दौर में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों एरिगेसी और उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर आधे अंक की बढ़त के साथ पहुंचे। खिताब जीतने की कोशिश में काले मोहरों से खेल रहे अब्दुसत्तोरोव को ग्रैंडमास्टर दिमित्री आंद्रेइकिन ने 37 चालों में हरा दिया। इससे फिरोजा को चैंपियन बनने के लिए एरिगेसी के खिलाफ केवल ड्रॉ की दरकार थी और उन्होंने 41 चाल में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर खिताब सुनिश्चित कर लिया।

मनीला में हुई भारत-आसियान के विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए बोले भारत के विदेश मंत्री

समुद्री व्यापार के मामले में आवश्यक है अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया में एक बार फिर से भड़के युद्ध की वजह से बढ़ते तनाव और हिंद-प्रशांत के इलाके में चीन की एकतरफा एकाधिकार स्थापित करने की कोशिशों के चिंताजनक हालात के बीच बुधवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान-भारत के विदेश मंत्रियों की एक बड़ी बैठक हुई। जिसमें भारत का नेतृत्व तथा बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने की। उन्होंने अपने संबोधन में पूरी दुनिया में लगातार बढ़ते तनाव की वजह से फैलती

अशांति और अनिश्चितता का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया कि आज अकेले कोई एक देश या समूह वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला नहीं कर सकता है। ऐसे में हमारा ध्यान निकट भविष्य पर केंद्रित होना चाहिए और हमें यह देखना चाहिए कि कैसे हमारा आपसी सहयोग हमारे साझा हितों की पूर्ति में मददगार साबित हो सकता है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान के जरिए यह जानकारी दी है।

प्रभावित होती आपूर्ति श्रृंखलाएं

जयशंकर ने यह भी कहा कि वर्तमान दौर अस्थिरता और व्यवधान से भरा हुआ है। जिसकी वजह से सबसे ज्यादा दबाव आपूर्ति श्रृंखलाओं, ऊर्जा-खाद्य तथा स्वास्थ्य सुरक्षा पर पड़ता हुआ नजर आ रहा है। इसलिए इन मामलों को स्वाभाविक मानकर खारिज नहीं जा सकता है। आज के इस समय में जब हम समुद्री व्यापार पर निर्भर हैं। तब यह विषय चिंता का विषय बन सकता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना बेहद जरूरी हो जाता है। हमारी इस वर्ष की अध्यक्षता का विषय एकजुटता के साथ मिलकर अपने भविष्य की दिशा तय करना रखा गया है। जिस पर सभी भागीदारों को गंभीरता के साथ ध्यान देना चाहिए।

एजेंडे में शामिल बिंदु

भारत, आसियान की चर्चा के एजेंडे में कुछ क्षेत्रों को प्रमुखता के साथ शामिल किया जाता है। जिसमें व्यापार-निवेश, लोगों की आवाजाही, प्रतिभा, प्रौद्योगिकी, डिजिटल क्षेत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), हरित व सतत विकास और कनेक्टिविटी मुख्य हैं। जयशंकर ने कहा कि सहयोग को बढ़ाकर हम जोखिमों को कम कर सकते हैं और विकल्पों में विविधता ला सकते हैं। भारत के लिए आसियान की केंद्रीय भूमिका एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है।

चुनौतियों संग अवसरों को भी देखें

उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा साल को आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। जो हमें और अधिक स्थिर, सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करता है।

भारत और आसियान दोनों अपने भविष्य को लेकर सकारात्मक सोच रखते हैं। जिसे देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि चुनौतियों के साथ हमें समान रूप से अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दोनों पक्षों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। विश्व इस समय बदलाव के दौर से गुजर रहा है। दोनों पक्ष 2 अरब की जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर दुनिया को सुरक्षित और स्थिर बनाए रखना है तो हमें इस परिवर्तनकारी विश्व में मिलकर आगे बढ़ना होगा।

खबर संक्षेप

अफगानिस्तान को भारत ने भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए भारत ने राहत सामग्री भेजी। इसमें खाने-पीने का सामान और परिवारों के रहने के लिए टेंट शामिल हैं। यह सामग्री अफगानिस्तान की नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी को सौंपी गई।

पश्चिमी नेपाल में 4.2 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल में बुधवार तड़के 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सुबह 4:40 बजे आए इस भूकंप का केंद्र सुदूरपश्चिम प्रांत के बाजहांग जिले के कोटदेवाल के आसपास था। यह स्थान काठमांडू से करीब 900 किमी दूर पश्चिम में स्थित है। यह भूकंप पड़ोसी बाजुरा और दार्चुला जिलों में भी महसूस किया गया। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

कीटनाशक पर बैन हटने पर मंत्री का इस्तीफा

पेरिस। फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड व फ्लुपाइराडीफ्यूरोन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी दी गई है।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती देने के अलावा क्षेत्रीय-वैश्विक चिंताओं से जुड़े मुद्दों पर भी की गई चर्चा

मनीला में क्वाड से इतर एस. जयशंकर की रुबियो, वांग यी और लावरोव संग हुई बैठकें

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

फिलीपींस की राजधानी मनीला में बुधवार को हुई आसियान और क्वाड समूह की बैठकों से इतर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ पृथक रूप से कुछ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें की हैं। जिनमें मुख्य रूप से भारत के इन तीनों साझेदार देशों के साथ बने हुए आपसी संबंधों-साझेदारी से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं और आपसी हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय, अंतरराष्ट्रीय मामलों पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया है। एक्स पर की गई कुछ पोस्ट के जरिए डॉ. जयशंकर ने यह जानकारी दी है।

पश्चिम-एशिया संकट पर रुबियो से चर्चा की

विदेश मंत्री ने अपनी एक्स पोस्ट में बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ हुई बैठक भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी से संबंधित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित रही। मनीला में अमेरिकी विदेश मंत्री से मुलाकात कर प्रसन्नता हुई है। हमारी वार्ता में शामिल किए गए क्षेत्रों में व्यापार, शुल्क, ऊर्जा, रक्षा, सुरक्षा, दुर्लभ खनिज और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे मामलों को शामिल किया गया। इसके अलावा हमने साझा हितों वाले क्षेत्रीय, अंतरराष्ट्रीय और बहुपक्षीय मामलों पर भी तेजी के साथ अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। यहां ध्यान देने वाली एक बात यह है कि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच हुई बातचीत में उठे वैश्विक मसलों में

पश्चिम-एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर से शुरू हुए युद्ध की वजह से बढ़े तनाव, होर्मुज व अन्य जलमार्गों से प्रभावित होता समुद्री परिवहन और ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दों को शामिल किया गया। जयशंकर-रुबियो की यह मुलाकात पश्चिम-एशिया में पुनः शुरू हुए युद्ध के बाद पहली बार मनीला में हुई है। जबकि इससे पहले हालिया समय में क्वाड की बैठक में भाग लेने के लिए की गई अमेरिका के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान दोनों नई दिल्ली में मिले थे।

सीमा पर शांति संबंधों की पहली शर्त

भारत-चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक में एलएसी विवाद समाप्ति के बाद सामान्य हो रहे संबंधों, सीमावर्ती इलाकों में बने हुए हालात के मामले पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया। डॉ. जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के समक्ष साफ शब्दों में कहा कि सीमा से जुड़े क्षेत्रों में शांति ही हमारे संबंधों की स्पष्ट और पूर्व निर्धारित शर्त है। जो आज भी हमारी प्राथमिकता बनी हुई है। वर्ष 2024 में कजान में हुई हमारे राष्ट्राध्यक्षों की बैठक के बाद दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। तियानजिन की बैठक से यह कवायद और अधिक आगे बढ़ी है। जयशंकर के मुताबिक, दो महत्वपूर्ण और बड़े राष्ट्रों के रूप में इस बात में कोई शक नहीं है कि भारत और चीन के अपने-अपने विशेष हित होंगे। जिसकी वजह से हमारे नेताओं ने यह सहमति जताई है कि मतभेद कभी भी विवादों में तब्दील नहीं होने चाहिए। कूटनीति के जरिए इन पर चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंधों के कुछ महत्वपूर्ण आयामों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जिसमें निष्पक्ष व्यापार बाजार पहुंच, व्यापार संतुलन जैसे मामले मुख्य हैं।

जटिल बनी हुई है वैश्विक स्थिति

जयशंकर ने ये भी कहा कि दोनों देशों का यह भी मानना है कि आपसी सम्मान, हितों और संवेदनशीलता के आधार पर एक स्थिर और सहयोगी संबंधों का विकास हो सकता है। हमारे यह संबंध बहुध्रुवीय एशिया और विश्व के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। दोनों पक्ष सीमाई क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने के लिए जुटे हुए हैं। इस पर हमें लगातार ध्यान केंद्रित करना पड़ेगा। साथ ही मामले में संबंधित तंत्रों को पूर्ण समर्थन तथा मजबूत प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। भारत के विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति बेहद जटिल बनी हुई है। जिसे देखते हुए आसियान के इस वैश्विक मंच पर मुलाकात के जरिए इन मुद्दों पर दोनों देशों के विचारों को साझा करना चाहिए। संबंधों को सामान्य बनाने को लेकर हालिया महीनों में उठाए गए कदमों का स्वागत करने पर भी जयशंकर ने जोर दिया। जिसमें प्रत्यक्ष उड़ानों की बहाली, वीजा व्यवस्था का आगाज, कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमा व्यापार की फिर से हुई शुरुआत जैसे मामले शामिल हैं। आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर भारत-चीन की अपनी चिंताएं हैं। हमें आधिकारिक, आम जनता के बीच आदान-प्रदान को सुगम बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत, चीन को साझा प्राथमिकताओं के हिसाब से विभिन्न तंत्रों, मंचों की बैठकों पर भी सहमति बनानी पड़ेगी। ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता के लिए प्रदान किए गए चीन के समर्थन को लेकर भारत के विदेश मंत्री ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के प्रति आभार जताया।

समुद्री यात्रियों की सुरक्षा पर जताई चिंता

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने अपनी एक अन्य एक्स पोस्ट के जरिए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ हुई बैठक का भी उल्लेख किया। दोनों विदेश मंत्रियों की यह मुलाकात बीते दिनों यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से गुजरते वक्त एमवी गोल्डन लियो नामक एक मालवाहक जहाज पर किए गए रूस के मिसाइल हमले में मारे गए 4 भारतीयों की घटना के तुरंत बाद हुई है। जिसे लेकर जयशंकर ने बताया कि रूस के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात में हमने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की गहनता के साथ समीक्षा की है। इस दौरान हुई चर्चा में हमने भारतीय समुद्री यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अपनी गहरी चिंताओं को आपस में साझा किया। यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी के हालात जैसे मुद्दों पर भी हमने विचारों का आदान-प्रदान किया है। इसके अलावा भारत-रूस की साझेदारी के तमाम पहलुओं जैसे व्यापार, निवेश, ऊर्जा-कनेक्टिविटी, विज्ञान-प्रौद्योगिकी और गतिशीलता जैसे मामलों पर भी बैठक में चर्चा की गई है।

अनंतनाग के लाल चौक में आतंकी हमला

पुलिस दल पर फायरिंग, गोली लगने से हेड कांस्टेबल शहीद

एजेंसी ⏭ अनंतनाग

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के व्यस्त लाल चौक (कोकेरनाग रोड) पर ड्यूटी के दौरान घात लगाकर बैठे अज्ञात बंदूकधारियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इस कायराना और दुस्साहसिक हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने वीरगति प्राप्त कर ली। दिनदहाड़े हुए इस आतंकी हमले से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और एक बार फिर घाटी में भारी तनाव का माहौल पैदा हो गया है।

आशिक हुसैन कुरैशी

टीआरएफ ने ली हमले की जिम्मेदारी

घटना के तुरंत बाद लश्कर-ए-ताइबा की प्रॉक्सी शाखा माने जाने वाले प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन टीआरएफ (द रेजिस्टेंस फ्रंट) ने एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने अमरनाथ यात्रा की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए इस हमले को अंजाम देने का दावा किया है। भविष्य में भी इस तरह की वारदातों को जारी रखने की धमकी दी है।

सुरक्षा बल मुस्तैद तलाशी अभियान जारी

हमले के तुरंत बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़े पैमाने पर कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू कर दिया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और फरार आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए आधुनिक तकनीक और खुफिया तंत्र की मदद ली जा रही है।

डीजीपी नलिन प्रभात ने उच्च स्तरीय समीक्षा की

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और स्पेशल डीजीपी एस.जे.एम. गिलानी ने तुरंत स्थिति का जायजा लिया और अनंतनाग के लाल चौक पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा की। डीजीपी ने बलिदानी कुरैशी को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूरा देश इस मुश्किल घड़ी में शहीद के परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह घिनौना कृत्य कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंकवादियों और उनके मददगारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सुरक्षा बल जमीन पर पूरी मुस्तैदी से काम कर रहे हैं और हमलावरों को जल्द ही कानून के कटघरे में लाया जाएगा।

राजौरी में ऊंचाई से गिरने पर सैनिक की मौत

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास ऊंचाई से दुर्घटनावश गिरने के कारण सेना के एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 27 वर्षीय राइफलमैन सुखप्रीत सिंह सुंदरबनी सेक्टर में अग्रिम महादेव चौकी पर ड्यूटी कर रहे थे तभी संतुलन बिगड़ने से वह ऊंचाई से नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। जवान का शव अंतिम संस्कार के लिए पंजाब स्थित उनके पैतृक स्थान ले जाया जाएगा।

आईपीआर के समुद्री क्षेत्र में शांति, स्थिरता समूचे इलाके की शांति-समृद्धि की आधारशिला है

एक खुले हुए, स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र के गठन को लेकर क्वाड ने पुनः जताई प्रतिबद्धता

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी संघर्षों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र (आईपीआर) में तेजी से बढ़ती चीन की आक्रामकता के चिंताजनक माहौल में बुधवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में चतुष्कोणीय 'क्वाड' समूह देशों के विदेश मंत्रियों की एक महत्वपूर्ण उच्च-स्तरीय बैठक हुई। जिसमें भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वांग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी शामिल हुए। बैठक के बाद क्वाड देशों द्वारा जारी किए गए संयुक्त बयान के मुताबिक, इस बैठक में चारों समूह देशों ने पूरी एकजुटता के साथ एक खुले हुए, स्वतंत्र हिंद-

प्रशांत क्षेत्र के गठन को लेकर न केवल एक बार फिर से अपनी प्रतिबद्धता जताई है। बल्कि साझा विश्वास के साथ यह भी कहा कि आईपीआर के समुद्री क्षेत्र में शांति, स्थिरता समूचे क्षेत्र की शांति और समृद्धि की आधारशिला है। क्वाड विदेश मंत्रियों का यह बयान आसियान के साथ बने हुए उसके सहयोग के मुद्दे पर बैठक में हुई चर्चाओं पर आधारित है।

क्वाड का सबसे बड़ा विरोधी चीन: गौरतलब है कि आसियान व क्वाड के लगभग सभी देशों के साथ चीन का आईपीआर में किसी न किसी मामले पर सीमाई या अन्य प्रकार का विवाद चल रहा है। जिसे लेकर क्वाड कई मौकों पर साफ शब्दों में ड्रैगन को संदेश देते हुए यह स्पष्ट कर चुका है कि क्षेत्र में किसी भी देश के खिलाफ सैन्य प्रयोग की धमकी देकर बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने के किसी भी प्रयास को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। विवाद कैसा भी क्यों न हो? उसका समाधान बातचीत-कूटनीति के जरिए ही निकाला जाना चाहिए। वहीं, इस वक्त पूरी दुनिया में क्वाड के विरोध में केवल चीन ही खड़ा है। वह इस समूह को एशियाई नाटो की संज्ञा देता है। साथ ही कहता है यह एक प्रकार से आईपीआर का सैन्यीकरण करने का प्रयास है, जिसे वह पूरी तरह से खारिज करता है।

आसियान की केंद्रीयता को दी मान्यता

क्वाड ने आसियान को व्यापक रणनीतिक साझेदारी बताते हुए पूरी एकजुटता के साथ उसकी एकता और केंद्रीयता को अपनी मान्यता प्रदान करते हुए एक खुले हुए और स्वतंत्र आईपीआर के गठन को लेकर पुनः अपने समर्थन और प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत की तरफ से विदेश मंत्री ने इस बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हम चारों विदेश मंत्रियों ने हिंद-प्रशांत में बने हुए परिदृश्य की विस्तृत रूप से समीक्षा की और उसके साथ ही हालिया घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया है। वार्ता के दौरान बीते वक्त में नई दिल्ली में हुई हमारी पिछली बैठक के परिणामों का आकलन करते हुए उन पर भी हमने विचार साझा किए हैं। **समुद्री सुरक्षा को बताया प्राथमिकता:** संयुक्त बयान के मुताबिक, हम आसियान क्षेत्र की सफलता में काफी अहम भागीदारी निभाते हैं। इसके अलावा भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड समूह और उसमें शामिल तमाम सदस्य देशों के साथ अपने सहयोग को भविष्य में और अधिक प्रगाढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्वाड की बैठक में हमने क्षेत्रीय चुनौतियों और हमारे सामने मौजूद अवसरों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। हिंद-प्रशांत को लेकर बनी हुई आसियान की सोच यानी एओआईपी के व्यावहारिक क्रियान्वयन को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग को मजबूत बनाने पर भी सहमति प्रदान की गई है।

कारवार में नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल हुआ मालवन युद्धपोत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया स्वागत, बोले-ये अभियान नए भारत की दृढ़ संकल्प शक्ति और नारी शक्ति की संयुक्तता का प्रतीक है

चार महासागरों की 25 हजार प्लस समुद्री मील की यात्रा पूरी कर लौटा महिला सैन्य कर्मियों का दल

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पिछले साल 11 सितंबर 2025 को मुंबई से रवाना हुआ तीनों सशस्त्र सेनाओं के पहले त्रि-सेवा महिला विश्व परिक्रमा नौकायन दल की भारत वापस हो गई है। कुल 314 दिनों की इस यात्रा में इस दल ने चार महासागरों की लगभग 25 हजार 500 समुद्री मील से अधिक की रोचक और जटिल यात्रा सफलता के साथ पूरी की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महिलाओं के इस दल का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए स्वागत किया। रक्षा मंत्रालय ने इस अभियान को 'समुद्र प्रदक्षिणा' का नाम दिया था। जिसे भारतीय नौसेना के नौकायन पोत 'आईएएसवी त्रिवेणी' के जरिए पूरा किया गया है। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

प्रस्तुत किया नारी शक्ति का अद्भुत प्रमाण

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस अभियान की सफलता देश की नारी शक्ति का

अद्भुत प्रमाण प्रस्तुत करती है। इसके अलावा यह राष्ट्र के दृढ़ संकल्प, सेना-वायुसेना और नौसेना के बीच समन्वय तथा संयुक्तता की प्रभावशीलता का प्रतीक भी है। जिसे हम चुनौतियों पर विजय हासिल कर इतिहास रचने वाले नए भारत के उत्सव के रूप में भी देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान अपनी सूक्ष्म योजना, 24 महीनों के गहन प्रशिक्षण, चौबीसों घंटे समर्पित सहायता नेटवर्क, विभिन्न संगठनों और एजेंसियों की अटूट प्रतिबद्धता के कारण संभव हो सका है। जिसमें महिलाओं के दल ने देशांतर की सभी मध्याह्न रेखाओं को पार करने, भूमध्य रेखा-वैश्विक तिथि रेखा को पार करने व 3 अंतरीपों जैसे केप लीउविन, केप हॉर्न और केप ऑफ गुड होप का चक्कर लगाने, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस संबंध में बनाए गए सभी मानदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

एकता में निहित है शक्ति

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि समुद्र प्रदक्षिणा को एक समुद्री अभियान के तौर पर नहीं बल्कि एक ऐसे अभियान के रूप में याद किया जाएगा। जिसमें तीनों सेनाओं की महिला अधिकारियों ने एक ध्वज, संकल्प और एक उद्देश्य के साथ एकजुट होकर यह वैश्विक संदेश दिया कि भारत की शक्ति उसकी एकता में ही निहित है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया संयुक्त अभियानों, एकीकृत कमांडों तथा बहुआयामी युद्ध पर चर्चा कर रही है। तब त्रिवेणी ने संयुक्तता के महत्व को प्रदर्शित किया है। समन्वय होने पर क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। जब तीनों सेनाएं एकजुटता से आगे बढ़ती हैं। तब विजय खुद अपने आप ही अपना मार्ग प्रशस्त करती है। रक्षा मंत्री ने त्रिवेणी पोत को भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, स्वदेशी क्षमता और रणनीतिक आत्मविश्वास का प्रमाण बताया।

नौसेना में शामिल हुआ मालवन युद्धपोत

वहीं, 22 जुलाई को ही एक अन्य कार्यक्रम में कर्नाटक के कारवार में मालवन युद्धपोत को आधिकारिक रूप से भारतीय नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल किया गया है। यह माहे श्रेणी का दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्ध कौशल में निपुण और उथले जल क्षेत्र में कार्रवाई करने में सक्षम पोत है। जिसका निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह ने की। मालवन में 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री लगाई गई है। देश के भीतर किया गया इस पोत का निर्माण भारत के आत्मनिर्भर विजन के तहत किए जा रहे युद्धपोत निर्माण की क्षमता लगातार मजबूत होती क्षमता को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109